শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 135 | गुवाहाटी | सोमवार, 11 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी को आगे आना चाहिए : मुख्यमंत्री पेज 3

हम गिफ्ट सिटी को उन्नत वैश्विक ऋण एवं प्रौद्योगिकी सेवा का वैश्विक केंद्र ... पेज 4

शिक्षित के साथ ज्ञानवान होना महत्वपूर्ण : योगी आदित्यनाथ पेज 5

जन जन तक पहुंचनी चाहिए सरकार की लाभकारी योजनाएं : मूलचंद शर्मा पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जैसे ही भय आपके करीब आए, उसपर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।
– अज्ञात

विशिष्ट स्थानों पर स्थानीय लोग ही खरीद सकेंगे जमीन : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि सरकार राज्य के विशिष्ट स्थानों पर बाहरी लोगों के लिए भूमि की खरीद को प्रतिबंधित करने वाला एक कानून बनाने जा रही है। कानून के अनुसार केवल असमिया व्यक्ति ही माजुली, बटद्रवा, बरपेटा सहित अन्य जगहों पर भूमि की खरीद कर सकते हैं। शहीद स्मारक क्षेत्र, पश्चिम बोरागांव में आयोजित शहीद दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, डॉ शर्मा ने असमिया संस्कृति के संरक्षण के महत्व और इस उद्देश्य में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सरकार और समाज दोनों के पहल की आवश्यकता को रेखांकित किया। शर्मा ने अपने भाषण के दौरान घोषणा की कि हमें असमिया के रूप में सामूहिक रूप से आगे बढ़ना चाहिए, और सरकार और सामुदायिक पहल दोनों को असमिया संस्कृति की रक्षा के लिए काम करना चाहिए। डॉ शर्मा ने चिंता व्यक्त की, जहां सरकार के असमिया कर्मचारियों, विशेष रूप से राजस्व और वन विभागों में, बाहरी लोगों को जमीन खरीदने और कब्जा करने की सुविधा देते हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य ऐसी प्रथाओं पर रोक लगाना और यह सुनिश्चित करना है कि असम और इसके लोगों के हितों की रक्षा की जाए। डॉ शर्मा ने कहा कि हमारे लिए यह जरूरी है कि हम अपने रुख पर दृढ़ रहें कि बाहरी लोग इन क्षेत्रों में जमीन नहीं खरीद सकें और व्यवसाय स्थापित नहीं कर सकें। उन्होंने ऐसे उदाहरण भी दिए जहां असमिया सरकारी कर्मचारियों, विशेषकर राजस्व विभाग में, ने राज्य –शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी लिस्ट से हटाए जाएंगे फर्जी नाम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एनआरसी सूची में शामिल नामों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम सरकार एनआरसी की सूची में शामिल उन लोगों के नाम हटाएगी, जिन्होंने फर्जी तरीके से अपना नाम दर्ज कराया था। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हम एक योजना बना रहे हैं, जिन लोगों ने फर्जीवाड़ा करके एनआरसी में अपना नाम दर्ज कराया था। हम उन नामों के नाम को एनआरसी सूची से हटाएंगे। इसके लिए हमने विशेषज्ञों से बात करना शुरू कर दिया है। सीएम शर्मा ने ये बयान गुवाहाटी के पश्चिम बोरागांव में आयोजित स्वाहिद दिवस कार्यक्रम के दौरान दिया। –शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के कारण हमारे माथे पर लगा बांग्लादेशी टैग : अजमल

धुबड़ी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के कारण जनता को होने वाली समस्याओं के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। असम के धुबड़ी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि यह कांग्रेस के कारण है कि राज्य में कई लोगों को *बांग्लादेशी* करार दिया जा रहा है। बदरुद्दीन –शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (स्वा.) ने डीजीपी को और हमलों की दी चेतावनी

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन ऑफ असम – इंडिपेंडेंट (अल्फा-स्व) ने असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह को अपना *अहंकार* छोड़ने की चेतावनी देते हुए राज्य में और हमले करने की धमकी दी है। उग्रवादी संगठन ने कड़े शब्दों में जारी एक बयान में तिनसुकिया के डिराक आर्मी कैंप और शिवसागर में जयसागर सीआरपीएफ कैंप में हुए दोनों ग्रेनेड हमलों में अल्फा (स्वा.) का हाथ होने का दावा किया। अल्फा ने डीजीपी जीपी सिंह को असम पुलिस को अपनी *पैतृक संपत्ति* के रूप में इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी। –शेष पृष्ठ दो पर

मोदी की गारंटी पूरा करुंगा : सीएम साय

रायपुर। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के एक सप्ताह बाद छत्तीसगढ़ में भाजपा ने अपने नए मुख्यमंत्री का एलान किया है। छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री आदिवासी नेता विष्णु देव साय होंगे, जिन्होंने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद बयान भी जारी किया है। उन्होंने पर्यवेक्षकों के साथ हुई लंबी बैठक के बाद नाम पर फैसला आने के बाद कहा कि मैं पूरी ईमानदारी के साथ सबके विश्वास पर खरा उतरने की कोशिश करुंगा। मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ की जनता से किए वादों को पूरा करुंगा। मुख्यमंत्री के तौर पर चुने जाने के बाद विष्णु देव साय ने संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा कि राज्य में पहला काम 18 –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कार और ट्रक की टक्कर, आठ यात्रियों की जलकर मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कल देर रात राजमार्ग पर एक कार के ट्रक से टकरा जाने और आग लगने से एक बच्चे सहित आठ यात्रियों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बरेली में सेंट्रल लॉक्ड कार में फंसकर सात वयस्कों और एक बच्चे की मौत हो गई। दुर्घटनास्थल के फुटेज के अनुसार, जलती हुई कार को नैनीताल राजमार्ग पर उसके बगल में ट्रक के साथ देखा गया था। दुर्घटना के बाद कार के दरवाजे संभवत: जाम हो गए और नहीं खुले। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुशील चंद्र भान धुले ने कहा कि –शेष पृष्ठ दो पर

काठमांडू के सभी जगहों से क्रिसमस ट्री हटाने का निर्देश

काठमांडू (हि.स.)। आने वाले क्रिसमस त्यौहार के मद्देनजर शहर के शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स में बनाए गए क्रिसमस ट्री को हटाने का निर्देश दिया गया है। काठमांडू महानगरपालिका ने एक निर्देश जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर इन क्रिसमस ट्री को हटाने को कहा है। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेंद्र शाह ने प्लास्टिक के फूलों से बनाए गए क्रिसमस ट्री से वातावरण पर –शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव 2024 की तैयारी में जुटा चुनाव आयोग, मप्र में दिए कई निर्देश

भोपाल। चुनाव आयोग अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है। मतदान केंद्रों के सत्यापन के साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण का विशेष अभियान 20 दिसंबर से प्रारंभ होगा। जिस मतदाता का नाम सूची में दो स्थान पर दर्ज है या फिर उसकी फोटो की गुणवत्ता खराब है, उन्हें सुधारा जाएगा। यह कार्य पांच जनवरी तक चलेगा और छह जनवरी को सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कर दावे-आपत्ति लिए जाएंगे। आठ फरवरी को सूची का अंतिम प्रकाशन होगा, जिसके आधार पर चुनाव कराए जाएंगे। –शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में सीएए विरोधी प्रदर्शन फिर से शुरू करें : हिरेन गोहाईं

गुवाहाटी। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी आंदोलन 12 दिसंबर से असम में फिर से शुरू होने वाला है, जबकि राज्य में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार जोर पकड़ रहा है। जाने-माने बुद्धिजीवी, अकादमिक और सीएए विरोधी आंदोलन का चेहरा हिरेन गोहाईं ने शनिवार को सीएए के खिलाफ लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन की श्रृंखला के पहले चरण की घोषणा की। गोहाईं ने कहा कि असम में सीएए के खिलाफ उनकी समन्वय समिति आगामी लोकसभा चुनाव में सीएए को एक प्रमुख मुद्दा बनाएगी। समिति के अध्यक्ष गोहाईं ने शनिवार को यहां एक मीडिया सम्मेलन में कहा कि हमारा आंदोलन असमिया समुदाय और असमिया भाषा के हितों की रक्षा के लिए लोगों को जागृत करना है। इसने यहां चांदमारी में शिक्षक भवन में 12 दिसंबर को होने वाली विरोध बैठक के लिए संयुक्त विपक्षी मंच असम के तहत 15 भाजपा विरोधी दलों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कोलकाता की एक रैली में सीएए के प्रावधानों को लागू करने की कसम खाने के बाद पूर्वोत्तर में कई संगठनों ने सीएए को लागू करने के किसी भी संभावित कदम को विफल करने के लिए कमर कस ली है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने भी पश्चिम बंगाल में एक सार्वजनिक बैठक में कहा था कि सीएए के नियम मार्च 2024 तक बनाए जाएंगे। गोहाईं ने कहा कि भाईचारे को बढ़ावा देने वाला उदार और धर्मनिरपेक्ष संविधान सीएए से खतरे में है, जिसे केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने जनता से सलाह किए बिना –शेष पृष्ठ दो पर

विकसित भारत बनाने में आर्थिक राष्ट्रवाद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : उपराष्ट्रपति

जमशेदपुर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को एक दिवसीय यात्रा पर झारखंड पहुंचे। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह उनका झारखंड राज्य का पहला दौरा है। इस यात्रा के दौरान धनखड़ ने जमशेदपुर के जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने छात्रों से आर्थिक राष्ट्रवाद को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि आर्थिक राष्ट्रवाद विकसित भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज तेज गत से विकास यात्रा पर आगे –शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा मंत्री ने राजघाट के पास राष्ट्रपिता की 10 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को नई दिल्ली में राजघाट के पास गांधी दर्शन एवं स्मृति परिसर में महात्मा गांधी की 10 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने इस प्रतिमा को राष्ट्रपिता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया, जिन्होंने भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराने में केंद्रीय भूमिका निभाई और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम किया, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। राजनाथ सिंह ने कहा कि गांधीजी ने मजबूत, समृद्ध और स्वच्छ भारत की कल्पना की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि महात्मा गांधी आज भी हर भारतीय के दिल में रहते हैं। मार्टिन लूथर किंग जूनियर और नेल्सन मंडेला जैसे महान नेताओं ने अपने-अपने देशों में लोगों की भलाई के लिए गांधीजी के विचारों और दृष्टिकोण से प्रेरणा –शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने नोट बरामदगी पर सांसद से स्पष्टीकरण मांगा

रांची (हि.स.)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू और उनके परिवार के सदस्यों और व्यापारिक सहयोगियों के आवास पर आयकर छापे में भारी मात्रा में नकदी पाए जाने के बाद कांग्रेस पार्टी ने सांसद को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्पष्टीकरण में उनसे पूछा गया है कि उनके पास इतना पैसा कहां से आया और यह पैसे किसके हैं। यह जानकारी कांग्रेस भवन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने –शेष पृष्ठ दो पर

मधुबनी में गांववालों ने लगाया रोड नहीं तो वोट नहीं का पोस्टर

रहिका/नरकटियागंज (मधुबनी/पश्चिमी चंपारण)। बिहार के मधबनी में रहिका प्रखंड के सतलखा पंचायत के लोगों ने आगामी चुनावों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि 10 हजार की आबादी का संपर्क मार्ग पिछले चालीस सालों से उपेक्षा की मार झेल रहा है। 40 साल पहले बना यह रोड जर्जर गड्ढों में तब्दील हो चुका है। चुनाव के दौरान वोट मांगने आने –शेष पृष्ठ दो पर

ममता का भाजपा पर तीखा हमला, कहा–

सरकार बंगाल की बकाया राशी जारी करे या कुर्सी छोड़ दे

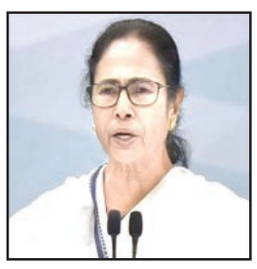

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को केंद्र पर पश्चिम बंगाल का 1.15 लाख करोड़ रुपए का बकाया होने का दावा करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार को या तो बकाया राशि जारी करनी चाहिए या वह कुर्सी छोड़ दे। बनर्जी ने यह भी कहा कि उन्होंने राज्य का बकाया जारी करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री ने अलीपुरद्वार में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल की बकाया 1.15 लाख करोड़ रुपए की राशि मांगी जाएगी, ... हम नारा लगाएंगे कि (या तो) गरीबों का पैसा दो या कुर्सी छोड़ दो। मुख्यमंत्री ने 93 करोड़ रुपए –शेष पृष्ठ दो पर

2024 है मुसीबतों का नया साल

भटक जाएगी धरती की दिशा, बाबा वेंगा ने की डरावनी भविष्यवाणी

इंदौर। साल 2023 खत्म होने में है। ऐसे में मशहूर भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की भविष्यवाणा चर्चा में आ गई है। बाबा वेंगा ने साल 2024 को लेकर डरावनी भविष्यवाणी की है। बता दें बाबा वैंगा का जन्म 3 अक्तूबर 1911 में हुआ था। उन्होंने 12 साल की आयु में अपनी दृष्टि खो दी थी। उनकी मृत्यु 11 अगस्त 1996 को हो गई, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने कई वर्षों का पूर्वानुमान कर दिया। बाबा वेंगा ने मृत्यु से पहले

5079 भविष्यवाणियां की थीं। उन्होंने 2024 के लेकर चिंताजनक भविष्यवाणी की है। जिसमें जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और भूकंप से पृथ्वी की स्थिति खराब होना शामिल है। बाबा वेंगा की भविष्याणी के अनुसार, साल 2024 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मर्डर हो सकता है। वंगा ने भविष्यवाणी की है कि पुतिन को देश का कोई व्यक्ति मार देगा। वर्ष 2024 में यूरोप में आतंकी –शेष पृष्ठ दो पर

19 को होगी इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक मंगलवार 19 दिसंबर 2023 को नई दिल्ली में दोपहर 3 बजे से होगी। इससे पहले,बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झाड़खंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित गठबंधन के शीर्ष नेताओं के निर्णय के बाद बैठक 17 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। बता दें कि कांग्रेस ने 6 दिसंबर को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान के चुनाव नतीजे घोषित होने के दिन बैठक बुलाई थी। 3 दिसंबर के –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पानबारी में मालगाड़ी पटरी से उतरी

गुवाहाटी (हि.स.)। चंद्रपुर के पानबारी में मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा पानबारी रेलवे स्टेशन के पास हुआ। प्रारंभिक खबरों के मुताबिक मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण ऊपरी असम की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर कई यात्री ट्रेन में फंसे रहे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि आज शाम छह बजे मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे थे, जिन्हें 40 मिनट में ठीक कर लिया गया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने वीर शहीदों को किया याद

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा ने असमिया मातृभूमि की खातिर अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के त्याग और आत्म-बलिदान को याद करने के लिए आज सरूपथार स्थित रामधेनु ओपन हॉल में शहीद दिवस मनाया। समारोह में जोरहाट और गोलाघाट जिलों के 34 शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया गया। समारोह में बोलते हुए, भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष सिद्धांकु अंकुर बरुवा ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पृथु राजा और लाचित बरफूकन के दिनों से, असमिया युवा मुगलों और मान जैसी सभी ताकतों के खिलाफ बहादुरी से लड़ते रहे हैं। हालांकि, आजादी के बाद असम में घुसपैठ ने गंभीर रूप ले लिया। इसलिए इस मुद्द के महत्व को समझना जरूरी है। 28 मार्च, 1979 को मंगलदै लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद हीरालाल पटवारी की मृत्यु के बाद उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। तब भयानक सच सामने आया कि अकेले मंगलदै लोकसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में 45 हजार से ज्यादा विदेशियों के नाम दर्ज हैं। यह जानकारी सामने आने के बाद असमिया युवक ने इंतजार नहीं किया। इसीलिए असम आंदोलन के महत्व को समझना जरूरी है। असम के हित के संघर्ष को कांग्रेस पार्टी ने पैरों तले कुचल दिया। उस समय वामपंथी दल चुप रहे और कांग्रेस का समर्थन किया। भारतीय जनता पार्टी के कई नेता, जिनमें अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य शामिल हैं, जिन्होंने असमिया जाति के संघर्ष के दौरान असम आंदोलन का समर्थन किया था। यह बात हर असमिया युवा को जानना जरूरी है। 855 शहीदों को असमिया लोग हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि कई लोग सोचते हैं कि केवल क्षेत्रीयतावादियों ने ही असम के अस्तित्व में प्रमुख भूमिका निभाई है। लेकिन, भारतीय जनता पार्टी एकमात्र राष्ट्रीय राजनीतिक दल थी, जिसने असम आंदोलन का पूर्ण समर्थन किया। हमारे पूर्वज अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संसद में असम आंदोलन के पक्ष में भाषण दिया था। उस समय किसी अन्य राजनीतिक दल ने असम आंदोलन को मान्यता नहीं दी थी। इस अवसर पर युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांकू अंकुर बरुवा, असम सरकार के मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, प्रदेश भाजपा महासचिव दीपलू रंजन शर्मा, विधायक बिस्वजीत फूकन, गोलाघाट जिला भाजपा अध्यक्ष देवप्रतिम बोरा मौजूद थे। इस अवसर पर जोरहाट और गोलाघाट जिलों के 34 शहीद परिवारों को सम्मानित किया गया। आज के कार्यक्रम का संचालन प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा के महासचिव त्रिदीब ज्योति मोरान और तापस कलिता ने किया, जिसमें प्रदेश युवा मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ-साथ 39 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

कामरूप में पुलिस फायरिंग में अपराधी घायल

कामरूप (हि.स.)। आज कामरूप जिले में एक पुलिस की गोली से दिलीप विश्वास नामक एक कुख्यात डकैत गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार यह घटना कामरूप जिले के पुठिमारी में हुई, जहां विश्वास और उनके सहयोगी बाबू अली के साथ पुलिस की एक टीम नलबाड़ी जिले के टिहू में एक मामले की जांच के लिए जा रही थी। पुलिस द्वारा विश्वास और अली को छुपाए हुए डकैती के सामान की तलाशी के लिए टिहू ले जा रही थी। स्थिति तब बिगड़ गई, जब तलाशी अभियान के दौरान विश्वास ने कथित तौर पर पुलिस से पिस्तौल छीनकर भागने का प्रयास किया। जवाब में पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिसमें विश्वास के दोनों पैर गोली से घायल हो गए। रिपोर्टों के मुताबिक, घायल डकैत दिलीप विश्वास का वर्तमान में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में इलाज चल रहा है। उल्लेखनीय है कि ऐसी ही घटना कछार जिले में पुलिस और एक संदिग्ध बर्मीज सुपारी तस्कर, जाबिर हुसैन के साथ कल रात हुई थी। हुसैन को रविवार देर रात पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास करते समय गोली मार दी गई थी। जिसका वर्तमान में सिलचर मेडिकल कॉलेज हास्पीटल (एसएमसीएच) में ईलाज चल रहा है। उसे कछार पुलिस ने क्षेत्र में बर्मीज सुपारी तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए हिरासत में लिया था।

चलती कर में लगी आग, बाल बाल बच्चे 6 लोग

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया के नोनापारा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर चलती कार में आग लगने की वजह से इलाके में अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि कामरुप (ग्रामीण) जिले के नलबाड़ी जिले के सीमावर्ती इलाका नोनापारा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर एक कार में अचानक आग लग गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने कार में लगी आग को बुझाया गया। हादसे में कार बुरी तरह जल गई। हादसे के दौरान कार में सवार बच्चे, महिला समेत 6 लोग अपनी जान बचाकर कार से बाहर निकलने में सफल रहे। पुलिस ने बताया कि कार में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गाजा में इजराइल की बमबारी जारी मृतकों की संख्या 17 हजार के पार पहुंची

यरुशलम। इजराइल-हमास युद्ध के कारण गाजा में मारे गए लोगों की संख्या 17,700 को पार कर गई है जिनमें करीब दो तिहाई संख्या महिलाओं और बच्चों की है। हमास नियंत्रित क्षेत्र में स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजराइल ने दक्षिणी गाजा पट्टी में शनिवार को हवाई हमले और गोलाबारी तेज कर दी। ये हमले अमेरिका द्वारा गाजा में मानवीय आधार पर तत्काल संघर्ष विराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के खिलाफ वीटो का इस्तेमाल करने के एक दिन बाद हुए, जबकि इसे सुरक्षा परिषद के अधिकांश सदस्यों और कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त था। कुल 15 सदस्यीय परिषद में प्रस्ताव के पक्ष में 13 और विरोध में एक मत पड़ा जबकि ब्रिटेन अनुपस्थित रहा। इजराइल ने कहा कि सात अक्तूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद जमीनी कार्रवाई में उसके 97 सैनिक मारे गए हैं। हमास के सात अक्तूबर के हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हुई थी जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे और उसने 240 लोगों को बंधक बना लिया था। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि गाजा में भोजन और दवाओं की निर्बाध आपूर्ति जब तक सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक वह लाल सागर और अरब सागर से इजराइली बंदरगाहों की ओर जाने वाले हर पोत को रोकेगा। हूती विद्रोहियों ने पिछले सप्ताहों में लाल सागर में कई जहाजों पर हमला किया और इजराइल को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। गाजा के एक छोटे से हिस्से में मामूली मानवीय सहायता पहुंच पा रही है। बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन युद्ध विराम का विरोध कर रहा है। उसका तर्क है कि इससे हमास इजराइल के लिए खतरा बना रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रशासन ने इजराइल को 10.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के लगभग 14,000 राउंड टैंक गोला-बारूद की आपातकालीन बिक्री को मंजूरी दे दी है। अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति और सात अन्य सहायता एजेंसियों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तत्काल युद्ध विराम और हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए एक प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने शनिवार को फोन पर दक्षिणी गाजा में जमीनी आक्रमण को लेकर चर्चा की। शोल्ज के कार्यालय ने यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि शोल्ज ने इस बात पर जोर दिया कि गाजा पट्टी में लोगों तक अधिक मानवीय सहायता पहुंचनी चाहिए और यह विश्वसनीय आधार पर होना चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

विशिष्ट स्थानों पर...

के हितों के खिलाफ काम किया है। डॉ शर्मा ने गरूखुटी, काजीरंगा और बटद्रवा में पूर्व में हुए अतिक्रमण पर प्रकाश डाला, जहां असमिया कर्मचारियों को असम की सांस्कृतिक अखंडता से समझौता करने वाली गतिविधियों में शामिल पाया गया है। मुख्यमंत्री ने सरकार के भीतर और सामुदायिक स्तर पर सभी असमिया लोगों से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए हाथ से हाथ मिलाने का आग्रह किया।

एनआरसी लिस्ट से ...

असम में खड़गेश्वर तालुकदार की याद में 10 दिसंबर को शहीद दिवस मनाया जाता है। वह 1979 में असम आंदोलन में शहीद होने वाले पहले शख्स थे। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि आज 10 दिसंबर है और असम आंदोलन के पहले शहीद खड़गेश्वर तालुकदार ने समुदाय के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया था। मैं असमिया समुदाय की ओर से खड़गेश्वर तालुकदार और असम आंदोलन के 860 अन्य शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सीएम हिमंत ने कहा कि स्वाहिद दिवस पर हम असम आंदोलन के महान शहीदों को नमन करते हैं। इस वीरतापूर्ण आंदोलन में उनके बलिदान ने हमारी विविध और अनूठी संस्कृति को संरक्षित रखा। उनका जुनून और समर्पण हमेशा हमारे पथ को रोशन करेगा। सीएम शर्मा का बयान ऐसे समय में आया है, जब एनआरसी लिस्ट में शामिल नामों को लेकर यह आरोप लगा था कि फर्जीवाड़ा कर बड़ी संख्या में इसमें लोगों के नाम शामिल किए गए थे। बदरुद्दीन अजमल ने राज्य में एनआरसी के कारण जनता को होने वाली समस्याओं के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था।

कांग्रेस के कारण ...

अजमल ने शनिवार को असम के धुबड़ी जिले में आयोजित एक पार्टी बैठक में कहा कि हम बांग्लादेशी नहीं हैं, जिन्होंने यहां डिटेंशन कैंप बनाया, वह कांग्रेस थी, जिसने एनआरसी समस्या पैदा की थी, वह कांग्रेस थी। यह कांग्रेस ही है जिसने हमारे माथे पर बांग्लादेशी टैग लगाया। अजमल ने आगे कहा कि अगर कांग्रेस एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन नहीं करती है तो असम में कांग्रेस खत्म हो जाएगी। वे हार पर हार का सामना करते रहेंगे और वे यहीं समाप्त हो जाएंगे। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि एआईयूडीएफ चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि एआईयूडीएफ आगामी लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगा। नगांव, करीमगंज और धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र हमारे लिए अनुकूल हो गए हैं, हम इन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। 15 अगस्त, 1985 के असम समझौते के अनुसार, राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की कवायद शुरू की गई है।

अल्फा (स्वा.) ने ...

यह कहते हुए कि संगठन की असम पुलिस के प्रति कोई दुश्मनी या खराब भावना नहीं है, क्योंकि उसके कर्मचारी इस राज्य के बेटे हैं। अल्फा (स्वा.) ने जीपी सिंह को चेतावनी दी कि वह असम पुलिस पर अपनी संपत्ति के रूप में दावा न करें और अपने अहंकार को छोड़ दें अन्यथा अल्फा ने इस तरह के ग्रेनेड हमले आगे भी जारी रखेगा। असम पुलिस को अपनी पैतृक संपत्ति मानकर जीपी सिंह द्वारा दिखाए जा रहे अहंकार ने असम पुलिस में काम करने वाले अधिकारियों, सदस्यों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाया है। उनका अहंकार स्वीकार्य नहीं हो सकता है।

मोदी की गारंटी...

लाख आवास दिए जाने का होगा। उन्होंने एक और घोषणा राज्य के किसानों के लिए की है। उन्होंने कहा कि आगामी 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन के मौके पर सभी कृषकों के खाते में दो वर्षों का बोनस ट्रांसफर किया जाएगा। चुनाव में जाने के दौरान भाजपा ने किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने और महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपए देने समेत कई वादे किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर मुझे विधायक दल का नेता चुना है। मैं आनंदित हूं और पार्टी को धन्यवाद करना चाहता हूं। उन्होंने गांव के छोटे से कार्यकर्ता को छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करने का मौका दिया है। इस दौरान उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) का भी आभार जताया है। मुख्यमंत्री का नाम तय होने के बाद रविवार को पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों के दल का नेता चुना है। पार्टी नेताओं ने बताया कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने साय के नाम का प्रस्ताव किया तथा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने उनका समर्थन किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री साय सरगुजा संभाग की कुनकुरी सीट से विधायक के रूप में निर्वाचित हुए हैं, जहां भाजपा ने संभाग के सभी 14 सीट जीती हैं। भाजपा नेताओं ने बताया कि यहां भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों की दोपहर बाद बैठक आयोजित की गई जिसमें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम उपस्थित थे। भाजपा के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित इस बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, केंद्रीय मंत्री और चुनाव सह प्रभारी डॉक्टर मनसुख मांडविया, भाजपा संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह भी मौजूद थे। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से साय को भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री पद के लिए साय के नाम की घोषणा होने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने साय का स्वागत किया। हाल में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 90 में से 54 सीट जीती हैं। पिछले चुनाव 2018 में 68 सीट जीतने वाली कांग्रेस इस बार 35 सीट पर सिमट गई है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) राज्य में एक सीट जीतने में कामयाब रही।

लोस चुनाव 2024 ...

चुनाव आयोग से प्राप्त निर्देश के आधार पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान को चलाने के निर्देश दिए हैं। 20 दिसंबर से पांच जनवरी 2024 तक मतदाता सूची के शुद्धीकरण का काम होगा। इसमें उन पांच लाख 43 हजार मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा, जो घर-घर संपर्क के दौरान अनुपस्थित पाए गए थे। इसके साथ ही सूची से नाम हटाने के जो आवेदन प्राप्त हुए थे, उन पर निर्णय लिया जाएगा। एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष की उम्र वाले युवा का नाम सूची में जोड़ा जाएगा। नाम हटाने या संशोधन के आवेदन 22 जनवरी तक लिए जाएंगे। दो फरवरी तक इनका निराकरण कर छह फरवरी को अंतिम रूप देकर आठ फरवरी को अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उधर, जिला निर्वाचन अधिकारियों का तीन चरणों में प्रशिक्षण भी प्रारंभ होगा।

राज्य में सीएए विरोधी ...

पारित कर दिया है। गोहाईं ने सीएए पारित होने के तुरंत बाद विभिन्न संगठनों और जनता के विरोध प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2019 में पुलिस कार्रवाई में मारे गए पांच युवाओं के लिए पर्याप्त मुआवजे की भी मांग की। एक प्रमुख शिक्षाविद, हिरेन गोहाईं, किसान नेता अखिल गोगोई और पत्रकार मंजीत महंत पर पहले नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएबी) के कानून बनने से पहले विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी टिप्पणियों के लिए राजद्रोह का आरोप लगाया गया था। हमने हाल ही में निम्नलिखित लेख भी प्रकाशित किए हैं। ब्राजील की संघीय वनों की कटाई विरोधी एजेंसियों के 1,500 से अधिक कर्मचारी राष्ट्रपति लूला से बेहतर वेतन और कामकाजी परिस्थितियों की मांग कर रहे हैं। वे वनों की कटाई पर लूला के सख्त रुख को लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं, जिसके कारण अमेजेंन वर्षावन में वनों की कटाई की दर में 50 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, श्रमिकों का दावा है कि उन्हें कम वेतन दिया जाता है और उनसे अधिक काम लिया जाता है, जिससे वनों की कटाई के खिलाफ लड़ाई खतरे में पड़ जाती है। इबामा प्रमुख रोड्रिगो एगोस्टिन्हो उनके दावे का समर्थन करते हैं और बजट में देरी के लिए कांग्रेस को दोषी मानते हैं। लूला के पूर्ववर्ती जेयर बोल्सोनारो के तहत, कमजोर संरक्षण एजेंसियों के कारण वनों की कटाई की दर बढ़ गई। सुप्रीम कोर्ट ने असम में बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण होने वाली समस्याओं को स्वीकार करते हुए कहा है कि संख्या कम होने का खतरा नागरिकता कानून की धारा 6ए घोषित करने का आधार नहीं हो सकता। नागरिकता कानून असंवैधानिक। अदालत ने माना कि असम को बांग्लादेश से घुसपैठ के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन कहा कि कानून की वैधता 1971 के बाद हुई घुसपैठ के आधार पर तय नहीं की जा सकती है। अदालत ने असम में धारा 6 ए के लाभार्थियों पर प्रभाव निर्धारित करने के लिए डेटा मांगा है। राज्य की जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक पहचान। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि पश्चिम बंगाल को धारा 6ए के तहत नागरिकता देने से क्यों बाहर रखा गया, जबकि यह असम की तुलना में बांग्लादेश के साथ बड़ी सीमा साझा करता है। अदालत ने सीमा की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी ली। केंद्र ने स्पष्ट किया कि धारा 6ए की संवैधानिक वैधता की जांच एक विशिष्ट अवधि तक सीमित है और नागरिकता अधिनियम में अन्य संशोधनों से असंबंधित है। अदालत ने उन अवैध अप्रवासियों की स्थिति पर भी चिंता जताई, जिन्हें धारा 6ए के तहत नागरिकता नहीं दी गई थी।

रक्षा मंत्री ने राजघाट ...

ली। रक्षामंत्री ने महात्मा गांधी, बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण करते हुए कहा कि इन सभी ने देशभक्ति और प्रतिबद्धता के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़ेवर्गों के उत्थान के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि हमारी विचारधारा शांति, सामाजिक सद्भाव, एकता और विकास पर आधारित बदलाव लाने की है। रक्षा मंत्री ने गांधीजी को न केवल स्वतंत्रता सेनानी, बल्कि एक आर्थिक विचारक बताते हुए कहा कि जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, हमारा प्रयास न केवल कमजोर वर्ग के लोगों का उत्थान करना है बल्कि उन्हें सशक्त बनाना भी है। रक्षा मंत्री ने हाशिए पर मौजूद वर्गों को देश का सबसे बड़ा आकांक्षी वर्ग करार देते हुए कहा कि अब उनकी पहचान के लिए एक नई शब्दावली गढ़ने का समय आ गया है, जो इन वर्गों की आकांक्षाओं को परिभाषित कर सके। राजनाथ सिंह ने कहा कि एक समय था जब नारी के साथ अबला (कमजोर) जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता था, लेकिन अब अबला की जगह शक्ति ने ले ली है, क्योंकि हमने अपनी महिलाओं की असली ताकत को पहचान लिया है। वे न केवल निर्वाचित होकर राजनीति में प्रवेश कर रही हैं, बल्कि मातृभूमि की रक्षा के लिए सशस्त्र बलों में भी शामिल हो रही हैं। महिलाओं को उनके राजनीतिक अधिकार देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया गया। रक्षा मंत्री ने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ईमानदारी और समर्पण के साथ लोगों की सेवा जारी रखने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यही महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कांग्रेस ने नोट ...

रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने कहा कि सांसद धीरज साहू और उनके संयुक्त परिवार का सामूहिक कारोबार है। वह परिवार 100 वर्षों से अधिक समय से व्यवसाय में है। इतनी बड़ी मात्रा में पैसा उनके पास कहां से आया, इसकी जानकारी तो वही दे सकते हैं लेकिन चूंकि वह कांग्रेस से जुड़े हैं और राज्यसभा सदस्य हैं, इसलिए कांग्रेस ने उन्हें शो कॉज किया है। अविनाश पांडे ने हाल ही में पांच राज्यों में हुए चार विधानसभा चुनावों के नतीजों को उम्मीदों के विपरीत बताते हुए कहा कि जो नतीजे आए हैं, वे हकीकत से परे हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम खुलने के बाद 10 में से 07 एग्जिट पोल में सामने आ रहे नतीजों के मुताबिक वोट शेयर में आगे रहने के बावजूद न सिर्फ कांग्रेस को झटका लगा है, बल्कि जनता के बीच चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवालिया निशान लग गया है। अविनाश पांडे ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणाम अनुकूल नहीं रहने के बावजूद कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों को साथ लेकर लोकसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले विधानसभा चुनाव नतीजों की भी समीक्षा की जाएगी।

मधुबनी में गांववालों ...

वाले नेता सड़क निर्माण का वादा करते हैं, लेकिन जीतने के बाद वे हमें भूल जाते हैं। नेताओं की उदासीनता को देखते हुए सतलखा बूथ संख्या 234 के लोगों ने गांव में जगह-जगह *सड़क नहीं तो वोट नहीं* का बैनर-पोस्टर लगा दिया है। उनका कहना है कि यदि हमारे लिए एक रोड नहीं बन सकता है तो फिर वोट देने का क्या फायदा? ग्रामीणों ने कहा कि गांव में अगर रोड नहीं बनता है तो हम किसी को वोट नहीं करेंगे। हम इस चुनाव का पूरी तरीके बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि इसे लेकर हम डीएम और चुनाव आयोग को भी फैक्स के माध्यम से सूचित करेंगे। सतलखा पंचायत के पूर्व मुखिया जय प्रकाश चौधरी ने बताया कि स्थानीय प्रतिनिधियों से समय-समय पर इस रोड के जीर्णोद्धार को लेकर मांग की गई, लेकिन किसी ने भी इस मार्ग के जीर्णोद्धार की दिशा में कोई ध्यान नहीं दिया। पश्चिमी चंपारण के नरकटियागंज में पिछले लोकसभा चुनाव में जिन बूथों पर कम वोटिंग हुई थी, उन बूथों पर आगामी चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने को लेकर प्रशासन तैयारी में है। वहां मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर जागरूकता अभियान चलेगा। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एसडीएम सूर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र के जिन बूथों पर कम वोट पड़े थे, उन बूथों की सूची तैयार की गई है। प्रशासनिक स्तर से उन बूथों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 03 नरकटियागंज विधानसभा के करीब 15 बूथों पर काफी कम वोटिंग हुई थी, जिसकी सूची तैयार की गई है। उन बूथों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

कार और ट्रक की ...

कार विपरीत लेन में चली गई और एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारी ने कहा कि भोजीपुरा के पास हाईवे पर कार एक ट्रक से टकरा गई और घिसट गई, जिससे उसमें आग लग गई। वह सेंट्रली लॉक थी, इसलिए आग के कारण अंदर मौजूद लोगों की जान चली गई। उन्होंने बताया कि यात्री एक शादी में शामिल होने जा रहे थे और उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

विकसित भारत बनाने...

बढ़ रहा है और यह अब बढ़त अजेय है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी बनने की राह पर हैं। हमने यूके को पीछे छोड़ा है और अब जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ने वाले हैं। विश्व बैंक के अध्यक्ष के बयान का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने डिजिटल क्षेत्र में पिछले एक दशक में जो करिश्मा किया है वह 47 सालों में भी संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। हमारे यहां जितना डिजिटल ट्रांजेक्शन होता है वह अमेरिका, यूके, फ्रांस और जर्मनी के ट्रांजेक्शन से चार गुना से भी अधिक है। धनखड़ ने कहा कि हमारी प्रतिभा का तो कोई मुकाबला ही नहीं है। हम टेक्नोलॉजी को सहज ही ग्रहण करते हैं। भारत का प्रति व्यक्ति इंटरनेट डाटा कंजप्शन अमेरिका और चीन के प्रति व्यक्ति इंटरनेट डाटा कंजप्शन से भी अधिक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने ढाई साल में संसद के नए भवन का निर्माण किया है। वह देखने लायक है। उसके अंदर की तकनीकी नजारा देखकर हम स्तब्ध रह जाते हैं। इतने विशाल भवन का निर्माण इतने कम समय में किसी भी देश के द्वारा आज तक संभव नहीं हुआ। उन्होंने भारत की उपलब्धियां की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया के शीर्ष दस कन्वेंशन सेंटर में से दो कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम और यशोभूमि आज भारत में मौजूद हैं। उन्हें देखकर भारत की बदलती तस्वीर का अंदाजा लगाया जा सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज हमें लीक से हटकर सोचना पड़ेगा। आपके पास सीखने के लिए तकनीकी है। कुछ ऐसी टेक्नोलॉजी हैं, जिन पर चर्चा करते हैं तो लगता है दुनिया कितनी जल्दी बदल रही है। क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग के बारे में पता लगाइए। हमारा देश इस क्षेत्र में काम कर रहा है। क्वांटम कंप्यूटिंग, ग्रीन हाइड्रोजन और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में काफी आगे जा चुके हैं। अंत में उन्होंने छात्रों से कहा कि हमें राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखना चाहिए। साथ ही हमें अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियां पर गर्व करना चाहिए। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, संस्थान के अध्यक्ष, टीवी नरेंद्रन, संस्थान के निदेशक, फादर एस. जॉर्ज, फॉदर डोनाल्ड डिसिल्वा, सुनील कुमार गुप्ता, आमंत्रित अतिथि, संस्थान के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सरकार बंगाल की ...

मूल्य की 70 परियोजनाओं की भी घोषणा की। बनर्जी ने कहा कि मैं दिल्ली जाऊंगी। कुछ सांसद भी वहां साथ रहेंगे। मैंने हमारी बकाया राशि जारी करने को लेकर 18 से 20 दिसंबर के बीच प्रधानमंत्री से मिलने के लिए समय मांगा है। उन्होंने दावा किया कि यदि केंद्र राज्य की बकाया राशि जारी कर देता तो उनकी सरकार कल्याणकारी योजनाओं के तहत और लोगों को शामिल कर सकती थी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा कि भाजपा के विपरीत मैं हमेशा अपना वादा निभाती हूं, जिसने सभी बंद चाय बागानों को फिर से खोलने का वादा किया था... अगर हमें अपना बकाया मिल जाता तो मैं और अधिक लोगों को सामाजिक योजनाओं के तहत शामिल कर सकती थी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल का बकाया विभिन्न मदों में लंबित है, जिसमें मनरेगा के तहत 100 दिनों का काम, आवास और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) संग्रह में राज्य का हिस्सा शामिल है। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार सभी चाय बागान श्रमिकों को भूमि पट्टा उपलब्ध कराने की पेशकश करेगी और उनमें से प्रत्येक को घर बनाने के लिए 1.2 लाख रुपए प्रदान करेगी।

भटक जाएगी धरती ...

हमले होंगे। कोई बड़ा देश जैविक हथियारों का परीक्षण या हमला कर सकता है। बाबा वैंगा ने आशंका जताई है कि यूरोप के कई शहरों में आतंकी हमले को सकते हैं। बाबा वेंगा के अनुसार, साल 2024 में दुनिया पर वित्तीय संकट आएगा। जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था गिर जाएगी। साथ ही पृथ्वी पर जलवायु संकट उत्पन्न होगा। प्राकृतिक आपदाओं और खराब मौसम का प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देगा। बाबा वैंगा की भविष्यवाणी के अनुसार, 2024 में पृथ्वी की कक्षा बदल सकती है। इससे जलवायु परिवर्तन के परिणाम गंभीर होंगे। रेडिएशन का खतरा बढ़ेगा। दुनिया में साइबर अटैक का खतरा बढ़ जाएगा। बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि 2024 में चिकित्सा क्षेत्र में तरक्की होगी। कई लाइलाज बीमारियों का इलाज संभव हो पाएगा। साथ ही क्वांटम कंप्यूटिंग में सफलता देखने को मिलेगी। वहीं, बाबा वेंगा ने एआई के उपयोग में वृद्धि की भविष्यवाणी की है।

19 को होगी ...

विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस पार्टी को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार का सामना करना पड़ा। अब कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में ही कांग्रेस की सरकार बनी हुई है। वहीं, क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन के रूप में बिहार और झाड़खंड में भी कांग्रेस की सत्ता है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बैठक में पार्टियां एकता थीम - *मैं नहीं, हम* मोटो के साथ आगे बढ़ रही है। नेता ने कहा कि विपक्षी दलों के सामने अब चुनौती अगले आम चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक वैकल्पिक सकारात्मक एजेंडे के साथ सामने आने की है। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान पार्टियां सीट बंटवारे, संयुक्त चुनावी रैलियां आयोजित करने की योजना बनाएंगी और उनके लिए एक साझा कार्यक्रम तैयार करेंगी। सूत्रों का कहना है कि इंडिया ब्लॉक का विपक्षी गठबंधन जाति जनगणना, एमएसपी की कानूनी गारंटी और श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों को आगे बढ़ा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो मुद्दे छाए रहे उनमें *बढ़ती* आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक अधिनायकवाद के अलावा मूल्य वृद्धि और मुद्रास्फीति कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिनकी लोकसभा चुनाव के दौरान जमीन पर गूंज होने की संभावना है।

काठमांडू के सभी ...

नकारात्मक असर पढ़ने और इस कारण प्रदूषण फैलने की आशंका जताई है। महानगरपालिका की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि यदि 24 घंटे के भीतर क्रिसमस ट्री लगाने वाले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल्स और मल्टीप्लेक्स ने खुद इसे नहीं हटाया तो महानगरपालिका के कर्मचारी इसे हटा देंगे। साथ ही बयान में यह भी चेतावनी दी गई है कि प्लास्टिक फूलों से बने क्रिसमस ट्री नहीं हटाने पर प्रदूषण फैलाने के आरोप में जुर्माना भी लगाया जा सकता है। महानगरपालिका के इस फैसले का जहां अधिकांश लोगों ने स्वागत किया है, वहीं क्रिश्चियन मिशनरी से जुड़े लोगों ने धार्मिक रंग देना शुरू किया है। यूनिफिकेशन चर्च से जुड़े सांसद एकनाथ ढकाल ने महानगरपालिका के मेयर बालेंद्र शाह पर भेदभाव का आरोप लगाया है। दूसरी तरफ महानगरपालिका के मेयर का कहना है कि इस वर्ष दशहरे से ही काठमांडू महानगरपालिका क्षेत्र में प्लास्टिक के फूलों के बिक्री वितरण पर रोक लगाई गई है। इस वर्ष दीपावली में भी प्लास्टिक की फूलों से सजावट नहीं करने की अपील की गई थी। उसी क्रम में क्रिसमस ट्री हटाने का निर्णय लिया गया है। मेयर शाह ने कहा कि इस निर्णय का धर्म से कोई लेना देना नहीं है। यह पर्यावरण की रक्षा के लिए किया गया है।

मॉडल अंगनाबाड़ी केंद्र की विधायक ने रखी आधारशीला

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा के दो नंबर सिखारबिल गांव के 218 नंबर आंगनबाड़ी मॉडल केंद्र निर्माण के लिए आज 29 नंबर कोकराझाड़ क्षेत्र के विधायक रबिराम नार्जारी ने आधारसिला रखी। विधायक उस आधारशिला के मौके पर विधायक ने कहा कि असम सरकार से यह योजना लाकर आज इस मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस उद्घाटन के मौके पर बीपीएफ के नेता समेत गांव के गांवबुढ़ा मौजूद थे।

खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी को आगे आना चाहिए : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गुवाहाटी के जजेज फील्ड में एक कार्यक्रम में प्रोटेक गुवाहाटी प्रीमियर फुटबॉल लीग की औपचारिक शुरुआत की। जहां, टूर्नामेंट आज से 10 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि इस तरह की पहल से एक खेल के रूप में फुटबॉल को राज्य में अपनी खोई हुई लोकप्रियता वापस पाने में मदद मिलेगी और राज्य भर के उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक शक्तिशाली मंच मिलेगा। एक समय के राज्य में बरदलै ट्रॉफी और ए-डिवीजन लीग जैसे फुटबॉल टूर्नामेंटों की लोकप्रियता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि अब समय आ गया है कि फुटबॉल असम के लोगों के सबसे पसंदीदा खेलों में से एक के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल करे। उन्होंने इस फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन के लिए गुवाहाटी स्पोर्ट्स एसोसिएशन

और इसके उदार वित्तपोषण के माध्यम से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए प्रायोजकों को धन्यवाद् दिया। देश को खेल महाशक्ति में बदलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोकस का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि खेल किसी राष्ट्र को विश्व मंच पर तुरंत पहचान और सराहना हासिल करने में मदद करते हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस तरह के आयोजनों से सरकार को राज्य भर में प्रतिभाओं को पहचानने का अवसर मिलेगा, जिन्हें अच्छी तरह से डिजाइन किए गए परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से पोषित किया जा सकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने का अवसर प्रदान करने के लिए चल रहे खेल महारण आयोजनों को भी श्रेय दिया, जो अब तक सुर्खियों से दूर थे। खेलों में कई सामाजिक बुराइयों से लड़ने की क्षमता है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सभी से राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आगे आने की अपील की। खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा, राज्यसभा सांसद और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव पबित्र मार्घेरिटा, महाधिवक्ता देवजीत सैकिया, नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भास्कर ज्योति फूकन, ऑयल इंडिया लिमिटेड के निदेशक (मानव संसाधन) अशोक दास, गुवाहाटी स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परेश चंद्र दास सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित थे।

श्री श्याम सेवा समिति का वार्षिकोत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री श्याम सेवा समिति गुवाहाटी का वार्षिक उत्सव पलटन बाजार स्थित आशी अप्सरा में संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुवाहाटी गौशाला से श्याम बाबा की निशान यात्रा निकाली गई। जो आठगांव,एटी रोड, पलटन बाजार होते हुए आयोजन स्थल पहुंची। निशान यात्रा में सैकड़ों पुरुष महिलाओं ने पीले वस्त्र परिधान करके हाथों में श्याम बाबा का निशान लिए श्याम बाबा की जयकार कर रहे थे। श्रद्धालुओं ने बीच रास्ते में शर्बत व जल सेवा से निशान यात्रियों की सेवा की। इस अवसर पर श्याम बाबा का भव्य दरबार बनाकर फूलों से सजाया गया एवं अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। बाबा को छप्पन भोग लगाकर श्याम रसोई का आयोजन किया गया। शाम को आयोजित भजन संध्या में दिल्ली के शीतल पांडे, अलवर के गौरव दत्त, गुवाहाटी के अनूप शर्मा, उज्जवल मोर, विशाल बजाज महेंद्र खंडेलवाल ने भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की। भजनों की धुन पर भक्तों ने जमकर नृत्य किया और फूलों की वर्षा की। अंत में महा आरती के पश्चात अमृत भंडारे का आयोजन किया गया।

लायंस क्लब ऑफ नगांव ग्रेटर ने नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया

नगांव (निसं)। लायंस क्लब आफ नगांव ग्रेटर और नगांव ग्रेटर लायंस चैरिटबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में राइडिंगीया होली राम सइकिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज आंखों के मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन गुवाहाटी लायंस आइ होस्पिटल के सौजन्य से किया गया। शिविर में नगांव डीस्ट्रीकट के कार्यक्रम निदेशक मो. कालिब भी उपस्थित थे। उक्त शिविर में 165 रोगियों की आंखो की जांच सुदक्ष डाक्टरों द्वारा की गई। जिसमें से 62 रोगीयो में मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चयन हुआ। सभी मरीजो को इसी महीने की 22 तारीख के अंदर नि:शुल्क आंख का आपरेशन किया जाएगा। शिविर संचालन में विद्यालय पक्ष का भी पूरा सहयोग मिला। लायंस के अध्यक्ष प्रदीप कनोइ, सचिव डॉ. कंचन बाला, कोषाध्यक्ष मंजू कोठारी, ट्रस्ट के अध्यक्ष सांवरमल खेतावत, वाइस डीस्ट्रीकट गवर्नर ललित कोठारी, सदस्य बालकिशन अग्रवाल, ललित अग्रवाल, डॉ. मधुसूदन देव गोस्वामी, गीता सइकिया, रेणु बरुवा, सहित अन्य सदस्यों का शिविर सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान रहा। इस आशय की जानकारी सेवा सचिव सह पीआरओ गोपाल पोद्दार ने दी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष में यह दूसरा शिविर लायंस क्लब आफ नगांव ग्रेटर द्वारा आयोजित किया गया है।

चिड़ियाघर में हाथियों के लिए आश्रय स्थल उद्घाटित

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब का गुवाहाटी ने जन सेवा और स्वास्थ्य सेवा के अलावा पशु सेवा में भी अपना कदम बढ़ाते हुए गुवाहाटी चिड़ियाघर में हाथियों के आराम के लिए आश्रय स्थल का निर्माण करवा कर इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर लायंस जिला 322 जी के निवर्तमान जिलापाल बीएस राठौर, लायंस क्लब गुवाहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार, सज्जन चौधरी, सुरेश परशुरामका, कमलेश सुराणा अजय अग्रवाल (तुरा)ने फीता काटकर टीन से बने आश्रय स्थल का उद्घाटन किय उद्घाटन के अवसर पर लायंस गुवाहाटी के अध्यक्ष अजय पोद्दार ने स्वागत संबोधन में कहा कि मानव सेवा के साथ-साथ पशु पक्षी की सेवाएं में भी हमें ध्यान देना चाहिए। चिड़ियाखाना में अपने समूह से बिछड़ कर आए हुए हाथियों के लिये आश्रय स्थल का क्लब द्वारा निर्माण करवा कर आज उद्घाटन कर दिया गया है। इस आश्रय स्थल में सर्दी, गर्मी और बरसात से बचने के लिए भी हाथी शरण ले सकते हैं। कुछ महीने पहले भी लायंस क्लब गुवाहाटी ने एक बाघ को गोद लेकर एक साल तक उसकी देखरेख का जिम्मा लिया। चिड़ियाखाना की बोटानिस

अपराजिता बोरा ने चिड़ियाघर के कर्मचारियों के लिए नेत्र और दंत जांच शिविर लगाने का भी अनुरोध किया। लायंस जिले के पूर्व जिलापाल बीएस राठौर ने भी पशु पक्षी के सेवा संबंधी अपना संबोधन दिया। कार्यक्रम में लायन्स गुवाहाटी के पूर्व अध्यक्ष किशोर साबू,रतन गोयंका, रमेश मल्होत्रा, विजय शाह, चंदन सेठिया मानिक अग्रवाल, पवन मोर, पुरुषोत्तम मीरानियां, मदन गर्ग, नीता शाह के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे। आगामी कल लायंस क्लब के आंचल प्रोजेक्ट के तहत उमा शंकर शिव मंदिर नीलांचल पुर, दुर्गासरोवर, मालीगांव में उद्घाटन किया जाएगा। मेयर मृगेन सहरनिया, मेयर स्मिता रॉय और चेयरमेन मुकुटा डेका और अनन्य गणमान्य नागरिक उपस्थिथ रहेंगे।

एपीएससी के पूर्व प्रधान परीक्षा नियंत्रक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। वर्ष 2013 और 2014 के बीच असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) में हुए कैश-फॉर-जाब घोटाले के हालिया घटनाक्रम में, असम पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने एपीएससी के पूर्व प्रधान परीक्षा नियंत्रक नंद बाबू सिंह को उनके सिलचर स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। एपीएससी के पूर्व अध्यक्ष राकेश पॉल के करीबी सहयोगी माने जानेवाले सिंह को पूछताछ के लिए सिलचर से गुवाहाटी में सीआईडी कार्यालय लाया गया। सिंह पर पॉल के निर्देशन में एपीएससी प्रार्थिभक और मुख्य परीक्षाओं की लगभग 45 हजार उत्तर पुस्तिकाओं को नष्ट करने और अनैतिक रूप से अपनी बेटी मिनर्वा देवी अरंबम को एसीएस पद पर नियुक्त करने का आरोप है। वर्तमान में करीमगंज जिले में अतिरिक्त जिला आयुक्त के रूप में कार्यरत उनकी बेटी अरंमबम को एसआईटी ने शनिवार को बुलाया था।

खानकाह के तीन मंजिला नय भवन का शिलान्यास

गुवाहाटी। खानकाह - कादरिया मोज दीदीया तेगिया का शिलान्यास किया गया। जिसकी जानकारी कमेटी की और से मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। आज सुबह 10 बजे खानकाह के तीन मंजिला नय भवन का शिलान्यास किया गया! शिलान्यास के समय कमिटी के तरफ से प्रेसिडेंट पीर नजमुल्लाह साहब, सलाहकार मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी, मौलाना इमाम साजिद हुसैन, शायर अशहर गौहाटी सेक्रेटरी, मो: मैनुल हक मौजूद थे। आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि स्थानीय लोगों के अलावा बाहर से आए हुए गन्यमाण्य व्यक्तियों ने भी उक्त शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया। कमेटी के प्रेसिडेंट पीर नजमुल्लाह साहब ने बताया कि यह खनका बन जाने के बाद इसमें बच्चों को अच्छी तालिम दी जाएगी तथा नमाज भी पढ़ी जाएगी। यह खानकाह कांटाबाड़ी (दातलापाड़ा) गुवाहाटी में स्थापित हो रही है। मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी को मुख्य अतिथि के रूप में असमिया फूलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ आए हुए सभी मेहमानों के लिए खास चाय-नास्ता का इंतजाम किए गए थे। इसके अलावा कार्यक्रम उपस्थित सभी मेहमानों को भी गामोछा से नवाजा गया। कार्यक्रम में अंत में पीर मो: नजमुल्लाह साहब कुरान तिलावत किए व मौलाना साजिद फातिहा व तकरिर पढ़े और शायर अशहर गौहाटवी के नातिया कलाम व कयाम के साथ देश व दुनियां में अमन-चैन के लिए दुआएं मांगी गई।

विश्वनाथ के प्रसिद्ध समाजसेवी तथा वरिष्ठ नागरिक शंकर प्रसाद का निधन

विश्वनाथ (विभास)। प्रसिद्ध समाजसेवक व वरिष्ठ नागरिक शंकर प्रसाद गुप्ता (99) आकस्मिक निधन प्रदेश के बलिया गांव में अपने बड़ी स्थान में कल देर रात उनका निधन हो निधन की खबर उनके विश्वनाथ निवास स्थान पर के लोगों का तांता दौरान विभिन्न संस्थाओं ने गहरी शोक व्यक्त की। इस क्रम में विश्वनाथ चैंबर ऑफ कॉमर्स, श्मशान समिति के अलावा विभिन्न संगठन शामिल रहे। अपने हंसमुख और मिलनसार स्वभाव के कारण गुप्ता समाज के लोगों में काफी लोकप्रिय थी। मालूम हो कि पिछले सात दशक से अधिक समय से समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे गुप्ता विभिन्न संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। उन्होंने सर्वप्रथम विश्वनाथ जिले हिंदी माध्यम के विद्यालय के नींव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में मध्यदेशीय वैश्य महासभा के विश्वनाथ जिला इकाई के संस्थापक अध्यक्ष के तौर पर 20 वर्षों तक उन्होंने संस्था को अपनी सेवाएं प्रदान की तथा अंत तक परिषद से जुड़ी रही।

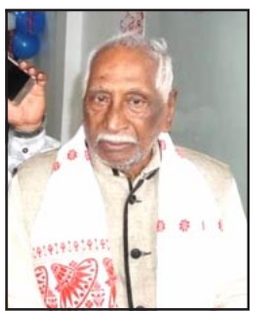

श्री इंटिरियर्स शो रूम का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के भरलुमुख के एटी रोड स्थित शिवम कांप्लेक्स में आज *श्री इंटिरियर्स* नामक हाईएंड लग्जरी इंटिरियर तथा हार्डवेयर शो रूम का शुभारंभ हुआ। इस शो रूम का उद्घाटन समाज सेवी श्रीमती कमला देवी बुड़ाकिया ने फीता काटकर किया। वहीं उद्योगपती सागरमल बुड़ाकिया व रामावतार बुड़ाकिया ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। इस मौके पर शो रूम के पार्टनर मुकेश बुड़ाकिया, सुरेश गोयल व मुकेश चौधरी के अलावा यश गोयल, अचिंत्य चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के मौके पर पार्टनर मुकेश बुड़ाकिया ने बताया कि 1600 वर्गफूट में फैले उनके इस शो रूम में घर, कार्यालय सहित सभी तरह के निर्माणों के लिए इंटिरियर व हार्डवेयर से जुड़े हाईएंड लग्जरी उत्पाद उपलब्ध है। इस मौके पर पार्टनर सुरेश गोयल ने उनके इस शोरूम में देश की अग्रणी कंपनी जैसे गोड्रेज, हाफले, इब्को, कैफ, याले, डोर सेट आदि ब्रांड के उत्पाद मौजूद है। इनमें प्रिमियम हैंडल, डीजीटल लोकर, मोड्यूलर किचन, कास्टमाइज्ड वार्डड्रब, वाल पैनल (चारकोल लोवर्स), हार्डवेयर फिटिंग आदि शामिल है। इस दौरान पार्टन मुकेश चौधरी ने बताया कि ग्राहकों की मांग के अनुसार उनके शो रूम में कास्टमाइज्ड उत्पाद भी तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने आशा जताई कि इस शो रूम के खुलने से लोगों को एक छत तले इंटिरियर व हार्डवेयर से जुड़े हाईएंड लग्जरी उत्पाद उपलब्ध होंगे।

उग्रवादियों ने गलामाल दूकान में ग्रेनेट फेंककर भाग निकले

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा बाजार में सोमेन सरकार के गलामाल दूकान में बीती रात करीब 8 बजे उग्रवादियों ने ग्रेनेट फेंक कर भाग निकला। ग्रनेट फेंकने के बाद पूरे इलाके में दहशहत का माहौल व्याप्त हो गया। बाद में इसकी सूचना मिलते मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने उक्त ग्रेनेट को अपने कब्जे लेकर छानबीन शुरू कर दी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दुकान में ग्रनेट फेंकने की जिम्मेवारी कामतापुर लिबरेशन आर्मी (केएलओ-केएन) ने जारी प्रिंस विगप्ति के माध्यम दी है। जबकि इस विगप्ति में यह भी बताया गया कि पिछले एक दिसंबर को केएलओ ने एक धन उगाही पत्र देकर फिरौती की मांग की थी। हालांकि धन न मिलने पर व्यापारी को अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहने की बात कही गई है। वहीं आज कैबिनेट मंत्री उर्खा गौरा ब्रह्म ने उक्त घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरे में उनके साथ कोकराझार के विधायक रबिराम नार्जारी उपस्थित उपस्थित थे। साथ मंत्री ने इस घटना के पीछ की मंशा क्या है इस पर जांच करने की बात कही। साथ उक्त घटना में शामिल लोगों को जल्त से जल्द गिरफ्तार करने की मांग पुलिस से की।

मणिपुर : भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

इंफाल, (हिंस)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग चुराचांदपुर, कांगपोकपी और बिष्णुपुर जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चुराचांदपुर जिले में एक अनधिकृत बंकर को नष्ट कर दिया गया। साथ ही एक एसएमजी 9 मिमी, कार्बाइन एक मैगजीन के साथ, एक 9 मिमी पिस्तौल एक मैगजीन के साथ, एक पिस्तौल, चार 36 एचई हैंड ग्रेनेड दो डेटोनेटर के साथ, चार चीनी हैंड ग्रेनेड, एक टियरगैस ग्रेनेड, एक स्टन ग्रेनेड, एक ट्यूब लांचिंग, एक लाइव 84 मिमी इल्यूमिनेशन शेल, चार शॉट गन शेल और दो 12 बोर कारतूस इंफाल पश्चिम जिले से बरामद किया गया। इनके अलावा एक 7.62 मिमी एसएलआर राइफल, एक .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, दो 36 एचई हैंड ग्रेनेड डेटोनेटर के साथ, दो चीनी वॉकी टॉकी सेट, तीन 40 मिमी लैथोड बम, एक ट्यूब लांचर, दो आर्म रिंग, पांच स्टन शेल, एक टियर स्मोक शेल, एक स्ट्रिंगर हैंड ग्रेनेड और 1 एक ग्रेनेड कुंजी थौबल जिले से बरामद की गई।

श्री गौहाटी गौशाला में दो प्राचीन शिव मंदिरों का जीर्णोद्धार

पांच दिवसीय महाकुंभाभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला की पुण्य भूमि पर सन 1930 व सन 1932 में निर्मित प्राचीन एवं जागृत दो शिव मंदिरों का श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट बोर्ड की देख-रेख में जीर्णोद्धार किया गया। जीर्णोद्धार किए गए दोनों शिव मंदिरों का पांच दिवसीय महाकुंभाभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 11 से 15 दिसंबर को बीच आयोजित किया जाएगा। इस सिलसिले में गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज डॉ. अशोक धानुका ने बताया कि आठगांव गौशाला की पावन भूमि पर सन 1930 में पहले शिव मंदिर का निर्माण स्व. गणेश दास-भूरामल मोर परिवार की और से कराया गया था। इसके ठीक दो साल बाद सन 1932 में ठीक उसी के बगल में दूसरे शिव मंदिर का निर्माण स्व. सुखदेव दास-डालुराम पाटोदिया परिवार की और से कराया गया था। उन्होंने बताया कि करीब 93 वर्ष बाद इन दोनों शिव मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया है। पहले शिव मंदिर का जीर्णोद्धार स्व. न्यायाधीश भगवती प्रसाद सराफ के पुत्र डॉ. अशोक सराफ व महाराष्ट्र सरकार के महाधिवक्ता बिरेंद्र सराफ की और से कराया जा रहा है। वहीं दूसरे शिव मंदिर का जीर्णोद्धार पाटोदिया परिवार के ही

विश्वनाथ-मनोज पाटोदिया की और से कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मकराना से आए प्रशिक्षित प्राप्त कारीगरों द्वारा दोनों मंदिरों में संगमरमर पर अद्भुत कारीगरी की गई है। दोनों मंदिरों में शिव परिवार विराजमान है। ऐसे में शिव लिंग, जलेरी व त्रिशुल पर 7 किलो चांदी की परत चढ़ाई गई है। जीर्णोद्धार के पश्चात सोमवार से पांच दिवसीय महाकुंभाभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ होगा। इसके लिए मां गंगा की नगरी बनारस से आए विद्वान पंडितों व स्थानीय पंडितों की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न कराया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि पांच दिवसीय महोत्सव के दौरान रोजाना शाम 6.30 बजे आयोजित होने वाली संध्या आरती में सभी उपस्थित रह कर दुर्लभ दर्शन प्राप्त कर सकते हैं। महोत्सव के पहले दिन सोमवार को प्रात: 8 बजे सर्व प्रायश्चित, गणेश पूजन, पुण्याहवाचनादि पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, मंडप देवता पूजन, कुटीर होम आदि के पश्चात दोपहर 1.30 बजे से जप पाठ व शाम 5 बजे जलाधिवास आयोजित किए जाएंगे। वहीं 14 दिसंबर तक रोजाना प्रात: 8 बजे जप पाठ, 10 बजे से पंचांग पूजन, होम इत्यादि, दोपहर 1.30 से जप पाठ आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 15 दिसंबर को प्रात: 7.30 बजे से मंडपस्थ देवता पूजन, महाकुम्भाभिषेक सहस्र धाराभिषेक-प्राण प्रतिष्ठा, महापूजा के पश्चात दिन के 11.30 बजे पूर्णाहुति, आरती व मंत्र पुष्पांजलि के साथ महोत्सव को विराम दिया जाएगा। साथ ही 15 दिसंबर को गौशाला प्रांगण में प्रस्तावित राधा-कृष्ण मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन का आयोजन भी दिन के 11.30 बजे से किया जाएगा। इस मंदिर का निर्माण समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रदीप भड़ेच परिवार की और से कराया जा रहा है। श्री गौहाटी गौशाला ट्रस्ट बोर्ड की और से ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका ने सभी समाज बंधुओं एवं धर्मपरायण लोगों से पांच दिवसीय महोत्सव में उपस्थित रह कर पुण्य के भागी बने।

हम गिफ्ट सिटी को उन्नत वैश्विक ऋण एवं प्रौद्योगिकी सेवा का वैश्विक केन्द्र बनाना चाहते हैं : नरेन्द्र मोदी

गांधीनगर, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से फिटनेक पर वैश्विक विचार के लिए लीडरशिप प्लेटफॉर्म इनफि निटी फोरम के द्वितीय एडिशन को संबोधित किया। द्वितीय इनफि निटी फोरम का आयोजन इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स ऑफ ऑथोरिटी (आ-ईएफएससीए) तथा केन्द्र सरकार के संयुक्त तत्वावधान में गांधीनगर स्थित गिफ़्ट सिटी में किया गया, जो वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 का प्री-इवेंट सम्मेलन था। इस इनफि निटी फोरम का विषय गिफ़्ट-आईएफएससी : उन्नत वैश्विक ऋण सेवाओं के लिए मुख्य केन्द्र था। पीएम मोदी ने संमेलन को संबोधित करते हुए दिसंबर, 2021 में इनफि निटी फोरम के प्रथम एडिशन के आयोजन के दौरान महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक स्थिति की अनिश्चितता का सामना करने वाली दुनिया को याद किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अभी भी इस चिंताजनक स्थिति का पूरी तरह समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने भू-राजनीतिक तनावों, ऊँची महंगाई एवं ऋण के ऊँचे स्तर की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मजबूती तथा प्रगति के प्रतीक के रूप में भारत के विकास की बात कही। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की स्थिति में गिफ़्ट सिटी में इस प्रकार की बैठक का आयोजन गुजरात के लिए गर्व की बात है और ऐसा आयोजन राज्य के विकास को नई ऊँचाई पर ले जाता है। प्रधानमंत्री इस अवसर पर यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत गरबा को शामिल किए जाने पर गुजरात के लोगों को अभिनंदन देना भी नहीं भूले। उन्होंने कहा, गुजरात की सफलता राष्ट्र की सफलता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बल दिया कि भारत की विकास गाथा सरकार की नीति, सुशासन एवं नागरिकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर आधारित है। उन्होंने जानकारी दी कि चालू वित्त वर्ष के प्रथम छह माह यानी अर्धवार्षिक अवधि के दौरान भारत की विकास दर 7.7 प्रतिशत रही है। सितंबर, 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा किए गए उल्लेख के आधार पर प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में वैश्विक विकास दर में भारत का योगदान 16 प्रतिशत है। उन्होंने विश्व बैंक के अभिप्राय का भी हवाला दिया और कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर दुनिया को अधिक आशाएँ हैं। मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य का भी उल्लेख किया कि दक्षिण ध्रुव में स्थित देशों (ग्लोबल साउथ) का नेतृत्व भारत शीर्ष से कर

रहा है। उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के निवेश के श्रेष्ठ अवसरों का सृजन करने के लिए भारत में बाबूशाही में कमी के ऑब्जर्वेशन का भी उल्लेख किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण है, जिसका श्रेय उसकी मजबूत अर्थव्यवस्था तथा पिछले 10 वर्ष में सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनकारी सुधारों को जाता है। उन्होंने भारत का दीर्घकालीन विकास एवं आर्थिक क्षमता के विस्तार पर ध्यान केन्द्रित होने को भी देश के विकास का श्रेय दिया। विशेषकर तब, जब शेष दुनिया राजकोषीय तथा वित्तीय राहतें दे रही है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ समन्वय या जुड़ाव बढ़ाने के लक्ष्य पर बल देते हुए कई क्षेत्रों में अनुकूल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति, नीति-नियमों के पालन में कमी जैसी उपलब्धियाँ गिनाईं और आज हुए 3 मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का उल्लेख किया। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गिफ्ट-आ-ईएफएससीए भारत तथा वैश्विक ऋण बाजारों को समन्वित करने के लिए एक बड़े सुधार का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गिफ़्ट सिटी की कल्पना एक गतिशील व्यवस्था के रूप में की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय ऋण की पृष्ठभूमि को नए सिरे से परिभाषित करेगी। मोदी ने बल दिया कि गिफ़्ट सिटी नवीनता, कार्यदक्षता एवं वैश्विक जुड़ाव के नए मानदंड स्थापित करेगी। उन्होंने वर्ष 2020 में एकीकृत नियमनकार के रूप में इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्सऑथोरिटी की स्थापना को एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने जानकारी दी कि आ-ईएफएससीए ने 27 नियमन बनाए हैं और 10 ढाँचागत कार्य शुरू किए हैं, जिससे आर्थिक अनिश्चितता की समयावधि के दौरान निवेश के नए विकल्प पैदा हों। प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख कर हर्ष व्यक्त किया कि इनफि निटी फोरम के प्रथम एडिशन के दौरान प्राप्त हुए सुझावों पर क्रियान्वयन शुरू हुआ है, जिसके लिए उन्होंने अप्रैल-2022 में आ-ईएफएससीए द्वारा अधिसूचित हुए फंड प्रबंधन के कामकाज का संचालन करने के लिए संपूर्ण ढाँचे का उदाहरण दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गिफ़्ट-आईएफएससी एक चुंबक की भाँति विकसित हो रहा है, जो ऋण एवं प्रौद्योगिकी की दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आकर्षित करता है। उन्होंने जानकारी दी कि हाल में आईएफएससी में 58 कंपनियाँ, इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज सहित 3 एक्सचेंज, 9 विदेशी बैंक सहित 25 बैंक, 29 बीमा कंपनियाँ, 2 विदेशी विश्वविद्यालय, कन्सल्टिंग कंपनियाँ, कानूनी सलाह देने वाली कंपनियाँ तथा सीए कंपनियाँ सहित 50 से अधिक व्यावसायिक सेवा प्रदाता कार्यरत हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गिफ़्ट सिटी आगामी कुछ वर्षों में दुनिया में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय ऋण केन्द्रों में एक बन जाएगी।

चुनाव 2024 में लाभार्थियों का साथ और नए लोगों पर फोकस करेगी भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने रोड मैप तैयार कर लिया है। इसके लिए लाभार्थियों का साथ और नए लोगों पर फोकस को प्रमुखता दी जा रही है। हाल ही में 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव ट्रायल रन की तरह थे जो भगवा दल के लिए प्लान के मुताबिक ही गए। पार्टी आलाकमान अब उस रणनीति को आगे बढ़ाने पर काम कर रही है जिससे उसे मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार सफलता मिली है। इन तीनों ही राज्यों में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेने के आसार थे, मगर बीजेपी ने एकतरफा जीत दर्ज की। आगामी लोकसभा चुनाव से भाजपा की इस जीत ने निश्चित तौर पर पार्टी कार्यकताओं का उत्साह और बढ़ा दिया है। जानकारों का मानना है कि बीजेपी ने पहले ही बड़े पैमाने पर काम शुरू कर दिया है। देश भर के मतदाताओं को पार्टी की ओर से आकर्षित करने को लेकर कोशिशें शुरू कर दी गई हैं। इस दौरान उन 800 करोड़ लोगों पर फोकस किया जाएगा जो सरकारी योजनाओं के लाभार्थी रहे हैं। पार्टी की ओर से करीब 300 कॉल सेंटर पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर जिला भाजपा कार्यालयों में हैं। इनका इस्तेमाल मिस्ड कॉल देकर बीजेपी में शामिल होने वाले लगभग 5 मिलियन लोगों से जुड़ने के लिए हो रहा है। इसके जरिए उन लोगों को

शॉर्टलिस्ट किया जाएगा जो पार्टी में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहते हैं। इसके बाद इन लोगों को सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से जोड़ा जाएगा। बताया जा रहा है कि पार्टी आलाकमान ने लाभार्थी सूची में और 70 मिलियन (7 करोड़) और लोगों को जोड़ने का प्लान बनाया है। पीएम नरेंद्र मोदी एक और लाभार्थी आउटरीच कैंपेन चलाने वाले हैं जिस-की शुरूआत दिसंबर के अंत या जनवरी की शुरूआत में होगी। साथ ही आम चुनाव के शुरू होने से पहले इसे समाप्त करने का टारगेट भी रखा गया है। इस ऑपरेशन के समन्वय की जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और भाजपा महासचिव सुनील बंसल पर रहेगी। हालांकि यह आंकड़ा भी दिलचस्प है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 220 मिलियन वोट मिले थे। अब राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अगले साल के लिए 350 मिलियन का टारगेट रखा है जो कि 5 साल पहले की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत ज्यादा है। भाजपा आलाकमान का हमेशा से पार्टी कार्यकताओं और कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों पर फोकस रहा है। इससे बीजेपी ने उन तीन राज्यों में बाजी अपने पाले में कर ली जहां उसे कांग्रेस से टक्कर की उम्मीद थी। भाजपा द्वारा अब देश भर में जीत के इस फॉर्मूले का विस्तार किया जाएगा। बता दें विधानसभा चुनावों से करीब 4 महीने पहले केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राज्य नेतृत्व और संचार टीमों को एक और सौंपा था। इसके तहत छूटे हुए कार्यकताओं को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया। बीजेपी ने तीन राज्यों के लिए अलग-अलग मोबाइल ऐप बनाए हैं। संगठन (एमपी), विजय संकल्प (राजस्थान) और संगठन शक्ति (छत्तीसगढ़)। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा सदस्यता और बूथ स्तर पर कनेक्टिविटी के लिए सरल ऐप के जरिए डिजिटल तरीके से भी जनता से जुड़े रहने की योजना है।

विधायक दल की बैठक में फैसला, छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री होंगे विष्णुदेव साय

रायपुर,(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर विष्णु देव साय को विधायक दल की बैठक में सहमति के बाद चुन लिया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ को 6वाँ मुख्यमंत्री मिल गया है। रायपुर स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक की आहुत की गई थी। भाजपा की ओर से नियुक्त तीनों पर्यवेक्षकों समेत पार्टी के बड़े नेता इस बैठक में मौजूद थे। भाजपा विधायक दल की यह बैठक तीन चरणों में संपन्न हुई। सर्व प्रथम केंद्र से भेजे गए तीनों पर्यवेक्षक अर्जुन मुंडा, सबानंद सोनोवाल और दुष्यंत कुमार गौतम की बैठक प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, नितिन नबीन और अजय जामवाल के साथ हुई है। इसके बाद संगठन महामंत्री पवन साय और रमन सिंह के साथ तीनों पर्यवेक्षकों ने बैठक की और उनकी राय जानी। पर्यवेक्षकों ने इसके बाद बैठक में मौजूद विधायकों से चर्चा की है। विधायकों की सहमित के बाद ही विष्णु देव साय को छत्तीसढ़ का मुख्यमंत्री चुना गया

है। यहां बतलाते चलें कि साय बड़ा आदिवासी चेहरा हैं। साय साल 2020 में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके साथ ही साय स-ांसद और केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के तौर पर अहम जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

सीएम की दौड़ में ये नाम भी थे शामिल - छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की दौड़ में साय के अतिरिक्त कई बड़े नाम भी शामिल थे। इनमें सबसे बड़ा नाम पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का था, इनके अलावा ओबीसी चेहरा अरुण साव, रेणुका सिंह और ओपी चौधरी के नाम को लेकर खूब खबरें भी चलाई गईं थीं और बराबर सस्पेंस बना हुआ था। विधायक दल की बैठक में सहमति के साथ तमाम कयासों पर विराम लग गया और साय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री होंगे यह खबर निकलकर सामने आ गई।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव नतीजों की स्थिति - छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा को अप्रत्याशित जीत हासिल हुई और प्रदेश की कुल 90 विधानसभा सीटों में से भाजपा को 54 सीटें हासिल हुई हैं, जबकि कांग्रेस को महज 35 सीटें ही हासिल हुई हैं। एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को भी हासिल हुई है।

स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल की तबियत बिगड़ी

यमुनानगर, (हि.स.)। विकसित भारत जन संकल्प यात्रा के जन संवाद के दौरान खंड प्रताप नगर के नाग्गल पट्टी गांव में रविवार को जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री कंवरपाल की तबियत अचानक से बिगड गई। उन्हें आनन-फानन में प्रतापनगर के सरकारी अस्पताल में लाया गया। फिर वहां से उन्हें एंबुलेंस में यमुनानगर के निजी अस्पताल में दाखिल किया गया। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर है और इलाज जारी है। जिला मुख्य सिविल सर्जन डॉक्टर मंजीत सिंह ने पत्रकारों को बताया कि आज प्रतापनगर में एक कार्यक्रम के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल की तबियत बिगड़ गई थी। अधिक भागदौड़ और आराम ना मिलने के कारण यह सब हुआ है। अब उनकी हालत ठीक है। और उन्हें हार्ट से संबंधित कोई दिक्कत नहीं हुई है। उनके कुछ टेस्ट की जांच किए

जाने के बाद शाम तक छुट्टी देकर आराम करने की सलाह दी जा सकती है। फिलहाल उनकी तबियत ठीक है। उन्होंने बताया कि स्वयं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फोन पर स्कूल शिक्षा मंत्री से फोन पर बात की और उनका हालचाल जाना। मुख्य सिविल सर्जन डॉक्टर मंजीत सिंह ने माना कि 200 बेड के बने नए सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की कमी है। जिस कारण से मंत्री को निजी अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल किया गया।

12 दिसंबर तक किसानों के खातों में नवेश किया जाएगा रुपया : ममता

उत्तर बंगाल में लघु और मध्यम उद्योगों में 24 हजार करोड़ रुपये का निवेश

अलीपुरद्वार, (हि.स.)। उत्तर बंगाल में लघु और मध्यम उद्योगों में 24 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने र-विवार को अलीपुरद्वार में सरकारी सेवा वितरण समारोह के मंच से यह बात कही। उन्होंने कहा 12 दिसंबर तक खरीफ खेती की रुपया किसानों के खाते में आ जायेगा। दरअसल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उत्तर बंगाल के सात दिवसीय दौरे पर है। शनिवार को डुआर्स में जनसंपर्क किया। वहीं, रविवार को अलीपुरद्वार में सरकारी सेवा वितरण समारोह में ममता ने बच्चों को पौधे सौंपे। जबकि 27 परियोजनाओं का उद्घाटन और 77 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर 31 परियोजनाओं के तहत 39 लोगों को सेवा प्रदान की गई। उन्होंने चाय श्रमिकों को पट्टा का भी वितरित किया। इस दौरान मंच पर उदयन गुहा, बुलु

चिक बराइक और अन्य नेता उपस्थित थे। इस दिन मंच से ममता ने कहा कि 'लघु और मध्यम उद्योगों' में उत्तर बंगाल में 24 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। जिन किसानों के पास फसल बीमा है। उन्हें रुपया मिलेगा। खरीफ खेती का रुपया 12 दिसंबर तक किसानों के खाते में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि हम अलीपु-रद्वार को नया जिला बना रहे है। चाय बागान पट्टा और पर्यटन उद्योग कर रहे है। हम सभी शरणार्थी कॉलोनी के पट्टे दे रहे है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास कर रहे है। आज भी करीब 93 करोड़ 32 लाख की 70 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अगले 24 दिसंबर तक एक लाख 20 हजार घरों तक पेयजल पहुंच जायेगा। उन्होंने केंद्र स-रकार पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा सिर्फ विज्ञापन पर दलाली करता है। हमें जमीन कौन देता है?

लोक सभा अध्यक्ष ने सी. राजगोपालाचारी को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में भारत रत्न श्री सी. राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने भी इस अवसर पर राजगोपालाचारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में उपस्थित सभी लोगों को लोक सभा सचिवालय की ओर से हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित राजगोपालाचारी की जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भी भेंट की गई।

राजगोपालाचारी के चित्र का अनावरण 21 अगस्त, 1978 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति एन. संजीव रेड्डी ने किया था।

राज्यसभा के 56 सदस्य अप्रैल के पहले रिटायर होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2024 में लोकसभा के चुनाव अप्रैल माह में होने हैं। इसके पहले ही राज्यसभा के 56 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा 30 सदस्य भारतीय जनता पार्टी के होंगे।राज्यसभा में कुल सदस्यों की संख्या 239 है। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के अभी 93 सदस्य हैं। लोकसभा चुनाव होने के बाद भी राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी बहुमत से दूर ही रहेगी। कांग्रेस को जरूर दो सीटों का फायदा होने जा रहा है। तेलंगाना में सरकार बन जाने के कारण दो सदस्य कांग्रेस के तेलंगाना से राज्यसभा में जाएंगे। वहीं भारतीय जनता पार्टी को भी कोई

नुकसान नहीं होना है। उसके 30 सदस्य सेवानिवृत हो रहे हैं। राज्यसभा के जो चुनाव होंगे,उसमें 30 सदस्य फिर भाजपा के वापस आ जाएंगे। स्पष्ट बहुमत राज्यसभा में भाजपा को मिलने वाला नहीं है। जब किसी राजनीतिक दल के पास 120 राज्यसभा के सदस्य होंगे, तभी उसे राज्यसभा में स्पष्ट बहुमत मिलता है।

पांच राज्यों में घने कोहरे के साथ बढ़ेगी ठिठुरन, मौसम विभाग ने किया सर्तक

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईएमडी ने पांच राज्यों में ठिठुरन के साथ घना कोहरा छाने की चेतावनी जारी की है। गौरतलब है कि साल के आखिरी महीने में उत्तर भारत के हिस्सों में मौसम तेजी से बदल रहा है। सुबह और शाम के वक्त ठंड से कंपकपी बढ़ने लगी है। कई राज्यों में सुबह में कोहरे की धुंध छाई रहती है तो शीतलहर का प्रकोप भी शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 5 राज्यों में कोहरे का अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि उत्तरी मप्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में अलग-अलग इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। अगर उत्तराखंड की बात करें तो वहां पारा तेजी से लुढ़क रहा है। आईएमडी के मुताबिक, अगले हफ्ते उत्तर भारत के राज्यों में ठिठुरन और बढ़ जाएगी। इसलिए लोगों को पहले से सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इधर नई दिल्ली के कई इलाकों में घने कोहरे के कारण सुबह और शाम के वक्त लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली के धौला कुआं इलाके में रविवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के मुनिरका में भी आज वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत खराब श्रेणी में है। हालांकि मौसम विभाग ने सोमवार को धुंध छाए रहने की संभावना जताई है। यहां का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 24 और नौ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा 51 और 100 के बीच को संतोषजनक 101 और 200 के बीच को मध्यम, 201 और 300 के बीच को खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, 401 और 450 के बीच गंभीर और 450 से ऊपर अति गंभीर माना जाता है। आईएमडी का कहना है कि मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में कई स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा रहने की संभावना है। 11 दिसंबर से एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय को प्रभावित करने वाला है। इसके चलते अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इधर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। इस दौरान यहां का न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। शुक्रवार की रात तापमान गुरुवार को दर्ज हुए शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले दो डिग्री कम दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम कार्यालय के अनुसार 11 दिसंबर तक आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम शुष्क रहेगा और रात में तापमान में कुछ डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है।

विपक्ष द्वारा ईवीएम पर सवाल खड़ा करना जनता का अपमान : साध्वी निरंजन ज्योति

फतेहपुर, (हि.स.)। केन्द्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि पांच राज्यों के हुए चुनाव और उन चुनाव में कांग्रेस की तीन राज्यों में करारी हार के बाद विपक्ष द्वारा ईवीएम पर सवाल खड़ा करना जनता का अपमान है। मातृशक्ति सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के बाद पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इससे पहले अखिलेश यादव ईवीएम से चुनाव जीत कर मुख्यमंत्री बने। कांग्रेस कर्नाटक का चुनाव ईवीएम से जीता। तब ईवीएम पर कोई विपक्षी दल सवाल नहीं करता। जब-जब भाजपा जीतती है, ईवीएम का रोना रोते हैं। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसीलिए ईवीएम का मुद्दा खड़ा कर जनता के बीच भाजपा को बदनाम करने का कुचक्र रच रहे हैं। इंडिया गठबंधन में अखिलेश यादव को बड़ी भूमिका मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि देखते जाइए, अभी तो लोकसभा चुनाव की घोषणा नहीं हुई और न प्रत्याशियों के नामों की घोषणा हुई है। प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होने दीजिए, सब पता चल जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने कांग्रेस सांसद के घर ईडी की छापेमारी में करोडों रुपये मिलने पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस आजादी के बाद से देश को लूटा ही है। यह तो 2014 के बाद भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से देश विकसित देश की श्रेणी में आ रहा है। देश की कमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संभालने के बाद विश्व पटल पर भारत को लोग पहचानने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तो एक कांग्रेसी सांसद के घर ईडी गई है। कांग्रेसियों को बहुत दर्द हो रहा है। सरकार ईडी नहीं लाती है। जब कोई देश की गाढ़ी कमाई जमा करेगा तो कार्रवाई होगी ही। देश का रुपया है। देश के निर्माण में लगाया जाना चाहिए था। कांग्रेस सांसद के घर करोड़ों रुपये मिलने पर कांग्रेस के लोगों को जनता के समक्ष जवाब देना होगा।

केन्या के लामू बंदरगाह पर पहली बार पहुंचा भारतीय नौसेना का जहाज 'सुमेधा'

- पोर्ट कॉल के दौरान दोनों नौसेनाओं के कर्मी आपसी सहयोग बढ़ाएंगे
- जहाज की तैनाती भारत-अफ्रीकी संबंधों को आगे बढ़ाने का प्रयास

नई दिल्ली, (हि.स.)। अफ्रीका में चल रही लंबी दूरी की तैनाती के एक हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना का जहाज सुमेधा केन्या के लामू बंदरगाह पहुंच गया है। हाल ही में विकसित केन्या के इस बंदरगाह पर पहली बार भारतीय नौसेना जहाज का कोई जहाज गया है, जो पहली बंदरगाह कॉल का प्रतीक है। यह जहाज वि-शाखापत्तनम स्थित भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का हिस्सा है और पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के परिचालन कमान के तहत कार्य करता है। पोर्ट कॉल के दौरान दोनों नौसेनाओं के कर्मी पेशेवर बातचीत, डेक दौरे और खेल आदान-प्रदान की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल होंगे, जिसका उद्देश्य आपसी सहयोग बढ़ाना और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना है। यात्रा के हिस्से के रूप में एक संयुक्त योग सत्र, डेक रिसेप्शन, चिकित्सा शिविर और एक समुद्री स-

झेदारी अभ्यास की योजना बनाई गई है। आईएनएस सुमेधा भारतीय नौसेना की स्वदेशी रूप से विकसित सरयू-श्रेणी की तीसरी श्रेणी का जहाज है। इसे 07 मार्च, 2014 को नौसेना में कमीशन किया गया। जहाज को स्वतंत्र रूप से और बेड़े के संचालन के समर्थन में कई भूमिकाओं के लिए तैनात किया गया है। यह जहाज हथियारों और सेंसरों की एक श्रृंखला से सुसज्जित है और बहु-भूमिका वाले हेलीकॉप्टर ले जा सकता है। भारतीय नौसेना के 'दोस्ती के पुल' बनाने और मित्र देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के मिशन के हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना के जहाजों को नियमित रूप से विदेशों में तैनात किया जाता है। जहाज की यह यात्रा प्रधानमंत्री के 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' (एसएजीएआर) के दृष्टिकोण के अनुरूप है और भारत-अफ्रीकी संबंधों को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

मानवाधिकारों की मजबूती 'मुफ्त बांटने' के बजाय सशक्तिकरण में : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने आज कहा कि मानवाधिकारों की मजबूती लोगों के सशक्तिकरण में है और मुफ्त की राजनीति से इसे हासिल नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि मुफ्त बांटने की राजनीति की होड़ से हमारी व्यय प्राथमिकता प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि देश में इस बात पर बहस होनी चाहिए कि इस तरह की राजनीति कैसे देश की अर्थव्यवस्था, जीवन गुणवत्ता और समाजिक सामन्जस्य पर प्रभाव डाल रही है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार मुफ़्त चीजें व्यापक आर्थिक स्थिरता के बुनियादी ढांचे को कमजोर करती हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नई दिल्ली के प्रगति मैदान में

मानवाधिकार दिवस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता का लोकाचार और संवैधानिक ढांचा मानवाधिकारों के सम्मान, सुरक्षा और पोषण के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के मानवाधिकारों को पोषित, पल्लवित, बढ़ावा देने से जुड़ा एक उदाहरण है। इसकी जमीनी हकीकत देखने के लिए हमें महानगरों से बाहर निकलना होगा। उन्होंने मानवाधिकारों के पालन में देश के जागरूक न्याय व्यवस्था का विशेष उल्लेख किया। कानून की समानता और सभी के लिए न्याय तक पहुंच मानव अधिकारों को समाज में फलने फूलने का अवसर देती है। कोई भी कानून से ऊपर नहीं होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने इस दौरान शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में आए बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि तीन दशकों के बाद एक ऐसी नई शिक्षा नीति लायी गई है जो मानवाधिकारों के विकास का प्रावधान करती है। इसके अतिरिक्त सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि हमारा विकास समावेशी हो। नागरिकों की बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में सरकार की पहलों की स-राहना करते हुए उन्होंने कहा कि समावेशी विकास का यह उत्तम उ-दाहरण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाया है। बैंक खाते, गैस कनेक्शन, हर घर तक नल से जल, हर घर में शौचालय और बुनियादी ढांचे का विकास इसका उदाहरण है। व्यापक बैंकिंग समावेशन और हर किसी को बुनियादी ढांचे के विकास का लाभार्थी होने से अधिक समावेशी विकास क्या माना जा सकता है? सभी नागरिकों को सरकारी पहलों का लाभ मिले, इससे अधिक समावेशी क्या हो सकता है? महिलाओं को अब गैस कनेक्शन, दरवाजे पर पानी, हर घर में शौचालय और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के प्रचुर अवसर उपलब्ध हैं।

मायावती ने लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी कार्यालय में की बैठक, भतीजे आकाश को बनाया उत्तराधिकारी

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में ऑल इंडिया बैठक की। इस बैठक में देश के सभी राज्यों के पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे और आगामी लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर बातचीत की गई। इस दौरान यह भी खबर आ रही है कि मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी बनाया है। बसपा प्रमुख मायावती ने बैठक में विरोधी पार्टियों द्वारा जन व देशहित की नीति व सिद्धांत के बजाय ज्यादातर धनबल, लुभावने वादों और छलावा पूर्ण दावे के सहारे राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ का सही सामना करने के लिए डबल मेहनत से संगठन की मजबूती व जनाधार को बढ़ाने का आह्वान किया ताकि 'वोट हमारा,राज तुम्हारा' की लगातार चली आ रही शोषणकारी व्यवस्था से सर्वसमाज के गरीबों को जल्द मुक्ति मिल सके। उन्होंने कहा कि हाल ही सम्पन्न हुए चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों ने आदर्श चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए कभी न पूरा करने वाले लुभावने वादे कर चुनाव को इस हद तक प्रभावित किया गया। चुनाव का माहौल बहुकोणीय संघर्ष होने के बावजूद चुनाव के परिणाम एक तरफ ही जाना चर्चा का विषय है। इसी प्रकार से विपक्षी दल लोकसभा चुनाव भी लड़ेगी। इन सब बातों से लोगों को सजग व सावधान करना जरूरी होगा कि लुभावने वादों से नहीं, लोगों का जीवन सुधारने वाला प्रयास ही देश को आगे लेजा सकता है। सरकार को देश की 140 करोड़ जनता के हिसाब से रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे। मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जातिवादी, सांप्रदायिक और धार्मिकता के गैर जरूरी रंग में झोंककर प्रभावित करने का प्रयास होगा। ताकि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ने आदि से लोगों का ध्यान भटकाया जाए। बसपा प्रमुख ने बैठक में एक बार फिर यह दोहराया कि चुनावी गठबंधन से बसपा को नुकसान ज्यादा होता है। इसलिए पार्टी अपने ईमानदार नेताओं और बाबा साहेब के सिद्धांतों पर इस लोकसभा के चुनाव मैदान में उतरेगी।

शिक्षित के साथ ज्ञानवान होना महत्वपूर्ण : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि शिक्षा प्राप्त करना केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। पुस्तकीय ज्ञान से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त की जा सकती है। परन्तु, जीवन में विजेता बनने के लिए शिक्षित होने के साथ ज्ञानवान होना महत्वपूर्ण है। ज्ञान, शिक्षण संस्थानों में संवाद के वातावरण और अनुभव से अर्जित होता है। मुख्यमंत्री योगी रविवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 91वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्य अतिथि राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण व मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए परिश्रम और पुरुषार्थ का कोई विकल्प नहीं है। उद्देश्य के अनुरूप प्रतिबद्ध होकर समय सीमा में कार्य करते हुए आगे बढ़ने पर ही लक्ष्य प्राप्त हो सकता है। मुख्यमंत्री ने महान कवि रामधारी सिंह दिनकर की रचना, वसुधा का नेता कौन हुआ, भूखण्ड-विजेता कौन हुआ, अतुलित यश क्रेता कौन हुआ, नव-धर्म प्रणेता कौन हुआ, जिसने न कभी आराम किया, विघ्नों में रहकर नाम किया; का उद्धरण दिया और कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य रखते हुए परिश्रम करने से सफलता की नई ऊँचाईयां प्राप्त होती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1932 में जब युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की तब उनका संकल्प था कि देश को गुलामी से मुक्ति मिलने के बाद कैसे नागरिक मिलने चाहिए। उसी संकल्प पर चलते हुए आज यह परिषद चार दर्जन संस्थाओं के माध्यम से निरंतर शिक्षा और सेवा के प्रकल्पों को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जीवन में कृतज्ञता का भाव सदैव बने रहना चाहिए। कृतज्ञता का भाव सकरात्मकता से आगे बढ़ने को प्रेरित करता है।

इसको और स्पष्ट करने के लिए उन्होंने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ के अपने गुरु के प्रति प्रकट किए गए भाव के क्रियात्मक पक्ष का स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी के गुरु को अंग्रेज सरकार ने आजादी के आंदोलन में भाग लेने के कारण शिक्षक की नौकरी से निकाल दिया। तब गुरु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने लिए महंत दिग्विजयनाथ ने एक स्कूल खोला और गुरु को प्रधानाचार्य बना दिया। यही स्कूल महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आधार शिला बना। संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में स्वागत संबोधन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो यूपी सिंह ने किया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कुशीनगर के सांसद विजय दूबे, विधायक श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह आदि की सहभागिता रही।

इन्हें किया गया पुरस्कृत – संस्थापक सप्ताह के मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण व उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की उत्कृष्ट संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

"पूर्वोत्तर के प्रहरी: नागालैंड" का विमोचन हुआ – जगदम्बा लाल द्वारा लिखित पुस्तक "पूर्वोत्तर के प्रहरीः नागालैंड" का विमोचन भी किया गया।

टीबी की शीघ्र जांच, इलाज व पोषण पर योगी सरकार गंभीर

लखनऊ, (हि.स.)। भारत को वर्ष 2025 तक टीबी (क्षय रोग) मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने को लेकर योगी सरकार गंभीर है। योगी सरकार का पूरा ध्यान टीबी की जांच और परीक्षण के दायरे में तेजी लाने पर है। साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत बैंक खाते में प्रति माह 500 रुपये भेजकर इसमें तेजी लाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि टीबी के शुरूआती इलाज के साथ-साथ इलाज के दौरान उचित पोषण भी सुनिश्चित किया जा सके। इसके लिए योगी सरकार निजी क्षेत्र के टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चला रही है।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर हो रही टीबी की स्क्रीनिंग – टीबी की स्क्रीनिंग और जांच का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले साल दिसम्बर से हर माह की 15 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्रों पर निक्षय दिवस का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के जरिये गत 10 माह के दौरान 8406 टीबी मरीजों की पहचान कर इलाज शुरू किया गया। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर भी स्क्रीनिंग और सैम्पल लेने की व्यवस्था की गयी है, ताकि जल्द से जल्द टीबी मरीजों की पहचान कर उनका शीघ्र इलाज शुरू किया जा सके। इसी क्रम में अब एक और बड़ा कदम उठाया गया है। संयुक्त निदेशक (क्षय) व राज्य क्षय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने प्रदेश के सभी जिला क्षय रोग अधिकारियों को 15वें वित्त आयोग द्वारा प्राप्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्थापित टूनाट मशीनों का उपयोग राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत करने के लिए पत्र लिखा है। इससे टीबी की जांच में तेजी आएगी। टूनाट मशीनों की मैपिंग कराते हुए लैब टेक्नीशियन को एसटीएलएस के माध्यम से प्रशिक्षित कराने का भी निर्देश दिया गया है। इसके अलावा टूनाट मशीनों की उपयोगिता रिपोर्ट भी हर माह राज्य स्तर पर भेजने को कहा गया है।

नोटिफिकेशन बढ़ाने को एक हफ्ते का विशेष अभियान – निजी क्षेत्र के टीबी मरीजों का नोटिफिकेशन बढ़ाने के लिए प्रदेश में 7 से 14 दिसम्बर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष निजी क्षेत्र के नोटिफिकेशन का प्रदेश का लक्ष्य करीब 2.24 लाख तय किया गया है जिसमें 88 प्रतिशत पूरा हो गया है। इस लक्ष्य को समय से पूरा करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

महानिदेशक-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें डॉ. दीपा त्यागी ने इस बारे में प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और जिला क्षय रोग अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नोटिफिकेशन बढ़ाने के साथ ही छूटे हुए मरीजों को निक्षय पोर्टल पर नोटिफाई कराना सुनिश्चित करें।

15 दिसम्बर तक टीबी मरीजों के खाते में पैसे भेजने के निर्देश – डॉ. दीपा त्यागी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पांच दिसम्बर को निर्देशित किया है कि निःक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को पोषण के लिए मिलने वाली 500 रुपये की राशि का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए।

चिंतन शिविर के माध्यम से कार्यकर्ताओं की निराशा दूर करने की तैयारी कर रही कांग्रेस

लखनऊ, (हि.स.)। तीन राज्यों में हार के कारण कार्यकर्ताओं में आयी निराशा को दूर करने के लिए उप्र कांग्रेस जुट गयी है। ताकि लोकसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी लाई जा सके। इसके लिए चिंतन शिविर भी लगाये जाने की तैयारी चल रही है। अभी उसके लिए स्थान और समय निर्धारित नहीं हुआ है लेकिन इस माह के अंत तक शिविर लगने की संभावना है। दूसरी तरफ प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का दौरा पहले से तेज हो गया है। कांग्रेस पदाधिकारी यह समझाने में भी जुटे हैं कि तीन राज्यों की विधानसभाओं में हमारा वोट प्रतिशत कम नहीं हुआ है। राजस्थान में .3 प्रतिशत वोट पहले से बढ़ा है लेकिन हम जादुई आंकड़े में पीछे हो गये हैं। इस कारण हमें निराश होने की जरूरत नहीं है। सभी को अभी से और कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी का कहना है कि इन तीन राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई थी और लोकसभा में हम हार गये थे। विधानसभा के चुनाव लोकसभा के चुनाव को प्रभावित नहीं करते। इस लोकसभा में हमारी जीत होगी और केंद्र में हमारी सरकार बनेगी। जनता नरेंद्र मोदी के झूठ से उब चुकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों को हमें घर-घर तक पहुंचाना है। यह हर कार्यकर्ता का दायित्व है। इसको लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

हर बूथ को मजबूत करने पर ध्यान दिया जा रहा है। कार्यकताओं को हर समय सक्रिय किये जाने के लिए समय-समय पर कार्यक्रम होने जरूरी है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भाजपा के झूठ को उजागर कर रहे हैं।

डॉक्टर से मंगवा लीजिए इस्टीमेट, सरकार देगी इलाज का पैसा : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लगभग 300 लोग कतारबद्ध कुर्सियों पर बैठे थे। वे एक एक के पास पहुंचे, उनकर हाथों से खुद प्रार्थना पत्रों को लिया और समस्याएं सुन समाधान व त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनें। उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं। किसी को भी परेशान न होने दें। उन्होंने कहा कि जिन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराएं तथा शासन को उपलब्ध कराएं। इस दौरान इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची एक महिला को मुख्यमंत्री योगी ने आत्मीय संबल दिया और कहा, डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए, इलाज का पैसा सरकार देगी।

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात की। एक-एक करके उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। सभी लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान मिलेगा।अधिकारियों से मुखातिब मुख्यमंत्री योगी ने दो टूक शब्दों में कहा कि इनके निस्तारण में किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत स्कूलों में चल रहे 75 दिवसीय कार्यक्रमों का समापन 11 को

11 दिसंबर को राज्यभर के स्कूलों में मनाई जायेगी महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती

रांची, (हि.स.)। एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 75 दिवसीय भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया था। इस सांस्कृतिक बहुभाषी उत्सव में झारखंड के भी सभी सरकारी स्कूलों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूली बच्चों को भारत राष्ट्र की महान भाषायी विविधता के गौरव की अनुभूति कराने वाले इस दिव्य उत्सव का समापन सोमवार को होगा। भारतीय भाषा उत्सव का समापन महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के बहुभाषी थीम को गति देने के लिए राज्य के सभी स्कूलों में बड़े पैमाने पर बहुभाषी महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। राज्य शिक्षा परियोजना ने राज्य के सभी जिलों को पत्र जारी कर प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई है। साथ ही राज्य शिक्षा परियोजना ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि सोमवार को सरकारी स्कूलों में पूर्व से निर्धारित परीक्षाओं व अन्य दूसरे आयोजनों को स्थगित कर आगे बढ़ाया जाए। भारतीय भाषा उत्सव के समापन के मौके पर होने वाले उत्सवी कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और सामान्य जनता के सहयोग और सहभागिता को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करेंगे। भारतीय भाषा उत्सव के समापन कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक विद्यालयों को एक कैनवास तैयार करना होगा, जिसमें स्कूली बच्चे, अभिभावक, शिक्षक अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर कर अपनी मातृभाषा के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करेंगे। इस बड़े कैनवास को स्कूल के मुख्य द्वार पर रखा जाएगा। इस कार्यक्रम को 'मेरी मातृभाषा में मेरा हस्ताक्षर' नाम दिया गया है। राज्य के स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चे भारत के अन्य राज्यों के स्वादिष्ट पकवानों एवं व्यंजनों से आम लोगों को रूबरू कराएंगे। वे उन्हीं राज्यों की भाषा में बातचीत भी करेंगे। आम लोग विविधताओं से भरे भोजन का आनंद भी ले सकेंगे। सभी स्कूल कम से कम एक व्यंजन अवश्य तैयार रखेंगे।

धीरज साहू के पास मिले पैसे से पार्टी का कोई लेना-देना नहीं : अविनाश पांडेय

रांची, (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व झारखंड प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय रविवार को रांची पहुंचे। रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही अविनाश पांडेय से पत्रकारों ने धीरज साहू के ठिकानों से मिले 500 करोड़ की बरामदगी को लेकर सवाल किये, जिसपर प्रदेश प्रभारी ने साफ तौर पर कहा कि उनके पास मिले पैसे से कांग्रेस पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। यह उनका निजी मामला है। अविनाश पांडेय ने धीरज साहू का बचाव करते हुए कहा कि सभी को पता है कि साहू परिवार झारखंड और राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े व्यावसायिक घराने की श्रेणी में आता है। आयकर विभाग ने इस मामले में अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। जब तक आधिकारिक रूप से आईटी की टीम कोई जानकारी नहीं देती और खुद धीरज साहू के परिवार वाले अपना पक्ष नहीं रखते हैं, तब तक पार्टी इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि समय आने पर पार्टी भाजपा के हर सवालों का जवाब उनके अंदाज में देगी। इधर, अविनाश पांडेय के रांची पहुंचने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बन्ना गुप्ता, शहजाना अनवर, सुबोधकांत सहाय, रवींद्र सिंह, जयशंकर पाठक, गुंजन सिंह सहित अन्य ने उनका जोरदार स्वागत किया।

झारखंड आंदोलनकारियों का अपमान कर रही है राज्य सरकार: योगेश वर्मा

खूंटी, (हि.स.)। झारखंड पार्टी ने झारखंड आंदोलनकारी को चिह्नित करने और उन्हें सम्मान के साथ पेंशन निर्धारित करने की मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं किये जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। साथ ही कहा कि यह झारखंड आंदोलनकारियों के लिए अपमानजनक है। झारखंड पार्टी खूंटी जिला समिति के सक्रिय कार्यकताओं की रविवार को महासचिव योगेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए योगेश वर्मा ने कहा कि झारखंड सरकार झारखंड आंदोलनकारियों का अपमानित कर रही है। संगठन की चर्चा करते हुए वर्मा ने कहा कि झारखंड पार्टी को हर हाल में मजबूत करना होगा, ताकि 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में झारखंड पार्टी के उम्मीदवारों को जीत दिलाई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ ही कई केंद्रीय और राज्य के मंत्री खूंटी आए लेकिन अभी तक किसी ने झारखंड आंदोलनकारियों और उनके परिवार वालों की स्थिति के संबंध में कुछ नहीं कहा। वर्मा ने कहा कि झारखंड के विकास के लिए एक बार फिर हमें बृहद झारखंड के लिए आंदोलन करने की जरूरत है। बैठक में उत्तराखंड के टनल में फंसे झारखंड के मजदूरों को अधिक से अधिक सुविधा और मुआवजा देने की मांग की गई। बैठक में पौलुस नाग, पतरस नाग, सुमित मुंडू, सागू मुंडू जुनास मुंडू जॉन मुंडू, कृष्ण मांझी, सुरेश मांझी, डेविड सोय, सोमा मांझी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के दलदल में बना आईएनडीआईए कर रहा है देश को बांटने की कोशिश : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि आईएनडीआईए गठबंधन देश का बंटवारा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने एक बार फिर तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर जोरदार हमला किया है, इसके साथ ही राहुल गांधी, लालू यादव एवं नीतीश कुमार सहित गठबंधन के अन्य नेताओं पर भी प्रहार किया है। रविवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने महुआ मोइत्रा के संसद की सदस्यता बर्खास्त करने तथा कांग्रेस के साथ राज्यसभा सांसद धीरज साहू के घर से बड़े पैमाने पर नोट मिलने पर कहा कि आज घर्मोडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस कर रही है। लेकिन इस मामले पर पूरे महागठबंधन का जुबान बंद है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी चुप क्यों हैं, धीरज शाह के पैसे कहां जा रहे थे। आईएनडीआईए गठबंधन के लोगों ने क्या नरेन्द्र मोदी को हराने के लिए यह पैसा जमा किया गया था। नरेन्द्र मोदी का संकल्प है भ्रष्टाचार पर नकेल, वह नकेल कसते रहेंगे, चाहे कितना भी बड़ा ताकत क्यों नहीं हो, उस पर कार्रवाई होगी। ममता बनर्जी के मंत्री जेल में हैं, केजरीवाल के मंत्री जेल में हैं ,कांग्रेस के लोग तबाह हैं। इससे जाहिर होता है कि यह लोग भ्रष्टाचार के दलदल में हैं, विपक्ष में नैतिक ताकत नहीं है। सोमनाथ चटर्जी जब लोकसभा के अध्यक्ष थे तो उन्होंने दस सांसदों को पैसा लेने के आरोप में बर्खास्त किया था। आज महुआ मोइत्रा को भी पैसा लेने के आरोप में ही बर्खास्त किया गया है। मोदी सरकार ने देश के कानून में बदलाव कर एफिडेविट लेने का प्रावधान किया है और साक्ष्य के ही आधार पर सदस्यता गई है। वोट किसी गठबंधन में नहीं जनता के पास है, जनता का मोदी पर विश्वास है, 2024 में चार सौ से अधिक सीट जीताकर जनता नरेन्द्र मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाएगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि आखिर जनता क्यों नहीं नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएगी। मोदी ने साढ़े 13 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर किया गया। राहुल गांधी बताएं कि 75 साल में कांग्रेस ने शौचालय नहीं दिया, आज दस करोड़ से अधिक गरीबों को शौचालय मिला, सिर्फ शौचालय नहीं इज्जत है। पांच किलो अनाज, अनाज नहीं गरीब कल्याण है। नरेन्द्र मोदी ने ट्रक ड्राइवर से गरीबी नहीं सीखा, उन्होंने गरीबों में जिया है, इसलिए गरीबों के लिए काम कर रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन द्वारा उत्तर भारतीय और हिंदी भाषी राज्यों को गोमूत्र का राज्य कहा जाता है। उत्तर भारत और दक्षिण भारत में बांटने की कोशिश हो रही है। जबकि, दक्षिण भारत के निवासी शंकराचार्य ने पूरे देश को एक करने का काम किया था। आज आईएनडीआईए गठबंधन उस देश को बांट रही है। तेलंगाना में कांग्रेस के नए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बिहारी डीएनए का अपमान किया। लेकिन इस अपमान को लेकर लालू यादव और नीतीश कुमार की जुबान नहीं खुल रही है। 2010 में नरेन्द्र मोदी जी के खिलाफ डीएनए की परीक्षा देने वाले और नाखून कटवाने की बात कर रहे लोगों को आज सांप सूंघ गया है, मुंह में बर्फ जम गया है। बिहार का अपमान नीतीश कुमार और लालू यादव सुनें। लेकिन इसके लिए कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के सभी को जवाब देना होगा कि बिहार के अपमान पर हुए चुप क्यों है।

एनसीसी कैंप अनुशासन और एकता को हासिल करने का जरिया : कमांडेट

-अरेराज में दस दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण कैंप हुआ शुरू

पूर्वी चंपारण,(हि.स.)। जिले के अरेराज स्थित महंथ शिवशंकर गिरी महाविधालय के परिसर में 25 बिहार बटालियन एन.सी.सी.,मोतिहारी के तत्वावधान में अगामी 20 दिसंबर तक के लिए संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 13 का शुभारंभ किया गया। इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में पूर्वी और पश्चिमी चंपारण के विविध विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कुल 600 जूनियर डिवीजन,जूनियर विंग,सीनियर डिविजन और सीनियर विंग के एन.सी.सी.कैडेट्स भागीदारी कर रहे हैं। इस शिविर में कैडेटों को ड्रिल, पी.टी. योग विद्या, सर्विस सब्जेक्ट, मैप रीडिंग, रेक्की, एंबुश, हथियार संचालन, फायर फाइटिंग हेल्थ हाइजिनऔर स्वच्छता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं का भी आयोजन किया जायेगा। 25 बिहार बटालियन एन.सी.सी.के समादेशी पदाधिकारी कर्नल प्रदीप कुमार सिंह(सेना मेडल) इस शिविर के कैंप कमांडेंट बनाए गए हैं। कैंप को सुचारु रूप में चलाने के लिए सूबेदार मेजर प्रेम प्रसाद गुरुंग, सूबेदार देव बहादुर जी.टी.और सूबेदार सुनील कुमार सहित एन.सी.सी.पदाधिकारियों पवन कुमार सिंह, देवी दत्त मालवीय, सतीश कुमार, रामनागेश प्रसाद, विकास कुमार एवम विनीति कुमारी की नियुक्ति की गई है। कैंप कमांडेंट कर्नल प्रदीप कुमार सिंह (सेना मेडल) ने ओपनिंग एड्रेस के दौरान कैडेटों को कैंप रूटीन के बारे में जानकारी देते कहा कि कैंप जीवन में अनुशासन और एकता को हासिल करने का बेहतर जरिया है। ऐसे में कैडेट कैंप रूटीन के अनुसार अपने को ढालते हुए सुयोग्य उस्तादों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करे। इससे आपके जीवन में अनुशासन की भावना विकसित होगी। कैंप में प्रतिदिन तरह तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन होगा।कैडेटों को फायरिंग का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। सिविल स्टाफ में लाल बाबू राय कैंप डॉक्यूमेंट का कार्य दक्षतापूर्वक कर रहे हैं।उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कैप्टन(डॉ.)अरुण कुमार ने दी है।

संपादकीया

पुस्तक से कांग्रेस परेशान

कांग्रेस के सामने नित नयी परेशानियां खड़ी हो जाती हैं। पिछले कुछ समय में कांग्रेस ने बमुश्किल राहुल गांधी की छवि एक जननेता की बनाने की कोशिश की लेकिन पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव में करारी पराजय और उसके बाद पूर्व राष्ट्रपति एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी की पुस्तक ने उस छवि को खंडित कर दिया है। शर्मिष्ठा मुखर्जी की पुस्तक पर हो रही चर्चाओं से कांग्रेस में भारी खलबली है। पुस्तक में जिस प्रकार के खुलासे किए गए हैं, उससे निश्चित ही राहुल गांधी और सोनिया गांधी की एक अलग किस्म की छवि लोगों के दिमाग में बन रही है। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने यह पुस्तक अपने पिता की डायरी, उनसे हुए संवाद और अपने शोध के आधार पर लिखी है। पुस्तक का नाम- 'इन प्रणब, माई फादरः ए डॉटर रिमेम्बर्स' है। इसका विमोचन 11 दिसम्बर, 2023 को दिल्ली में होनेवाला है परंतु पुस्तक अभी से चर्चा आ गई है। शर्मिष्ठा ने पुस्तक में सोनिया गाँधी और प्रणब के बीच के रिश्ते, राहुल गाँधी को लेकर उनके विचार और देश के राजनीतिक माहौल पर उनके विचारों को लेकर लिखा है। गौरतलब है कि प्रणब मुखर्जी कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं में से एक थे। वह रक्षा, वित्त और विदेश जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय सँभाल चुके थे। वह 2012 से लेकर 2017 तक देश के राष्ट्रपति भी रहे थे। याद हो कि प्रणब मुखर्जी ने भी अपनी पुस्तक में ऐसे कई खुलासे किए थे, जिनसे न केवल सोनिया गांधी अपितु कांग्रेस भी कठघरे में आ गई थी। हिन्दुओं के शीर्ष धर्मगुरु शंकराचार्य जी को जिस प्रकार दीपावली के पावन पर्व पर गिरफ्तार करके जेल भेजा था, प्रणब मुखर्जी ने इस प्रसंग का बहुत वेदना के साथ जिक्र किया था। बहरहाल, शर्मिष्ठा मुखर्जी की पुस्तक एक बार फिर उन घटनाओं को सामने लाती हैं, जिनसे राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता प्रकट होती है। यह भी कि प्रणब मुखर्जी सोनिया गांधी और राहुल गांधी को भली प्रकार समझ गए थे। इसलिए 2004 के आम चुनावों में राजग की हार के बाद जब कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से प्रधानमंत्री बनने की अपील की जा रही थी और विपक्ष के विरोध के चलते सोनिया को खुद ही इस दौड़ से बाहर होने के लिए मजबूर होना पड़ा था, तब वरिष्ठ नेता प्रणब मुखर्जी के प्रधानमंत्री बनने की खबरें तैरने लगी थी। लेकिन प्रणब मुखर्जी जानते थे कि मनमोहन सिंह या कोई और ही प्रधानमंत्री बनेगा। यही कारण था कि वे अपनी बेटी को कहते हैं कि सोनिया गांधी उन्हें कभी प्रधानमंत्री नहीं बनाएंगी। खैर, यह तो एक घटना है, जिसका जिक्र कई बार आता है। परंतु, राहुल गांधी के संबंध में जिस प्रकार की धारणा प्रणब मुखर्जी की इस पुस्तक के माध्यम से सामने आई है, वह कहीं न कहीं कांग्रेस को परेशान करनेवाली है। शर्मिष्ठा के अनुसार, एक ओर प्रणब मुखर्जी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अनुशासित, परिपक्व, परिश्रमी और राष्ट्रभक्त राजनेता मानते हैं, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी के प्रति उनकी धारणा थी कि उन्हें राजनीतिक अनुभव प्राप्त करना चाहिए। राहुल गांधी अभी इतने परिपक्व नेता नहीं कि नेतृत्व कर सकें। प्रणब मुखर्जी के मन में राहुल गांधी की छवि गंभीर राजनेता की नहीं थी। बहुत हद तक राहुल गांधी की यही छवि आम भारतीयों के मन में भी है, जिसे बदलने के लिए भारत जोड़ो यात्रा भी की गई। देश-दुनिया में राहुल गांधी के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। हालांकि उन आयोजनों में भी उन्होंने अपने बयानों से विवाद ही खड़े किए। खैर, शर्मिष्ठा मुखर्जी की पुस्तक ने राहुल गांधी की छवि बदलने के कांग्रेस के प्रयासों पर बहुत हद तक पानी फेर दिया है। देखना होगा कि कांग्रेस कैसे इन सब बातों को लोगों के दिमाग से निकाल पाती है।

कांग्रेस ने बमुश्किल राहुल गांधी की छवि एक जननेता की बनाने की कोशिश की लेकिन पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव में करारी पराजय और उसके बाद पूर्व राष्ट्रपति एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी की पुस्तक ने उस छवि को खंडित कर दिया है। शर्मिष्ठा मुखर्जी की पुस्तक पर हो रही चर्चाओं से कांग्रेस में भारी खलबली है। पुस्तक में जिस प्रकार के खुलासे किए गए हैं, उससे निश्चित ही राहुल गांधी और सोनिया गांधी की एक अलग किस्म की छवि लोगों के दिमाग में बन रही है। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने यह पुस्तक अपने पिता की डायरी, उनसे हुए संवाद और अपने शोध के आधार पर लिखी है। पुस्तक का नाम- 'इन प्रणब, माई फादर : ए डॉटर रिमेम्बर्स' है। इसका विमोचन 11 दिसम्बर, 2023 को दिल्ली में होनेवाला है परंतु पुस्तक अभी से चर्चा आ गई है। शर्मिष्ठा ने पुस्तक में सोनिया गाँधी और प्रणब के बीच के रिश्ते, राहुल गाँधी को लेकर उनके विचार और देश के राजनीतिक माहौल पर उनके विचारों को लेकर लिखा है। गौरतलब है कि प्रणब मुखर्जी कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं में से एक थे। वह रक्षा, वित्त और विदेश जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय सँभाल चुके थे। वह 2012 से लेकर 2017 तक देश के राष्ट्रपति भी रहे थे। याद हो कि प्रणब मुखर्जी ने भी अपनी पुस्तक में ऐसे कई खुलासे किए थे, जिनसे न केवल सोनिया गांधी अपितु कांग्रेस भी कठघरे में आ गई थी।

जनरल जगजीत सिंह अरोरा और जनरल जैकब से लेकर सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल को भी याद भी किया जाएगा

सैम बहादुर के बहाने याद जनरल मानेकशॉ की

आर.के. सिन्हा

1971 की पाकिस्तान के साथ हुई जंग में विजय का क्रेडिट जाने-अनजाने खुद लेने की फिराक में लगे रहते थे। उन्होंने एक बार तो एक इंटरव्यू में यहां तक दावा कर दिया था कि अगर वे पाकिस्तान सेना के प्रमुख होते तो 1971 की जंग में पाकिस्तान विजयी हो गया होता। उनके इस दावे पर तब भी बहुत बवाल कटा था। दरअसल जंग सेना के साथ-साथ सारा देश ही लड़ता है। इसलिए विजय भी सम्पूर्ण देश की ही होती है। हां, रणभूमि के वीरों का अपना विशेष महत्व तो होती ही है। 1971 की जंग के नायकों की बात होगी तो अनेकों नायक सामने आएंगे।

सैम हॉरमुसजी फेमजी जमशेदजी मानेकशॉ को देश 1971 में पाकिस्तान के साथ हुई जंग में भारतीय थल सेना का कुशल नेतृत्व करने वाले एक सेनाध्यक्ष के रूप में कृतज्ञ भाव से याद करता है। वे फील्ड मार्शल का पद हासिल करने वाले पहले भारतीय सैन्य अधिकारी थे। अब उनके जीवन पर आधारित फिल्म सैम बहादुर के रिलीज होने के साथ ही यह मौका है कि हमारे सारे देशवासी खासकर के युवा पीढ़ी उनकी शख्सियत को फिर से जाने-समझे। उन्हें सैम मानेकशॉ और सैम बहादुर भी कहा जाता था। वे 1969 में भारत के सेनाध्यक्ष बने थे। इससे पहले उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के साथ-साथ भारत की चीन और पाकिस्तान के साथ हुई तमाम जंगों में अहम भूमिका निभाई थी। सैम मानेकशॉ समर नीति के गहरे जानकार थे। पर उनकी जुबान भी फिसलती रहती थी, जिसका उन्हें कई बार बहुत नुकसान भी उठाना पड़ा था। वे 1971 की पाकिस्तान के साथ हुई जंग में विजय का क्रेडिट जाने-अनजाने खुद लेने की फिराक में लगे रहते थे। उन्होंने एक बार तो एक इंटरव्यू में यहां तक दावा कर दिया था कि अगर वे पाकिस्तान सेना के प्रमुख होते तो 1971 की जंग में पाकिस्तान विजयी हो गया होता। उनके इस दावे पर तब भी बहुत बवाल कटा था। दरअसल जंग सेना के साथ-साथ सारा देश ही लड़ता है। इसलिए विजय भी सम्पूर्ण देश की ही होती है। हां, रणभूमि के वीरों का अपना विशेष महत्व तो होती ही है। 1971 की जंग के नायकों की बात होगी तो अनेकों नायक सामने आएंगे। इस बाबत जनरल जगजीत सिंह अरोरा और जनरल जैकब से लेकर सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल को भी याद भी किया जाएगा। उस जंग में भारत की विजय पर बात तब तक अधूरी रहेगी जब तक अरुण खेत्रपाल के पराक्रम की चर्चा ना हो जाए। उनके पिता भी उस जंग में लड़ रहे थे। अरुण खेत्रपाल ने पंजाब-जम्मू सेक्टर के शकरगढ़ में शत्रु के दस टैंक नष्ट किए थे। वे तब मात्र 21 साल के थे। इतनी कम आयु में अब तक किसी को परमवीर चक्र नहीं मिला है। नोएडा का अरुण विहार सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के नाम पर ही है। उन्होंने इंडियन मिलिट्री अकाडमी से जून, 1971 में ही ट्रेनिंग खत्म की। उसी साल दिसंबर में पाकिस्तान के साथ जंग शुरू हो गई। अरुण खेत्रपाल की स्क्वेड्रन 17 पुणे हार्स 16 दिसम्बर 1971 को शकरगढ़ में थी। वे टैंक पर सवार थे। टैंकों से दोनों पक्ष गोलाबारी कर रहे थे। वे शत्रु के टैंकों को बर्बाद करते जा रहे थे। इसी क्रम में उनके टैंक में भी आग लग गई। वे शहीद हो गए। लेकिन उनकी टुकड़ी उनके पराक्रम को देखकर इतनी प्रेरित हुई कि वह दुश्मन की सेना पर टूट

पड़ी। युद्ध में भारत को सफलता मिली। अरुण को शकरगढ़ का टाइगर कहा जाता है। 1971 की जंग से जुड़ी एक यादगार फोटो को देखकर भारत की कई पीढ़ियां बड़ी हुई हैं। उस फोटो को देखकर हरेक हिन्दुस्तानी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। इसमें भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. अरोड़ा के साथ पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल अमीर अब्दुल्ला ख़ाँ नियाजी बैठे हैं। नियाजी अपनी सेना के आत्मसमपर्ण करने संबंधी एक पेपर पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। उस चित्र में भारतीय सेना के कुछ आला अफसर प्रसन्न मुद्रा में खड़े हैं। उनमें जनरल जे.एफ.आर जैकब भी हैं। युद्ध संवाददाता के रूप में मैंने जनरल जैकब के साथ काम किया है और देखा है कि वे किस जांबाज किस्म के सेना नायक थे। 1971 के युद्ध में जैकब की रणनीति के तहत भारतीय सेना को अभूतपूर्व कामयाबी मिली थी। भारत में जन्मे वे यहूदी थे और समर नीति बनाने में महारत रखते थे। पाकिस्तान सेना के रणभूमि में परास्त करने के बाद जनरल जैकब ने नियाजी से अपनी फौज को आत्मसमर्पण का आदेश देने को कहा था। जैकब के युद्ध कौशल का ही परिणाम था कि नब्बे हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों ने अपने हथियारों समेत भारत की सेना के समक्ष घुटने टेके। आज के दिन जनरल जैकब राजधानी के हुमायूं रोड के यहूदी कब्रिस्तान में चिर निद्रा में हैं। अगर बात जनरल अरोड़ा की करें तो उन्होंने 1971 की जंग में भारतीय सेना को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांटकर पूर्वी पाकिस्तान में घुसने के आदेश दिये थे। उनकी इस रणनीति की वजह से ही हमारी सेना देखते ही देखते ढाका पहुंच गई थी। जरनल अरोड़ा ने जीवन भर 1984 में सिख विरोधी दंगों के दोषियों को दंड दिलवाने के लिए लगातार संघर्ष किया था। उधर, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों भी 1971 की जंग के एक महान नायक थे। आपने उनके शौर्य की कथाएं अवश्य सुनी होंगी। जब जंग चालू हुई वे तब राजधानी के रेस कोर्स क्षेत्र में रहते थे। उस जंग के लिए 14 दिसम्बर 1971 का दिन खास था। उस दिन फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों ने पाकिस्तान के दो लड़ाकू सेबर जेट विमानों को ध्वस्त कर दिया था। उन्हें उस जंग में अदम्य साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया था। यदि भारत ने 1971 की जंग में पाकिस्तानी सेना के गले में अंगूठा डाल दिया था, तो इसका कहीं न कहीं श्रेय एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ को भी जाता है। वे 1971 के युद्ध के दौरान सहायक वायुसेनाध्यक्ष के पद पर थे। वे जंग के समय शत्रु से लोहा लेने की रणनीति बनाने के अहम कार्य को अंजाम दे रहे थे। लतीफ लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने, युद्ध की प्रगति तथा यूनिटों की आवश्यकताओं पर भी नजर रख रहे थे। लतीफ शिलांग स्थित पूर्वी सेक्टर में थे, जब पाकिस्तान ने हथियार डाले थे। दिल्ली कैंट में उस महान योद्धा के नाम पर एक सड़क भी है। इदरीस हसन ने 1948 और 1965 की जंगों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। लतीफ के एयर फोर्स चीफ के पद पर रहते हुए इसका बड़े स्तर पर आधुनिकीकरण हुआ। उन्होंने जगुआर लड़ाकू विमान की खरीद करने के लिए सरकार को मनाया था। तो यह कोई दावा नहीं कर सकता कि उसकी वजह से भारत किसी जंग में जीता। बहरहाल, सैम मानेकशॉ को प्यार से सैम बहादुर इसलिए कहा जाता था। क्योंकि, उनका संबंध गोरखा रेजीमेंट से था। वे जब सेनाध्यक्ष थे तब आर्मी हाउस की निगाहबानी गोरखा रेजीमेंट के जवान ही किया करते थे। बता दें कि राजधानी में 4, राजाजी मार्ग के बंगले को आर्मी हाउस कहा जाता है। इसी में सेनाध्यक्ष रहते हैं। इसी में जनरल के.एम.करिय्पा, जनरल के. सुंदरजी, एन.सी. विज जैसे महान सेनाध्यक्ष रहे हैं। देश की आजादी के बाद से ही सेनाध्यक्ष इधर ही रहते रहे हैं। सैम मानेकशॉ भी भारतीय सेनाध्यक्ष के पद पर रहते हुए 4, राजाजी मार्ग के आर्मी हाउस में ही रहा करते थे। कहते हैं कि वे सुबह अपने बंगले के बाहर भी सैर करने के लिए निकल जाया करते थे। उनके साथ उनकी पत्नी भी हुआ करती थीं। वहां पर अगर कोई शख्स सड़क पर चलते हुए उन्हें नमस्कार करता तो वे उसका आदरपूर्वक उत्तर भी देते थे। उनमें जनरल पद की ठसक नहीं थी। खैर, सैम मानेकशॉ के जीवन पर बनी फिल्म से देश की युवा पीढ़ी को उनके बारे में जानकारी मिलेगी। सरकार ने उन्हें फील्ड मार्शल के पद पर भी प्रमोट कर दिया था। हालांकि, वे 1975 के आस-पास दिल्ली से चले गए थे। उसके बाद उनका दिल्ली आना-जाना कम ही होता था। मानेकशॉ की 94 वर्ष की आयु में 27 जून 2008 की सुबह 12:30 बजे तमिलनाडु के वेलिंग्टन के सैन्य अस्पताल में मृत्यु हुई थी। फिर वहां ही उनकी सादगी से अंत्येष्टि कर दी गई थी।

दृष्टि कोण

आनलाइन सट्टेबाजी से बर्बाद होते युवा

अभी हाल में संपन्न हुए विधान सभा चुनावों में छत्तीसगढ़ में ऑन लाइन सट्टेबाजी को लेकर भाजपा और कांग्रेस में इसे सह देने का एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा था और तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री जी को चिट्ठी लिखकर सभी प्लेटफॉर्मो पर सट्टेबाजी ऐप पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया। अपनी चिट्ठी में बघेल ने कहा कि हाल के दिनों में आनलाइन सट्टेबाजी और गेमिग के माध्यम से अवैध जुआ और सट्टेबाजी का कारोबार पूरे देश में पैल गया है। इसके संचालक और मालिक मिलकर उत्त अवैध कारोबार चला रहे है। अपने राज्य में पैले इस अवैध कारोबार को रोकने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाये गए कदमों की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री से इसे रोकने की अपील की। मैच फिक्सग और सट्टेबाजी की बढ़ती हुईं घटनाओं ने देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद कर दिया है। रातोंरात अमीर बनने के चक्कर में आज के युवा इसके चव्रव्यूह में फसते चले आ रहे

है और इस सट्टेबाजी के मास्टरमाइंड विदेशों में बैठकर पूरी युवा पीढ़ी को इस अवैध काम में झोंक रहे हैं। 1998-99 में जब दक्षिण अप्रीका के कप्तान हैंसी व्रोनिये का नाम मैच फिक्सग में आया तो पूरे व्रिकेट जगत में तूफान आ गया, जो लोग व्रिकेट खिलाड़ियों को भगवान के रूप पूजते थे वे अब इन्हे खलनायक के रूप में देखने लगे थे, इस घटना के वुछ दिन बाद बीसीसीआईं के पूर्व अध्यक्ष आईंएस बिंद्रा ने मैच फिक्सग में देश के महान आलराउंडर 1983 के विश्व कप विजेता टीम के कप्तान का नाम उछाला तो पूरा बवंडर मच गया, उसके बाद फिक्सग को लेकर 'मनोज प्रभाकर' की टेप सामने आईं और मनोज प्रभाकर समेत, मो. अजहरुद्दीन और अजय जडेजा आदि पर बैन लग गया तब व्रिकेट प्रेमियों का दिल बहुत दुखा था। परन्तु जब से आईंपीएल का आयोजन शुरू हो गया है और टेस्ट व्रिकेट की जगह टी-20 व्रिकेट ने ले ली है तब से मैच फिक्सग और आनलाइन सट्टेबाजी आम बात हो गईं है और इसमें पड़कर युवा पीढ़ी बर्बाद हो गईं है। आईंपीएल शुरू होते ही सट्टेबाजी का गिरोह भी बढ़ने लगा है, सट्टेबाजी के कारण देश के युवा तबाह हो रहे है एक दिन में देश में हजारों करोड़ का सट्टा लग जाता है और ये सट्टेबाज गिरोह के लोग एक एक दिन में लाखों करोड़ों के वारे न्यारे करते है। सट्टेबाजी के इस खेल में वुछ लोग एक झटके में वंगाल हो जाते हैं और सट्टा खिलाने वाले मालामाल हो जाते हैं। इस खेल में एक बड़ा सिडिकेट होता है जो इस खेल की मॉनिटरिग करता है और सट्टेबाजी में हारे हुए लोगों से पैसा वसूलता है। सट्टा लगाने वाले शख़्स को लाइन कहा जाता है जो एजेंट (पंटर) के जरिये बुकी (डिब्बे) से बात करता है। एजेंट को एडवांस देकर एकाउंट खुलवाना पड़ता है यह एकाउंट 1000 से लेकर लाख रुपए तक खुलता है जैसे ही नया आदमी अपनी आईंडी बनवाता है तो जितने रुपए की आईंडी बनती है उसका 20 फीसद तुरन्त एजेंट को मिल जाता है। ये एजेंट नया आदमी बनवाने और सट्टे खेलने वालों से वसूली का काम करते है। कम राशि सीधे आनलाइन ट्रांसफर की जाती है और बड़ी रकम एजेंट के जरिये भिजवाया जाता है। जानकारों का कहना है जबसे टीवी पर 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे कार्यंव्रम दिखाये जाने लगे है तभी से युवा पीढ़ी कम समय में बिना परिश्रम के अधिक से अधिक पैसा लगाने में जुटी है और इस चक्कर में मेहनत से कमाईं या मांबाप द्वारा र्अजित पूंजी गवां रही है, पूरे देश में यह ट्रेंड विकसित हो गया है युवा पीढ़ी यह समझ नहीं पा रही है कि इस लत से उनका पूरा परिवार तबाह हो रहा है।

कुछ अलग

वैदिक अनुसंधान की आधुनिक प्रेरणा

भारत जब विश्वगुरु था, तब दुनिया में मानवीय सभ्यता का विकास नहीं हुआ था। लोग भारत में आकर ज्ञान प्राप्त करते थे। वर्तमान सरकार ने इस गौरव को शिक्षा नीति में स्थान दिया। इसके अनुरूप शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे आत्मसात किया। अब राज्य में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक में व्यापक सुधार देखने को मिल रहे हैं। यही कारण है कि विदेशी अखबारों ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था के विषय में लिखा कि उत्तर प्रदेश की शिक्षा में क्रांतिकारी सुधार हो रहा है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का संदेश विद्यार्थियों को नई प्रेरणा देने वाला है। वह भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व करती हैं। वह कहती हैं कि ज्ञान और अनुसंधान के आधार पर ही भारत विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित था। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारत को फिर विश्व गुरु बनाना संभव होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का संबोधन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने कहा कि वैदिक काल से ही हमारे अनुसंधान अत्यंत समृद्ध थे। महर्षि भारद्वाज के विमान प्रौद्योगिकी पर किए गए शोध तो सदैव प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि राइट ब्रदर्स द्वारा विमान के आविष्कार से आठ वर्ष पहले ही भारत में मुंबई की चौपाटी पर अठारह सौ फीट की ऊंचाई पर विमान का परीक्षण किया गया था। भारत में एक ही साथ जल, थल एवं नभ पर उड़ान भर सकने वाले विमान का निर्माण प्राचीन काल में ही किया जा चुका था, इसका वर्णन प्राचीन साहित्य में मिलता है। हमें इस बात का गौरव होना चाहिए। खास बात यह है कि जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया गया। महत्वपूर्ण यह है कि लखनऊ विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा एकेडमिक ऑटोनमी में ग्रेड वन का दर्जा दिया गया है। एनआईआरएफ में 200वीं रैंक मिली है। दरअसल भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति विदेशी छात्रों को भी भा रही है। भारत आज स्पेस, स्टार्टअप, ड्रोन, एनिमेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेमीकंडक्टर जैसे कई सेक्टर में युवाओं के लिए नए अवसर तैयार कर रहा है। कुलपति प्रो आलोक राय ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या में कहा कि भारत में शिक्षा के महत्व की चर्चा बहुत प्राचीन और विश्व प्रसिद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने फिर से भारतीय मानस के अद्भुत योगदान की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया। भारत में शिक्षा के महत्व को सदैव स्वीकार किया गया है। हमारा मानना था कि शिक्षा मुक्तिदाता होनी चाहिए जो हमें सभी बंधनों से मुक्त कर दे। हम सभी अपने मूल सृजनात्मक शुद्ध स्वभाव से सत्यान्वेषी, सत्यनिष्ठ एवं सदाचारी बनें, ऐसी प्रार्थनाएं हमारे सभी गुरुकुलों में गूंजती रही हैं। अतीत के गौरव को याद करने का महत्व भविष्य में ऊर्जा प्रदान करने में सहायक बन सकता है जिसे हम अपने कार्यों और संकल्पों के माध्यम से उज्ज्वल बना सकते हैं। पद्मश्री प्रो. बलराम भार्गव का विचार है कि यह समय हमारी आजादी का अमृत काल है। आज दुनिया में छह में से एक डॉक्टर भारतीय है। इसी तरह पूरी दुनिया में पांच में से एक नर्स भारतीय है। इस विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक साधना के क्षेत्र में ऐसे महान विद्वान, वैज्ञानिक, लोक सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, विचारक और लेखक हैं। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ। शंकर दयाल शर्मा भी यहीं के विद्वान विद्वान थे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान और नवीन तरीकों के माध्यम से ज्ञान के प्रसार के लिए मानव संसाधन विकसित करना है। भारत में 900 से अधिक विश्वविद्यालय और पचास हजार से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान हैं।

देश दुनीया से

चुनाव के ढंग बदल रहे हैं, अब अंतिम दौर की कवायद पर टिका सब कुछ

कांग्रेस की 35 की तुलना में 54 सीटों के साथ भाजपा को वहां प्रभावी अंतर के साथ जीत मिली। कांग्रेस शुरुआत से ही राज्य पर दावा कर रही थी, जिसे सभी सर्वेक्षणों में माना भी जा रहा था। कई लोगों से बातचीत के आधार पर मैं भी इससे सहमत था। लेकिन नतीजों ने भाजपा को छोड़ सभी को हैरत में डाल दिया। यह पता चला कि सामान्य, एससी और एसटी सीटों पर कांग्रेस के वोट शेयर में भारी कमी आई। 2018 में जीतीं एसटी की सभी सीटें गंवाने के साथ ही कांग्रेस ने अपनी हार की कहानी लिख दी।

चुनाव चाहे कोई भी हो, लेकिन खासकर राज्य विधानसभा चुनावों के बाद शोर-शराबा होता ही है। जिन्हें जीत मिली, वे जश्न मनाते हैं और हारने वाले राजनीतिक दलों के समर्थक आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलते हैं। लेकिन चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद जो शांति दिख रही है, वह सामान्य नहीं है। अगर यह प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के परिपक्व व्यवहार का प्रमाण है तो हम इसका स्वागत कर सकते हैं। लेकिन अगर इसकी वजह कांग्रेस की उदासीनता है तो यह चिंता का विषय है। चलिए, शुरुआत करते हैं मेरे एक गलत अनुमान से। मैंने लिखा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आ रही है, लेकिन मैं गलत था। कांग्रेस की 35 की तुलना में 54 सीटों के साथ भाजपा को वहां प्रभावी अंतर के साथ जीत मिली। कांग्रेस शुरुआत से ही राज्य पर दावा कर रही थी, जिसे सभी सर्वेक्षणों में माना भी जा रहा था। कई लोगों से बातचीत के आधार पर मैं भी इससे सहमत था। लेकिन नतीजों ने भाजपा को छोड़ सभी को हैरत में डाल दिया। यह पता चला कि सामान्य, एससी और एसटी सीटों पर कांग्रेस के वोट शेयर में भारी कमी आई। 2018 में जीतीं एसटी की सभी सीटें गंवाने के साथ ही कांग्रेस ने अपनी हार की कहानी लिख दी। हालांकि आपको याद होगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के संबंध में कांग्रेस के दावों को मैंने स्वीकार नहीं किया था। राजस्थान में गहलोत सरकार ने अच्छा काम किया था, लेकिन सत्ता विरोधी लहर उनके गले की फांस बन गई। नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला-बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं। भाजपा सरकार को मध्य प्रदेश से उखाड़ने के लिए संगठन की तरफ से सशक्त प्रयासों की जरूरत थी, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट तौर पर वैसा कुछ नहीं किया। जबकि भाजपा ने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों, मौजूदा सांसदों सहित कद्दावर नेताओं का जमावड़ा एकत्र किया। समय व संसाधनों के भारी निवेश ने स्वाभाविक ही नतीजों को भाजपा के पक्ष में झुका दिया। तेलंगाना में जरूर मैंने बीआरएस सरकार के खिलाफ एक ग्रामीण लहर को महसूस किया था और किसी चमत्कार के होने की संभावना भी जाहिर की थी। के चंद्रशेखर राव को पृथक तेलंगाना राज्य हासिल करने और वहां रायथु बंधु जैसी लाभकारी योजनाएं शुरू करने का श्रेय जाता है, जिनमें किसानों को धन हस्तांतरित किया गया। लेकिन सत्ता का एक ही परिवार में सिमटना, भ्रष्टाचार के आरोप, हैदराबाद केंद्रित विकास, मुख्यमंत्री की खुद को अलग-थलग रखने वाली शख्सियत और चरम बेरोजगारी ने सरकार के खिलाफ एक लहर पैदा की, जिस पर सवार रेवंत रेड्डी ने एक आक्रामक अभियान चलाया और कांग्रेस को जीत दिलाई। अच्छी बात यह है कि द्विध्रुवीय प्रतिस्पर्द्धी राजनीति अभी जिंदा है। कांग्रेस का वोट शेयर चारों राज्यों में 40 फीसदी यानी करीब 2018 जितना ही रहा, जो चुनावी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। दूसरी ओर, भाजपा को चारों राज्यों में वोट शेयर में बढ़त मिली और उसने चारों राजधानियों और शहरी क्षेत्रों की ज्यादातर सीटें जीत लीं। मध्य प्रदेश को छोड़ कर बाकी जगहों पर वोट शेयर में अंतर काफी कम है। छत्तीसगढ़ में 4.04 फीसदी का अंतर आदिवासी वोटों के शिफ्ट होने की वजह से हुआ। यहां अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 भाजपा और 11 कांग्रेस ने जीतीं। राजस्थान में 2.16 फीसदी का अंतर तो और भी कम था। वोट शेयर में जो अंतर रहे, उन्हें समझने के लिए चुनावों की बदलती प्रकृति को समझना जरूरी है। चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, रैलियों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। इन सभी का महत्व है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं।

आप का नजरीया

अमेरिका क्यों है चुप

खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर विडियो जारी कर खुली धमकी दी है कि वह 13 दिसंबर को या उससे पहले भारतीय संसद पर हमला करेगा। ध्यान रहे, 13 दिसंबर ही वह तारीख है जब 22 साल पहले 2001 में संसद भवन को आतंकी हमले का निशाना बनाया गया था। पन्नू की यह धमकी ऐसे समय आई है, जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है। यह 22 दिसंबर को समाप्त होना है। अमेरिका ने क्यों दी है पन्नू को छूटः ऐसे में संसद की सुरक्षा व्यवस्था का पहलू तो अहम है ही जिस पर सुरक्षा एजेंसियां सभी जरूरी कदम उठा ही रही होंगी, लेकिन बड़ा सवाल यह भी है कि किसी देश की संसद पर हमले की खुलेआम धमकी देने वाला शख्स कैसे दो-दो देशों की नागरिकता धारण किए हुए वहां का सम्मानित नागरिक बना हुआ है। इसी पन्नू की हत्या की कथित साजिश का मसला अमेरिका बार-बार उठा रहा है।

हालांकि भारत कह चुका है कि इस मामले की पूरी गहराई से जांच कराई जाएगी। ऐसी उच्चस्तरीय जांच शुरू हो भी चुकी है। यह मसला बेशक गंभीर है, लेकिन अमेरिका को यह भी सोचना होगा कि आखिर पन्नू जैसे लोगों को मनमानी करने की छूट वहां कैसे और क्यों मिली हुई है। भारत विरोधी हरकतों का लंबा इतिहासः यह कोई पहला मौका नहीं है जब पन्नू और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों की धमकी दी है। इनकी भारत विरोधी गतिविधियों का लंबा इतिहास है। इसी संगठन के बैनर तले कनाडा समेत कई देशों के बड़े शहरों में खालिस्तान पर कथित जनमत संग्रह कराया जाता रहा है। पिछले साल इन्हीं खालिस्तान समर्थक तत्वों ने एक परेड निकाली थी, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के दृश्य की झांकी को भी शामिल किया गया था। भारत के दूतावासों के सामने हिंसक प्रदर्शन और तोड़फोड़ की घटनाओं में भी इन तत्वों की शिरकत स्थापित हो चुकी है। सवाल राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता काः ऐसे में चाहे कनाडा हो या अमेरिका या अन्य यूरोपीय देश, सबको इस बात पर गौर करने की जरूरत है कि इन मामलों को लेकर उनके रवैये में ऐसा ढीलापन आखिर क्यों दिख रहा है। अपने नागरिकों की विचार अभिव्यक्ति की आजादी हर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अहम होती है, लेकिन इस बात का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी होता है कि अभिव्यक्ति की यह आजादी दूसरे देशों में आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देने की हद तक न चली जाए। जो भी तत्व इस आजादी का बेजा इस्तेमाल कर रहे हों, उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगा दी जाए तो बहुत सारी समस्याएं और अप्रिय विवाद पैदा ही न हों।

प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाले जीन की वजह से छोटी हो सकती है जिंदगी', नए अध्ययन में खुलासा

वाशिंगटन ।
प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाले जीन की वजह से इंसानी जिंदगी छोटी हो सकती है। साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है। शोधकर्ताओं ने इंसानी डीएनए डाटा का अध्ययन कर पता लगाया कि ऐसे सैकड़ों उत्परिवर्तन हैं, जो एक युवा की प्रजनन क्षमता को काफी बढ़ा सकते हैं, पर बाद में जीवन में शारीरिक क्षति को भी बढ़ाते हैं।

यह अध्ययन अमेरिकी विकासवादी जीवविज्ञानी जॉर्ज विलियम्स के 1957 उस सिद्धांत को पुष्ट करता है जिसमें उन्होंने कहा था कि आनुवंशिक उत्परिवर्तन, जो किसी जानवर की प्रजनन क्षमता को बढ़ाते हैं, वे नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। कई पीढ़ियों बाद ये उत्परिवर्तन बोझ बन जाएंगे और बढ़ती प्रजनन क्षमता के साथ उस प्रजाति को जल्दी मृत्यु की ओर ले जाएंगे। कई छोटे अध्ययनों ने भी इस सिद्धांत का समर्थन किया है। हालांकि, मिशिगन यूनिवर्सिटी के विकासवादी जीवविज्ञानी जियानझी झांग इन प्रयोगों से संतुष्ट नहीं थे। उनका कहना है कि ये केस स्टडी हैं, इनसे यह नहीं जान सकते कि पूरे जीनोम में ऐसे बहुत से उत्परिवर्तन हैं या नहीं।

5 लाख लोगों के डीएनए डाटा पर अध्ययन

डॉ. झांग ने संदेह दूर करने के लिए यूके बायोबैंक में मौजूद पांच लाख ब्रिटिश नागरिकों के डीएनए डाटा का इस्तेमाल किया। उन्होंने पता लगाया कि उनके स्वास्थ्य, जीवन व प्रजनन क्षमता के बीच क्या संबंध हैं।

प्रजनन के लिए अच्छा उत्परिवर्तन, दीर्घायु के लिए खराब

डॉ. झांग के साथ प्रजनन व दीर्घायु से जुड़े डाटाबेस के अध्ययन में शामिल शोधकर्ता डॉ. एर्पिंग लॉन्ग ने पाया कि प्रजनन क्षमता से जुड़ी आनुवंशिक विविधताएं, जैसे कि एक स्वयंसेवक के बच्चों की संख्या, उम्र में कमी से जुड़ी हुई थीं। प्रजनन के लिए जो उत्परिवर्तन अच्छा होता है, दीर्घायु के लिए उसके खराब होने की संभावना पांच गुना ज्यादा रहती है। डॉ. झांग कहते हैं कि अध्ययन में जिन उत्परिवर्तनों की पहचान की गई उनमें से प्रत्येक का व्यक्ति की लंबी उम्र पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है। क्योंकि, जैसे-जैसे ये उत्परिवर्तन आम हो रहे हैं, पर्यावरण में बदलाव आया है, बेहतर भोजन और दवा मिलने लगी हैं, तो इनका प्रभाव कम हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

जिंदगी जीने के लिए रोजाना करना पडता है यहां स्ट्रगल,यहां रहता है 24 घंटे अंधेरा

सैन फ्रांसिस्को । दुनिया में कहीं ज्यादा गर्मी होती है तो कहीं ज्यादा ठंड पड़ती है। कुछ जगहों पर तो इतना एक्सट्रीम वेदर होता है कि लोगों के लिए रोज़ाना की ज़िंदगी जीना भी किसी स्ट्रगल से कम नहीं लगता। ऐसी ही एक जगह है, जहां रहने के लिए हर रोज़ जूझना होता है। इस जगह पर पहुंचना जितना कठिन है, उतना ही मुश्किल है यहां आकर सर्वाइव करना क्योंकि ये बाकी दुनिया से बिल्कुल अलग सा है। न तो यहां आपको सामान्य जगहों की तरह खाना-पीना मिलता है और न ही आप आराम से घूम-टहल सकते हैं। जो काम हमें रूटीन लगते हैं, वो यहां आकर मुश्किल बन जाते हैं। साउथ पोल के बारे में आपने सुना होगा, वो बेहद ठंडी जगह, जहां से सेंटा क्लॉज़ के आने की कहानियां हम सबने सुनी हैं। यहां पर तापमान बेहद कम होता है। 32 साल की सैन फ्रांसिस्को निवासी मिशेल ने यहां रहने का अपना अनुभव बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक महिला पिछले साल नवंबर में यहां घूमने गई थी और हॉस्पिटैलिटी मैनेजर की नौकरी करने लगी। उसने बताया कि साउथ पोल पर माइनस 106 फारेनहाइट का तापमान होता ही है लेकिन शरीर बहुत जल्दी इसे एडॉप्ट कर लेता है। यहां नवंबर से फरवरी तक सूरज निकलता है और इन 6 महीनों को ऑस्ट्रल समर कहा जाता है। कुछ महीने ऐसे होते हैं, जिसमें न अंधेरा और न ही उजाला होता है। वहीं 10 मई के बाद से 6 महीने तक बिल्कुल अंधेरे की स्थिति आ जाती है और सूरज के दर्शन तक नहीं होते इसके अलावा साउथ पोल पर रहते हुए आप रोज़ाना नहा भी नहीं सकते हैं। लोगों को हफ्ते में सिर्फ 2 बार नहाने की इज़ाजत है, वो भी सिर्फ 2 मिनट के लिए। अगर यहां आपको खाना फ्रीज़ करना है, तो किसी फ्रीज़र की ज़रूरत नहीं है, आप इसे वैसे ही बाहर रख देंगे तो ये फ्रीज़ हो जाएगा।

2024 के चुनाव से पहले ही राष्ट्रपति पद की रेस में बाइडन से आगे निकले ट्रंप, जनमत में बने लोगों की पसंद

वॉशिंगटन । साल 2024 में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति पद की रेस में डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को पीछे छोड़ दिया है। दरअसल राष्ट्रीय सर्वे में डोनाल्ड ट्रंप को 47 प्रतिशत लोगों की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। वहीं जो बाइडन को 43 प्रतिशत लोगों ने अपनी पसंद बताया। इस तरह ट्रंप ने बाइडन पर चार प्रतिशत की बढ़त ले ली है। यह सर्वे में पहली बार है, जब ट्रंप ने सीधे तौर पर बाइडन पर बढ़त ली है। दरअसल वाल स्ट्रीट जर्नल ने यह सर्वे किया है। सर्वे में एक और बात जो गौर करने वाली है वो ये है कि जो बाइडन की अप्रूवल रेटिंग अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। इससे प्रतीत होता है कि जो बाइडन की अगले टर्म के लिए उम्मीदवार बनने की कोशिशों को झटका लग सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी में भी जो बाइडन को दूसरा कार्यकाल देने में मतभेद उभर रहे हैं। हालांकि जो बाइडन कह चुके हैं कि वह अगले साल होने वाले चुनाव में भी उम्मीदवारी पेश करेंगे। सबसे बड़ी चिंता जो बाइडन की उम्र को लेकर उभर ही है क्योंकि जब अगले साल चुनाव होंगे, तब बाइडन 81 साल के हो जाएंगे और अगला टर्म खत्म होने पर उनकी उम्र 86 साल होगी। साथ ही जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडेन के खिलाफ भी टैक्स मामले में आरोप लगे हैं, इससे भी जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ी हैं।

इब्राहिम रईसी ने की व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात, ईरान के रूस के साथ सहयोग को बताया महत्वपूर्ण

मॉस्को । ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने मॉस्को में रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक की। इस दौरान राईसी ने ईरान और रूस के बीच बढ़ते संबंधों पर संतोष व्यक्त किया और ईरान की पड़ोस नीति के अनुरूप रूस के साथ सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। रईसी ने इस मुलाकात को 7 दिसंबर को दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों पर संतोष व्यक्त करते हुए इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की पड़ोस नीति के अनुरूप रूस के साथ सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। ऊर्जा, कृषि और ज्ञान-आधारित कंपनियों में ईरान और रूस के बीच सहयोग पर जोर देते हुए, इब्राहिम रईसी ने दोनों देशों के हितों के अनुरूप सहयोग के विकास में और अधिक प्रभावी उपाय करने के लिए अच्छे आधार के बारे में बात की। पुतिन ने ईरान के व्यापार मेलों में रूसी व्यापारियों के प्रभावशाली स्वागत पर प्रकाश डाला।

सीओपी28 : जलवायु परिवर्तन मुद्दों से निपटने की पहल

हर देश के लिए लक्ष्य निधारित करने वाला दस्तावेज जारी

दुबई ।
विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन सीओपी28 इस साल दुबई में आयोजित हो रहा है। 12 दिसंबर को यह कार्यक्रम समाप्त हो जाएगा, इससे पहले वार्ताकारों ने एक मसौदा दस्तावेज जारी किया, जिसमें देशों का जलवायु परिवर्तन से निपटने के अनुकूल प्रयासों और सामूहिक प्रगति पर नजर रखने के लिए मार्गदर्शन किया गया है।

वैश्विक ताप को सीमित करना लक्ष्य

वर्ष 2015 में पेश पेरिस समझौते ने अनुकूलन पर वैश्विक लक्ष्य (जीजीए) की अवधारणा पेश की, जो वैश्विक शमन लक्ष्य के समानांतर है। इसका उद्देश्य वैश्विक ताप वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक (1850-1900) काल के स्तर के मुकाबले 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने...

मसौदा दस्तावेज में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में अनुकूलन के लिए आवश्यक वित्त पोषण अपर्याप्त है, लेकिन इसमें अनुकूलन के लिए उपलब्ध निधि और आवश्यक वित्तीय समर्थन के बीच अंतर का स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

प्रभावित गरीब और विकासशील देशों के बीच निराशा

पिछले महीने जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, विकासशील देशों को जलवायु अनूकूलन के लिए हर साल 215-387 अरब डॉलर की आवश्यकता है। वित्त पोषण की इस कमी ने जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित गरीब और विकासशील देशों के बीच निराशा पैदा कर दी है।

हमारी जिंदगी और आजीविका के लिए खतरा

जाम्बिया के पर्यावरण मंत्री कॉलिन्स नोजू ने अफ्रीकी समूह की ओर से कहा कि अनुकूलन अफ्रीका के लिए अस्तित्व का विषय है। उन्होंने कहा कि

जलवायु परिवर्तन पर प्रदर्शन के बीच वेनिस में अचानक हरा हो गया ग्रैंड कैनाल का पानी

वेनिस । इटली के पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने दुबई में सीओपी 28 जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रगति में कमी के विरोध में वेनिस के ग्रैंड कैनाल में डाई डालकर उसे हरा कर दिया था। एक्सटिंकशन रेबेलियन ग्रुप के समर्थकों ने कैनाल के ऊपर बने रियाल्टो ब्रिज पर एक बैनर भी दिखाया। इस बैनर पर लिखा था, सीओपी 28: सरकार बात कर रही है, हम धागे से लटके हुए हैं। उत्तर में ट्यूरिन के पो से लेकर दक्षिण में रोम के तिबर तक इटली के शहरों के अन्य छोटे छोटे कैनाल और नदियों को भी विरोध प्रदर्शन के लिए हरा कर दिया गया था। एक्सटिंकशन रेबेलियन के एक समर्थक ने कहा, कुछ घंटों बाद पानी का रंग पहले जैसा हो जाएगा। इस दौरान जब सरकारें बात कर रही है, हम बाढ़ और आग से होने वाले नुकसान और पीड़ितों की गिनती कर रहे हैं। ग्रुप ने बताया कि उन्होंने फ्लोरेसिन डाई का इस्तेमाल किया था जो बिलकुल भी हानिकारक नहीं है। उद्योगों में पानी में वस्तुओं को ढूंढने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। वेनिस की मेयर लुइगी ब्रुगनारो ने इसकी निंदा की और प्रदर्शनकारियों को दंडित करने के निर्देश दिए। प्रदर्शन के कारण ग्रैंड कैनल में नौकाओं की ट्रैफिक भी लग गई थी।

अनुकूलन के वैश्विक लक्ष्य पर एक समझौता जलवायु वार्ता सम्मेलन (सीओपी28) से अफ्रीका के लिए सबसे महत्वपूर्ण नतीजा होगा।

उन्होंने कहा, 'सूखा, तूफान और समुद्र का बढ़ता जल स्तर हमारी जिंदगी और आजीविका के लिए खतरा है। अनुकूलन अंतर रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतर सोच से कहीं ज्यादा है। हमें अनुकूलन अंतर खत्म करने के लिए तत्काल कदम उठाना चाहिए। 'क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल' में वैश्विक राजनीतिक रणनीति के प्रमुख हरजीत सिंह ने विशिष्ट अनुकूलन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए विकासशील देशों के वास्ते समर्थन बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बस भगवान से करती रही प्रार्थना...

टेनेसी में आए तूफान को याद कर बोली पीड़िता; छह की मौत, दो दर्जन घायल

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के टेनेसी राज्य में आए भीषण तूफान में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। वहीं करीब दो दर्जन घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस तूफान से इमारतें ध्वस्त हो गई और बिजली के खंभे उखड़ गए।

मोंटगोमरी काउंटी में तीन की मौत

नैशविले आपातकालीन संचालन केंद्र ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि मोंटगोमरी काउंटी में आए गंभीर तूफान से एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 23 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टूटे घर और बिखरा मलबा

क्लार्क्सविले दमकल विभाग ने तस्वीरें जारी कीं, जिसमें टूटे घर और बिखरा मलबा दिखाई दे रहा है। इतना ही नहीं एक ट्रैक्टर ट्रेलर के पलटने की जानकारी भी सामने आई है। यहां के मेयर जो पिट्स ने कहा कि यह बहुत ही दुखद खबर है। कुछ परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। शहर दुख की इस घड़ी में उनकी मदद के लिए तैयार है।

बता दें, पीड़ितों के बारे में कोई अन्य जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी थी।

दो बजे आया था तूफान

मोंटगोमरी काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे एक बवंडर आया। एक स्थानीय हाई स्कूल में जरूरतमंदों के रहने का इंतजाम किया गया। वहीं, लोगों से घर पर रहने के लिए ही कहा गया। इसके अलावा बताया गया है कि नुकसान बड़े स्तर पर हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- हालात बहुत डरावने थे

20 मिनट के डरावने समय को याद करते हुए शानिका वाशिंगटन ने बताया कि जैसे ही उन्हें पड़ोस में तूफान आने की जानकारी हुई तो वह अपने पांच और 10 साल के दो बच्चों के साथ टाउनहाउस के तहखाने में ले गई। लाइट आ जा रही थी। इससे पता चल गया था कि स्थिति ठीक नहीं है। हालात बहुत डरावने थे, इसलिए बस भगवान से प्रार्थना करती रही कि सब सही हो जाए।

रूसी शासन की निशानियां मिटा रहा यूक्रेन

नागरिकों ने देश में बने सोवियत काल के 60 स्मारक तोड़े, इसमें रेड आर्मी कमांडर की मूर्ति शामिल

कीव ।
24 फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग को दो साल पूरे होने वाले हैं। दोनों देशों के बीच इतनी ज्यादा दूरियां पैदा हो गई हैं कि यूक्रेनी नागरिक अब रूस से जुड़ी ऐतिहासिक चीजों को भी अपने देश में नहीं रखना चाहते हैं। इस वजह से राजधानी कीव में मौजूद रूसी सेना (रेड आर्मी) के कमांडर की मूर्ति को तोड़ा दिया।

जंग शुरू होने के बाद से यूक्रेन में रूस के इतिहास और संस्कृति से जुड़े 60 स्मारकों को तोड़ा गया है। रूसी कमांडर मायकोला शॉकर्स की मूर्ति तोड़ी गई। क्रैन से इसे हटाया गया। इसे 1950 के दशक में बनाया गया था।

मदर यूक्रेन की मूर्ति से हटाया गया सोवियत काल का प्रतीक

मदर यूक्रेन कीव में सोवियत काल की एक स्मारकीय प्रतिमा है। यह मूर्ति यूक्रेन के इतिहास के राष्ट्रीय संग्रहालय का एक हिस्सा है। टाइटेनियम की यह मूर्ति 62 मीटर (203 फीट) ऊंची है। इसका वजन 560 टन है। मूर्ति के दाहिने हाथ में 16 मीटर (52 फीट) लंबी तलवार है, जिसका वजन 9 टन है। बाएं हाथ में एक ढाल है। इस पर सोवियत संघ का प्रतीक-

हथौड़ा और दरांती बना हुआ था। जुलाई 2023 में इस प्रतीक को ढाल से हटा दिया गया और उसकी जगह यूक्रेन कोट ऑफ आर्म लगा दिया गया। पिछले साल राजधानी कीव में मौजूद रूस और यूक्रेन की दोस्ती के प्रतीक सोवियत स्मारक को तोड़ दिया गया था। भले ही आज ये दोनों देश सबसे बड़े दुश्मन नजर आ रहे हों, लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब इन्होंने मिलकर 45 साल अमेरिकी डिप्लोमैसी का सामना किया था। 45 साल चले कोल्ड वॉर में रूस और यूक्रेन ने राजनीतिक, सैन्य और सांस्कृतिक तौर पर कई महत्वपूर्ण साझेदारी की। सोवियत स्मारक इसी दोस्ती का प्रतीक था।

यहूदी विरोधी हंगामे के चलते यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

वॉशिंगटन।
अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में शुमार यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की अध्यक्ष ने विरोध के चलते इस्तीफा दे दिया है। लिज मैगिल का यह यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया की अध्यक्ष के तौर पर दूसरा साल है। यूनिवर्सिटी की तरफ से बयान में कहा गया है कि लिज मैगिल यूनिवर्सिटी के कैरे लॉ स्कूल की फैकल्टी सदस्य बनी रहेंगी और अगले अध्यक्ष की नियुक्ति तक वह अध्यक्ष पद की जिम्मेदारियां संभालेंगी।

अमेरिकी संसद के सामने हुई थी पेशी

लिज मैगिल की कॉलेज कैंपस में बढ़ते यहूदी विरोध को लेकर यूएस कांग्रेस के सामने पेशी हुई थी। इस दौरान जब उनसे बार-बार पूछा गया कि क्या कैंपस में यहूदियों के नरसंहार की मांग करना स्कूल की आचरण नीतियों का उल्लंघन है या नहीं बार बार पूछने पर भी लिज मैगिल ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। अब बताया गया है कि यूनिवर्सिटी के दानदाताओं की तरफ से आलोचना के चलते लिज मैगिल को पद से इस्तीफा देना पड़ा है।

कॉलेज कैंपस में बढ़ रही यहूदी विरोधी घटनाएं

बता दें कि इजराइल हमास युद्ध के चलते यहूदी विरोधी घटनाएं बढ़ी हैं। खासकर शिक्षण संस्थानों में ऐसी घटनाएं ज्यादा बढ़ रही हैं। लिज मैगिल यूएस कांग्रेस की समिति के सामने पेश हुईं। इस दौरान हावर्ड यूनिवर्सिटी और एमआईटी के अध्यक्ष भी समिति के सामने पेश हुए। अमेरिकी यूनिवर्सिटीज पर आरोप लग रहे हैं कि वह अपने कैंपस परिसरों में यहूदी विरोधी घटनाओं को नहीं रोक पा रही हैं और इससे यहूदी छात्रों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

कई अन्य यूनिवर्सिटीज में शीर्ष पद पर काम कर चुकी हैं लिज मैगिल

लिज मैगिल (57 वर्षीय) अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट की लॉ क्लर्क रह चुकी हैं और वह पूर्व संघीय जज की बेटी हैं। इससे पहले लिज मैगिल स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल की डीन और यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया की शीर्ष प्रशासक रह चुकी हैं।

गाजा के लोगों को बुरी तरह पीटकर छीन रहे उनका खाना

इजराइल ने हमास की हरकतों का वीडियो किया साझा

यरुशलम ।
इजराइल और हमास के बीच दो महीने से अधिक समय से संघर्ष जारी है। बीते सात अक्तूबर से शुरू हुआ रक्तपात 24 नवंबर को कतर की प्रभावी मध्यस्थता और हस्तक्षेप के बाद कुछ दिनों तक थमा रहा था। हालांकि, एक बार फिर इजराइल-हमास के बीच युद्ध शुरू हो गया है। इस बीच, इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के आतंकवादियों पर नागरिकों को पीटने और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से गाजा को मिली मानवीय सहायता को चुराने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, यहां तक कहा गया है कि हमास गाजा के लोगों की जरूरतों के ऊपर अपने लक्ष्यों को रखता है।

यह है मामला

गौरतलब है, हमास ने सात अक्तूबर को इजराइल पर हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था। वहीं 1200 लोग मारे गए। इसके अलावा, इजराइल की जवाबी कार्रवाई में गाजा पट्टी में 15000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

लोगों को पीटा जा रहा

आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा की है, जिसमें कुछ लोगों को अज्ञात द्वारा पीटा जा रहा है। साथ ही कुछ व्यक्ति वाहनों में सामग्री रखते दिखे। इसके साथ ही अधिकारियों ने कहा कि हमास के

सदस्य नागरिकों को पीटते हैं और इजराइल और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त मानवीय सहायता को चुराते हैं। इतना ही नहीं, अपने लक्ष्यों को यह गाजा के लोगों की जरूरतों से ऊपर रखते हैं। वहीं आईडीएफ का कहना है कि अल-मवासी गाजा में मानवीय क्षेत्र है, जिसका उद्देश्य लोगों को युद्ध के मैदान से दूर रखना है। पर हमास इन लोगों को गोलीबारी के दौरान आगे रखता है।

मानवीय क्षेत्र से दर्जनों रॉकेट दागे रहे

एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में आईडीएफ ने कहा कि अल-मवासी गाजा में मानवीय क्षेत्र है, जिसका मतलब नागरिकों को युद्ध के मैदान से दूर रखना है। लेकिन हमास गाजा के लोगों को मरने के लिए आगे खड़ा कर देता है। वे मानवीय क्षेत्र से दर्जनों रॉकेट दागते हैं। इतना ही नहीं, यह रॉकेट अक्सर गलत तरीके से छोड़े जाते हैं, जिससे गाजा के लोगों की जिंदगी खतरे में रहती है।

हमास के कई सदस्यों ने किया आत्मसमर्पण

इससे पहले आईडीएफ ने कहा था कि हमास के आतंकवादी आईडीएफ बलों पर गोलीबारी करने के लिए बेत हनौन में स्कूल और एक मस्जिद का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बीच, आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हमास के कई सदस्यों ने गाजा पट्टी में सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि शेजैया और जबलिया में आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादियों ने उन्हें हथियार और उपकरण सौंपे।

जन जन तक पहुंचनी चाहिए सरकार की लाभकारी योजनाएं : मूलचंद शर्मा

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि मोदी जी गारंटी वाले रथ का स्वागत कर लोगों को घर द्वार के नजदीक सभी सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा मोदी और मनोहर की सरकारों ने देश और प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन करने का काम किया है। वे रविवार को बल्लबगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मुजेसर गांव की आटोपिन झुग्गी में पीपीपी सहित अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिए शिविर में बोल रहे थे। मंत्री मूलचंद शर्मा ने स्टालों पर जाकर अधिकारियों और कर्मचारियों से सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं की बारिकी से जानकारी ली। अधिकारियों को दिशा-निर्देश

देते हुए कहा कि परिवार पहचान पत्र सहित अन्य कार्य में लोगों को आ रही दिक्कतों को जल्द से जल्द दूर करें। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए संकल्प लें। बल्लबगढ़ विधान सभा क्षेत्र में 82 प्रतिशत भारत के विभिन्न प्रांतों के लोग रहते हैं। इनकी सुरक्षा और बल्लबगढ़ विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दूंगा। बल्लबगढ़ विधान सभा क्षेत्र में पेयजल सप्लाई से जुड़ी लाइनों और सिवरेज व्यवस्था तथा पार्कों के सौंदर्य करण सहित तमाम मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही है। मूलचंद शर्मा ने आटोपिन झुग्गी इलाके में विकसित भारत संकल्प यात्रा के जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिरकत की। कैंप में पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं को मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। इस मौके पर सुभाष लांबा, संजय मरोडिया, दूधनाथ हवलदार, राजेश लांबा, हरेराम प्रधान, रोहतास सोरोत, दिनेश मुदगिल, जोगेंद्र रावत, अजीत सिंह सहित कालोनी के गणमान्य लोग मोजूद रहे।

अपराधियों के लिए सोनीपत में कोई स्थान नहीं : पुलिस आयुक्त

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के पुलिस आयुक्त बी सतीश बालन ने अपराधियों के प्रति कड़ा रुख दिखाते हुए रविवार को कहा कि अपराधियों के लिए जिला सोनीपत में कोई स्थान नहीं है। अपराधी अपराध छोड़ें या जिला छोड़ कर चले जाएं। उन्होंने खास आदेश के अंतर्गत ऑपरेशन आक्रमण चलाकर सोनीपत के सभी पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व सहायक पुलिस आयुक्तों के साथ 64 पुलिस टीम में 415 जवानों ने अपराधिक मामलों में संलिप्त रहे 26 आरोपियों को धर दबोचा है। आबकारी अधिनियम के तहत चार मामले दर्ज किए उनमें 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 428 बोतल अवैध शराब बरामद की गयी है। पुलिस ने दो गुमशुदा लड़कियों की तलाश कर उनके परिजनों तक सकुशल पहुंचाया है। शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज दो मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार कर पांच देसी पिस्तौल, 2 मैगजीन व 35 जिंदा रौंद बरामद किए हैं।

नई शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति को बढ़ाने के साथ रोजगारपरक भी : बंडारू दत्तात्रेय

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं सशक्त नेतृत्व में देश में पहली बार तैयार की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा और कौशल के बहु-आयामी और बहु-विषयक पहलुओं की स्थापना कर रही है। यह भारत सरकार की अग्रणी पहलों और प्रमुख योजनाओं जैसे मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया के साथ भी हाथ मिला रही है। स्टैंड-अप इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और नवीनतम आत्मनिर्भर भारत जैसे इन सभी लक्ष्य को बढ़ावा देना है। वे रविवार को पाली स्थित ओम योग संस्थान के रजत जयंती समारोह में बेटर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस नई शिक्षा नीति में देश के भावी कर्णधारों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह रहेगी कि वे अब अपनी ही मातृभाषा में एमबीए, एमबीबीएस, बीटैक, एमटैक, बीएड, इंजीनियरिंग जैसी उच्च शिक्षा सरलता से हासिल कर सकेगें। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि नौकरी करना कोई बुरी बात नहीं है। लेकिन हम चाहते हैं कि मेरे देश और प्रदेश का युवा वर्ग केवल मात्र नौकरियों के पिछे दौड़ने की बजाए दूसरों को नौकरी देने वाला सशक्त और सामर्थ उद्यमी बने। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन योग परंपरा का डंका आज पूरे विश्व में बज रहा है। दुनिया के सभी देशों ने योग को अपनाया है और उसको आत्मसात भी किया है। ओउम योग संस्थान ट्रस्ट जैसे संस्थानों का इस योग परंपरा को पूरे विश्व में पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए स्वामी रामदेव ने कहा कि आजादी के आंदोलन को दिशा और नेतृत्व देने वाले सभी आर्य समाजी महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती के शिष्य थे। उन्होंने महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की आज 200वी जयंती पर सबको बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी। ओउम योग संस्थान ट्रस्ट के योगाचार्य औमप्रकाश ने कहा कि मनुष्य को जीवन जीने के लिए चिंदन और मनन करने से साकारत्मक दृष्टिकोण का भाव मिलता है। इस अवसर पर नए वैवाहिक जोड़ो को भी विवाह करने पर आशीर्वाद दिया गया। संस्थान की छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर भारतीय संस्कृति से मेहमानों का स्वागत किया। वहीं योगाचार्य औमप्रकाश द्वारा मेहमानों को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर भी सम्मानित किया गया। रजत जयंती समारोह में स्वामी रामदेव की माता गुलाब देवी, योग गुरु बाबा रामदेव, ओम योग संस्थान के संस्थापक योगीराज ओमप्रकाश महाराज, हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया, भाजपा नेता अजय गौड, डीसी विक्रम सिंह, सहित संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लाखों रुपए से भरा एटीएम उखाड़ ले गए लूटेरे

जयपुर/कोटपूतली (हिंस)। कोटपूतली थाना इलाके में शनिवार देर बदमाशों पंजाब नेशनल बैंक का लाखों रुपए से भरा एटीएम उखाड़ ले गए। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने एटीएम का कैश बॉक्स तोड़ने की कोशिश की, जब सफल नहीं होने पर एटीएम को गाड़ी में डालकर फरार हो गए। रविवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने नाकाबंदी करवाई। लेकिन एटीएम लूटेरो का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। कोटपूतली अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेमीचंद ने बताया कि थाना इलाके में स्थित कृष्णा टॉकीज के पास पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम लगा हुआ था। शनिवार देर रात एटीएम शटर खोल कर एक बदमाश अंदर घुसा। बदमाश ने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। बदमाश ने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया, ताकि वारदात कैमरे में कैद नहीं हो। हालांकि एक दूसरे कैमरे में यह पूरी वारदात कैद हो गई। इसके बाद दूसरा बदमाश एक हैवी लोडिंग बेल्ट लेकर आया और उसे एटीएम से बांध दिया। इसके बाद बेल्ट का दूसरा हिस्सा स्कॉर्पियो से बांध दिया। इसके बाद बदमाशों ने स्कॉर्पियो से खींचकर एटीएम को उखाड़ दिया। एटीएम सीरियों को तोड़ते हुए बाहर सड़क पर जा गिरा, इसके बाद बदमाश सड़क पर पड़े एटीएम के कैश बॉक्स को तोड़कर रुपए निकालने की कोशिश करते रहे। जब एटीएम का कैश बॉक्स नहीं टूटा तो बदमाश एटीएम को गाड़ी में डालकर ले गए। कोटपूतली थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर बैंक मैनेजर जानकारी की गई तो सामने आया कि हाल ही में 8 दिसंबर को एटीएम मशीन में 25 लाख रुपए डाले गए थे। ऐसे में वारदात के समय एटीएम में करीब 20 लाख रुपए होने की संभावना है। एटीएम में कितना कैश बचा हुआ है, सोमवार को बैंक के खुलने पर ही पता चल पाऐगा। वहीं इस मामले को लेकर पुलिस के आलाधिकारी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया है। सीसीटीवी के आधार पर बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। आसपास के लोगों से भी घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंत्योदय सेवा में अहम कदम : सांसद सुनीता दुग्गल

सिरसा (हिंस)। विकसित भारत संकल्प यात्रा रविवार को जिला के गांव राजपुरा कैरांवाली, नहराणा, बेहरवाला खुर्द व दया सिंह थेहड़ में पहुंची। गांव राजपुरा कैरांवाली में सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद सुनीता दुग्गल व गांव नहराणा युवा में भाजपा नेता अमन चोपड़ा, बेहरवाला खुर्द में महिला मोर्चा भाजपा की प्रदेश सचिव निताशा सिहाग व गांव दया सिह थेहड़ में जसवीर चहल ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का निरीक्षण किया व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टाल लगाकर ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। सांसद सुनीता दुग्गल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा अंत्योदय सेवा में अहम कदम है। इन कार्यक्रमों का जनता को

सीधा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तेजी से तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याण के लिए चलाई गई योजनाओं का आमजन को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव पहुंचकर लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ लाभ से वंचित लोगों को लाभ देने का काम कर रही है। गांव नहराणा में युवा भाजपा नेता अमन चोपड़ा ने कहा कि लोगों से प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता को लेकर शुरू किए गए अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सफाई का यह संकल्प तभी पूरा होगा जब प्रत्येक नागरिक सफाई पसंद बनेगा। बेहरवाला खुर्द में महिला मोर्चा भाजपा की प्रदेश सचिव निताशा सिहाग ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता के कल्याण के लिए लगातार प्रयासरत है। गांव दया सिह थेहड़ में जसवीर चहल ने कहा कि प्रदेश सरकार के ऑनलाइन पोर्टल व्यवस्था से आमजन को बहुत बड़ी सहूलियत हुई है। इस प्रक्रिया से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आई है। कार्यक्रम में उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना सहित अनेक योजनाओं के लाभार्थियों ने मेरी कहानी-मेरी जुबानी कार्यक्रम के तहत मंच के माध्यम से उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष अपने अनुभव सांझा किए। इसके बाद कार्यक्रम अनेक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की भजन मंडली ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और ग्रामीणों को गीतों व भजनों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

आम आदमी पार्टी 15 दिसंबर से हरियाणा में शुरू करेगी बदलाव यात्रा

सिरसा (हिंस)। आम आदमी पार्टी आगामी 15 दिसंबर से 24 दिसंबर तक प्रदेश की 90 विधानसभाओं और 10 लोकसभा क्षेत्रों में बदलाव यात्रा शुरू करने जा रही है। सिरसा से डा. अशोक तंवर यात्रा का शुभारंभ करेंगे। यह जानकारी सिरसा लोकसभा अध्यक्ष कुलदीप गदराना ने रविवार को पत्रकार वार्ता में दी। उनके साथ जिलाध्यक्ष हैप्पी रानियां, प्रदेश किसान सैल अध्यक्ष कुलदीपभांभू, यूथ सचिव राजेश मलिक, रिछपाल सिंह, कीरत सिंह भी मौजूद थे। कुलदीप गदराना ने बताया कि सिरसा से शुरू होने वाले यात्रा का नेतृत्व डा. अशोक तंवर, महेंदगढ़ से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व अनुराग ढांडा, कालका से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व निर्मलसिंह, जबकि फरीदाबाद से शुरू होने वाली यात्रा का नेतृत्व खुद डा. सुशील गुप्ता करेंगे। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से शुरू हुई यात्रा जींद में खत्म होगी। सिरसा से शुरू हुई यात्रा भिवानी में

और कालका से शुरू हुई यात्रा पानीपत में और महेंदगढ़ से शुरू हुई यात्रा कैथल में समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान हरियाणा की बदहाल स्थिति के बदलाव के लिए प्रदेश की जनता को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें प्रदेश के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगें। उन्होंने कहा कि सुबह से शुरू होकर यात्रा का ठहराव गांवों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खट्टर सरकार में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था का बुरा हाल है। 30 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं। 1585 स्कूलों में शौचालय नहीं है। 131 स्कूलों में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। 236 स्कूलों में बिजली के कनेक्शन नहीं हैं। 8240 कक्षाओं की कमी है। यही बदहाली चिकित्सा के क्षेत्र में भी है। मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री की लड़ाई के कारण चिकित्सकों की सुनवाई नहीं हो रही है। आज से चिकित्सक हड़ताल पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 के मुकाबले 2022 में नशे से ग्रसित 3738 से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या की है। इसका मुख्य कारण रोजगार नहीं मिलना है। खट्टर सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह से असफल रही है। 9 साल के कार्यकाल में 30 से ज्यादा बार पेपर लीक हुए हैं। पूरे हरियाणा में नशे का कारोबार ने पैर पसार चुका है।

उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का हुआ जिला स्तरीय शुभारंभ

जयपुर (हिंस)। राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आदर्श नगर में रविवार को उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ हुआ। परियोजना निदेशक (टीकाकरण) डॉ. रघुराज सिंह व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बच्चों को दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यवाहक जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. धर्मेंद्र कराडिया, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. प्रवीण झरवाल, डॉ. राकेश विश्वकर्मा (डब्लूएचओ), डॉ. सुशील गौतम (डब्लूएचओ), पंकज वर्मा सोनी (लाडली फाउंडेशन) जिला कार्यक्रम प्रबंधक अखिलेश शर्मा, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदर्श नगर अधिकारी प्रभारी डॉ. रवि उपाध्याय, जिला आईईसी समन्वयक कपिल सहित चिकित्सा स्टाफ उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि इस टीकाकरण महाअभियान में जिले के नवजात से लेकर 5 वर्ष तक के 5 लाख 50 हजार से अधिक नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। टीकाकरण का समय प्रात: 9 से सायं 5 बजे तक रहा।

भाजपाइयों ने कांग्रेस व धीरज साहु का पुतला फूंका

यमुनानगर (हिंस)। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के कई ठिकानों पर छापेमारी के दौरान 300 करोड़ रुपए से भी अधिक की मिली नगदी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए रविवार को जिला भाजपा के विधायक, मेयर और जिला अध्यक्ष सहित कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और धीरज साहू का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मेयर निवास पर सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 70 सालों में भ्रष्टाचार किया है। उनके एक-एक नेता से करोड़ों रुपए की नगदी मिलना इस बात का पक्का सबूत है कि कांग्रेस पार्टी जन्म से ही भ्रष्ट है।

करणी सेना के नेता गोगामेड़ी हत्याकांड में वांछित शूटर रोहित शर्मा और नितिन फौजी चंडीगढ़ में गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में वांछित शूटर रोहित राठौर और नितिन फौजी चंडीगढ़ में पुलिस के हत्थे चढ़ गए। इन दोनों का सहयोगी उधम भी पकड़ा गया है। यह सभी सेक्टर-22 के एक होटल में रुके थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन के अनुसार तीनों को शनिवार देररात होटल में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई को राजस्थान पुलिस और दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। तीनों को सबसे पहले दिल्ली क्राइम ब्रांच के ऑफिस ले जाया गया है। वहां से इन्हें जयपुर लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोगामेड़ी को मौत के घाट उतारने के बाद तीनों राजस्थान से हरियाणा के हिसार पहुंचे। यहां से मनाली गए। इसके बाद मनाली से चंडीगढ़ पहुंचे। पुलिस इन तक टेक्निकल सर्विलांस के जरिए पहुंची। इससे पहले शनिवार को जयपुर पुलिस ने शूटर्स की मदद करने वाले रामवीर जाट को गिरफ्तार किया था। रामवीर, नितिन फौजी का दोस्त है। दिल्ली पुलिस को शनिवार दोपहर दो बजे इनके चंडीगढ़ में होने की पुख्ता जानकारी मिली थी। दिल्ली पुलिस के एडीजी (क्राइम) रविंद्र सिंह ने राजस्थान पुलिस से यह जानकारी साझा की।

पीएम मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में वास्तविक विकास हुआ : अशोक कौल

डोडा (हिंस)। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने रविवार को कहा कि देश के अन्य हिस्सों की तरह जम्मू-कश्मीर को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार की विकास परियोजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं से लाभ हुआ है। उन्होंने डोडा जिले के खेलानी मंडल में पंचायत परियट ए और बी में बूथ जन संवाद महा अभियान के तहत एक बड़ी सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। इस दौरान राज्य उपाध्यक्ष शक्ति परिहार, जिला अध्यक्ष विजय मोहन, पूर्व विधायक भद्रवाह दलीप सिंह परिहार, सचिव (संगठन) विपन शर्मा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार प्रकट किए। अशोक कौल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार यहां के लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक विकास देखा है। मौजूदा सड़कों, एक्सप्रेसवे का चौड़करण, फ्लाईओवर का निर्माण, रेल कनेक्टिविटी का विस्तार, रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों का उन्नयन और आधुनिकीकरण, मेगा बिजली परियोजनाएं, आईआईटी, आईआईआईएम जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान, प्रमुख स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे की स्थापना, जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेज आदि प्रमुख हैं। अशोक कौल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लगभग हर नागरिक को केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत कवर किया गया है। गरीबों, महिलाओं, किसानों, युवाओं, शरणार्थियों, विस्थापितों, सभी को केंद्र प्रायोजित योजनाओं में हिस्सेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि आज कई वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है। अशोक कौल ने कहा कि बूथ जन संवाद महाअभियान कार्यक्रमों और रैलियों में भाग लेने वाले बड़ी संख्या में लोग कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों में से हैं। वे मसीहा बनकर आगे आने और अपने जीवन को सम्मानजनक बनाने के लिए पीएम का आभार व्यक्त करने के लिए इन कार्यक्रमों में आते हैं। शक्ति परिहार ने कहा कि जब कांग्रेस, एनसी और पीडीपी सत्ता में थीं, तब पहाड़ी और दूर-दराज के इलाकों के लोग दशकों तक सबसे ज्यादा पीड़ित थे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकमात्र भाजपा सरकार है जिसने अपने कार्यक्रमों और नीतियों में सभी क्षेत्रों, धर्मों के साथ समान व्यवहार किया है। मोदी सरकार ने ग्रामीण और शहरी, मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों के बीच की खाई को पाट दिया और सभी के लिए चिंता का सच्चा मॉडल पेश किया।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की तरह मेरी भी हो सकती है हत्या : बिट्टू बजरंगी

फरीदाबाद (हिंस)। राजस्थान के जयपुर में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के बाद गौरक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिट्टू बजरंगी भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग फोन नंबरों से लगातार उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। शनिवार रात भी उन्हें धमकी भरा फोन आया है। गौरक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बजरंगी को लगातार धमकियां मिलने पर पिछले दिनों कई समर्थक सहित तत्कालीन एनआईटी डीसीपी नरेंद्र कादियान से भी मिले थे और उन्होंने अपने लिए सुरक्षा की मांग की थी। बजरंगी का आरोप है कि तत्कालीन डीसीपी नरेंद्र कादियान ने उन्हें धमकाकर भगा दिया था और अपनी सुरक्षा स्वयं करने को कहा था। पुलिस तुम्हारे के लिए खाली नहीं बैठी है। गोगामेडी की हत्या के बाद बिट्टू बजरंगी ने बताया कि वह न केवल गोरक्षा के लिए बल्कि बहन-बेटियों की सुरक्षा के लिए काम करते है। उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले काफी लम्बे समय से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि 28 जुलाई को मेवात के नल्हड़ की घटना के बाद अब उन्हें लगातार रोजाना अलग-अलग नंबरों से देश के अलग-अलग क्षेत्र से धमकी भरे फोन आ रहे हैं, जिनकी शिकायत वह कमिश्नर से लेकर मुख्यमंत्री तक कर चुके हैं, लेकिन न तो मुख्यमंत्री की तरफ से कोई आश्वासन मिला है और न ही पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद की तरफ से उन्हें कोई सुरक्षा मिली। बजरंगी ने कहा कि उन्हें जान का खतरा बना हुआ है, अगर उन्हें कोई नुकसान पहुंचता है या जान जाती है तो उनकी हत्या का जिम्मेदार न केवल फरीदाबाद पुलिस प्रशासन होगा।

श्री धाम अयोध्या से पूजित अक्षत कलश का 27 जिलों केंद्रों के लिए वितरण

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा के हरीशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा श्री धाम अयोध्याजी से आए अक्षत कलश का विधि विधान से पूजन किया गया। कलशों का चित्तौड़ प्रांत के 27 जिलों से आए जिला मंत्री व प्रतिनिधियों को ढोल बजाकर आनंद उत्सव कर वितरण किया गया। प्रांत मंत्री कौशल गौड़ ने बताया कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर नगर, ग्राम वार्ड इकाई में स्थानीय समाजसेवियों द्वारा समिति बनाकर अक्षत वितरण करके अयोध्या निमंत्रण दर्शन का न्योता दिया जाएग। 22 जनवरी को सभी मंदिरों में भजन सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, सत्संग, एलसीडी लगाकर अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव दर्शन कराया जाएगा। इस अवसर पर उस दिन घर मे कम से कम पांच दीपक, या घरों मंदिरों में रोशनी से सजा कर दीपावली जैसा भव्य आयोजन करने को अनुरोध किया जाएगा। 22 जनवरी 2024 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सहित देश भर से चार हजार सन्त और चार हजार विशिष्ठ अतिथि

भाग लेंगे। चितौड़ प्रांत से सभी संगठनों के 2000 रामभक्त अयोध्या दर्शन के लिए जाएंगे। अक्षत कलश पूजन कार्यकम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत ओम बूलिया, विनीत द्विवेदी, बालमुकुन्द शर्मा, विभाग गणेश प्रजापत, राम प्रकाश बहेड़िया, सुशील बाटिया, भारत गैंगट, प्रितेश जैथलिया, आरएसएस विभाग के चांद मल सोमानी, बनवारी लाल सोनी, रविन्द्र जाजू उपस्थित थे।

रोडवेज बसों की हर सीट पर लगेगा पैनिक बटन

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान में अब रोडवेज बसों में पैनिक बटन लगाने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी। जयपुर स्थित रोडवेज मुख्यालय ने इसकी योजना बना ली गयी है। रोडवेज में किसी भी यात्री की कोई भी शिकायत का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही रोडवेज को हो रही राजस्व की हानि पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। निजी बसों से मुकाबला करने के लिए बहुत से बदलाव किए जा रहे हैं। मुख्यालय की ओर से शिकायतों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश में रोडवेज की सभी बसों में पैनिक बटन लगाने की योजना बनाई है। जिसके तहत निगम और सभी अनुबंधित बसों में यह बटन लगाए जाएंगे। झुंझुनू डिपो में 81 बसों में पैनिक बटन लगाए जाएंगे। झुंझुनू रोडवेज बस डिपो के चीफ मैनेजर राकेश गढ़वाल ने बताया कि बसों में पैनिक बटन लगाने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी। पैनिक बटन दबाने के साथ ही कंट्रोलिंग कमांड सेंटर पर गाड़ी का नम्बर और लोकेशन एक साथ नजर आएगी। गलती से यह बटन दबने पर कंट्रोलिंग कमांड सेंटर शिकायत को वेरिफाइड करेगा। इसके बाद एक्शन उठाया जाएगा। इससे परिवहन निगम को काफी फायदा होगा। पैनिक बटन लगने से कई फायदें होंगें। रोडवेज बस की टिकट बुक करवाने वाले यात्री बस की लाइव लोकेशन जान सकेगा। विदेशों की तर्ज पर रोडवेज की प्रत्येक बस व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम भी लगेगा। इससे टिकट बुक करवाने वाले यात्री का समय भी बचेगा। वहीं निगम मुख्यालय संबंधित रोडवेज पर निगरानी रख सकेगा। रोडवेज बस की प्रत्येक सीट के उपर लाल रंग का बटन लगेगा। आपातकालीन परिस्थिति में किसी भी यात्री को लाल रंग का पैनिक बटन तीन सेकेंड तक दबाना होगा। जिसका सीधा कनेक्शन रोडवेज मुख्याल पर कंट्रोलिंग सेंटर, पुलिस कंट्रोल रूम और अभय कमांड सेंटर से होगा। बटन को दबाने के फौरन बाद तीनों जगह एक साथ मैसेज जाएगा। इसके साथ ही ऑपरेटर संबंधित बस के स्टाफ से जानकारी लेगा और जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

अक्टूबर 2025 से ट्रकों में एसी केबिन होगा अनिवार्य : इससे ड्राइवरों की सेहत ठीक रखने में मदद मिलेगी, सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली।

अक्टूबर 2025 से ट्रक ड्राइवरों के लिए एयर कंडीशन्ड केबिन कम्पल्सरी हो जाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इसकी घोषणा की है। सरकार ने यह फैसला देश के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में लागत कम करने, लंबी यात्रा के दौरान ड्राइवरों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत असर को कम करने और सड़क हादसों को रोकने के लिए लिया है। नोटिफिकेशन के अनुसार 1 अक्टूबर 2025 या उसके बाद बनने वाले कैटेगरी के वाहनों के केबिन के लिए एयर कंडीशन सिस्टम लगाया जाएगा। यानी सभी नए ट्रकों में ड्राइवरों के लिए फैक्ट्री-फिटेड एसी केबिन होना आवश्यक होगा। इससे पहले इसके लिए 1 जनवरी 2025 का समय तय किया गया था।

एन2 और एन3 कैटेगरी के वाहन

एन2 कैटेगरी : इस कैटेगरी में वे भारी मालवाहक वाहन आते हैं जिनका कुल वजन 3.5 टन से अधिक और 12 टन से कम होता है।

एन3 कैटेगरी : इस कैटेगरी में वे भारी मालवाहक वाहन आते हैं जिनका कुल वजन 12 टन से अधिक है।

अभी भी कई ट्रकों में एसी दे रही कंपनी – अभी अभी भी टाटा और महिंद्रा सहित कई कंपनियां ट्रक ड्राइवरों के लिए एयर कंडीशन्ड केबिन दे रही हैं। देश के टॉप 5 ट्रक मैन्युफैक्चर्स की बात करें तो मार्केट कैप के हिसाब से पहले नंबर पर टाटा मोटर्स है। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा, आयशर मोटर्स, अशोक लेलैंड और फोर्स मोटर्स है।

15 दिसंबर से देश में ही होगा कारों का क्रैश टेस्ट – देश में चलने वाली कारों को सेफ्टी रेटिंग देने के लिए भारतीय एजेंसी भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम 15 दिसंबर 2023 से क्रैश टेस्ट शुरू करने जा रही है। 1 अक्टूबर को भारतीय कार टेस्टिंग एजेंसी को लॉन्च किया गया था।

क्रैश टेस्ट की प्रोसेस –टेस्ट के लिए इंसान जैसी 4 से 5 डमी को कार में बैठाया जाता है। बैक सीट पर बच्चे की डमी होती है, जो चाइल्ड आईएसओएफआईएक्स एंकर सीट पर फिक्स की जाती है। गाड़ी को फिक्स्ड स्पीड पर ऑफसेट डिफॉर्मेबल बैरियर (हार्ड ऑब्जेक्ट) से टकराकर देखा जाता है कि गाड़ी और डमी को कितना नुकसान पहुंचा है। ये तीन तरीके से किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

पिछले 8 महीने में करीब 9 प्रतिशत बढ़ी बिजली की मांग, सितंबर महीने में सबसे अधिक डिमांड

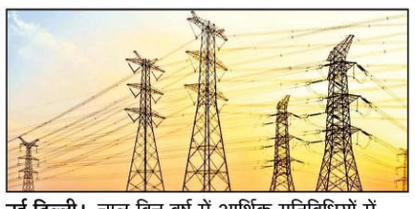

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण अप्रैल-नवंबर के दौरान देश में बिजली की खपत एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में लगभग नौ प्रतिशत बढ़कर 1,099.90 बिलियन यूनिट (बीयू) हो गई है। एक साल पहले की समान अवधि में देश में बिजली की खपत 1,010.20 बीयू थी। आपको बता दें कि बीते वित्त वर्ष 23 में बिजली की खपत 1,504.26 बीयू थी वहीं वित्त वर्ष 22 में खपत 1,374.02 बीयू थी। ऊर्जा मंत्रालय ने यह अनुमान लगाया था कि गर्मियों के दौरान देश में बिजली की मांग 229 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी लेकिन बेमौसम बारिश के कारण अप्रैल-जुलाई में मांग अनुमानित स्तर तक नहीं पहुंची। चालू वित्त वर्ष के सितंबर महीने में बिजली की मांग सबसे अधिक थी। सितंबर में बिजली की डिमांड 243.27 गीगावॉट के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर थी। अगर जून की बात करें तो जून में मांग बढ़कर 224.1 गीगावॉट के पर पहुंच गई थी जो जुलाई में घटकर 209.03 गीगावॉट रह गई थी। अगस्त में बिजली की अधिकतम मांग 238.82 गीगावॉट तक हुई फिस सितंबर में नए रिकॉर्ड पर पहुंची। इसके बाद अक्टूबर में अधिकतम मांग 222.16 गीगावॉट रही वहीं पिछले महीने यानी नवंबर में बिजली की मांग 204.86 गीगावॉट रही। विशेषज्ञों के मुताबिक अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में बिजली की खपत बढ़ने का मुख्य कारण ह्यूमिड मौसम और त्योहारी भीड़ के प्रभाव के कारण औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि थी। इस सप्ताह की शुरुआत में, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने लोकसभा को एक लिखित उत्तर में बताया था कि 2013-14 से 2022-23 तक ऊर्जा के मामले में बिजली की मांग 50.8 प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने सदन को बताया कि बिजली की अधिकतम मांग 2013-14 में 136 गीगावॉट से बढ़कर सितंबर 2023 में 243 गीगावॉट हो गई है।

कोका कोला अहमदाबाद में लगाएगी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, साणंद में प्लांट स्थापित करने 3000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । अमेरिकी बेवरेज मैन्युफैक्चरर, कोका-कोला कंपनी (टीसीसीसी) अहमदाबाद से 32 किमी दूर साणंद में एक बेवरेज और कंसन्ट्रेट प्लांट स्थापित करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कोका-कोला अपनी एक सहायक कंपनी इंटरनेशनल रिफ्रेशमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात सरकार में अपने सूत्रों के हवाले से कहा कि भूमि का एक टुकड़ा (एसएम-52) जिसका आकार 1,60,000 वर्ग मीटर है, कंपनी द्वारा साणंद औद्योगिक एस्टेट-2 में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए अधिग्रहित किया गया है। रिपोर्ट में राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि कोका-कोला ने पहले ही गुजरात में अपने बॉटलिंग पार्टनर्स के माध्यम से दो बड़े निवेश किए हैं। सरकार ने मंजूरी की प्रक्रिया को तेज कर दिया है और पहले ही कंपनी को भूमि आवंटन कर दिया है। कोका-कोला कंपनी के पास साणंद के अलावा अपने बॉटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज लिमिटेड के माध्यम से गोबलेज में पहले से ही एक प्लांट है, जो अहमदाबाद से लगभग 33 किमी दूर है। टीओसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों प्लांट कुल 18 करोड़ डॉलर के निवेश पर स्थापित किए गए थे।

कम हुआ कोयले का आयात, अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 4 प्रतिशत से अधिक घटा इंपोर्ट

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 24 के अप्रैल से अक्टूबर के दौरान भारत का कोयला आयात घटा है। इस दौरान कोयले का आयात 4.2 प्रतिशत गिरकर 148.13 मिलियन टन (एमटी) हो गया जो वित्त वर्ष 23 की समान अवधि में 154.72 मीट्रिक टन था। एक रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान, गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 94.53 मीट्रिक टन हो गया जो पिछले साल की समान अवधि के दौरान 104.41 मीट्रिक टन था। आंकड़ो के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों के दौरान कोकिंग कोयले का आयात थोड़ा बढ़कर 33.74 मीट्रिक टन था। आपको बता दें कि एक साल पहले की अवधि में इसका आयात 32.74 मीट्रिक टन था। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में आयात लगभग 23.59 मीट्रिक टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में अक्टूबर में यह 19.04 मीट्रिक टन था।

विदेशी निवेशक बना सकते हैं रिकॉर्ड, अब तक 1.57 लाख करोड़ रुपये के खरीदे शेयर

नई दिल्ली।

विदेशी संस्थागत निवेशक यानी एफआईआई चालू वित्त वर्ष में भारतीय शेयर बाजार में निवेश का नया रिकॉर्ड बना सकते हैं। इन्होंने अप्रैल से अब तक कुल 1.57 लाख करोड़ के शेयर खरीदे हैं, जबकि अभी करीब चार महीने का समय बाकी है। इससे पहले अब तक का सर्वाधिक निवेश का रिकॉर्ड 2020-21 में रहा है। उस समय कोरोना में बाजार की गिरावट में इन निवेशकों ने 2.74 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। दिसंबर में इनकी तेज वापसी से एनएसई का निफ्टी भी बृहस्पतिवार को 21,000 के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने अब तक जिन वित्त वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर खरीदे हैं, उनमें 2010-11 में 1.10 लाख करोड़, 2012-13 में 1.40 लाख करोड़ और 2014-15 में 1.11 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

दिसंबर में 26,000 करोड़ से ज्यादा निवेश

एफआईआई ने इस पूरे कैलेंडर साल में अब तक 1.31 लाख करोड़ रुपये का निवेश शेयर बाजार में किया है। इसमें सबसे ज्यादा मई में 43,838 करोड़, जून में 47,148 करोड़ और जुलाई में 46,618 करोड़ रुपये का निवेश किया है। दिसंबर में अब तक 26,505 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। ऐसे में अनुमान है कि इस महीने में निवेश का नया रिकॉर्ड ये निवेशक बना सकते हैं। इक्विटी के साथ ही इस साल अब तक डेट बाजार में 55,867 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।

फेड रिजर्व के फैसले और महंगाई आंकड़े से तय होगी बाजार की चाल, कच्चे तेल की कीमत और एफआईआई के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल नीतिगत दरों पर फेड रिजर्व के निर्णय और स्थानीय स्तर पर जारी होने वाले महंगाई आंकड़े तय करेंगे। बीते सप्ताह रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चालू वित्त वर्ष के आर्थिक विकास अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत करने के साथ ही महंगाई पर लगाम लगाए रखने के लिए नीतिगत दरों को एक बार फिर से यथावत रखने के निर्णय का भी बाजार पर सकारात्मक असर रहा। इससे बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2344.41 अंक उछलकर सप्ताहांत पर सार्वकालिक उच्चतम स्तर 69825.60 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 701.5 अंक की तेजी के साथ 20969.40 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपेन मार्केट कमेटी की नीतिगत दरों पर 12-13 दिसंबर को बैठक होने वाली है। बैठक के निर्णयों पर निवेशकों की नजर रहेगी। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा। एफआईआई ने इस वर्ष पिछले लगातार तीन महीने अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में जबरदस्त बिकवाली के बाद नवंबर में 5,795.05 करोड़ रुपये की शुद्ध लिवाली की है। साथ ही दिसंबर में अब तक बाजार में उनका शुद्ध निवेश 10,874.72 करोड़ रुपये का रहा है। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह नवंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। बाजार को दिशा देने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह गिरावट को छोड़कर चार दिन बाजार ने नये रिकॉर्ड बनाए।

भारत में हर साल 50 मिलियन से अधिक आईफोन बनाने को तैयार है एप्पल

नई दिल्ली ।

भारत में एप्पल का लक्ष्य प्रति वर्ष 50 मिलियन से अधिक आईफोन निर्माण करने का है। उसका फोकस कुछ प्रोडक्शन चीन से बाहर शिफ्ट करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टेक दिग्गज का लक्ष्य अगले दो से तीन वर्षों के भीतर लक्ष्य हासिल करना है, जिसके बाद अतिरिक्त दसियों लाख इकाइयों की योजना बनाई जाएगी। अगर एप्पल इस लक्ष्य को हासिल कर लेता है तो विश्व में आईफोन उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी एक चौथाई हो जाएगी।

जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अभी भी सबसे बड़ा आईफोन निर्माता बना रहेगा। एप्पल अपना प्रोडक्शन चीन से बाहर शिफ्ट करने की योजना बना रहा है। इसका मुख्य आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन भारत में और अधिक कारखाने बनाने की योजना बना रहा है, क्योंकि टाटा समूह अब भारत के सबसे बड़े आईफोन असेंबली प्लांटों में से एक का निर्माण करने के लिए तैयार है। सरकर द्वारा जारी उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-अगस्त की अवधि में भारत में 5.15 बिलियन डॉलर (45,000 करोड़ रुपये से अधिक) का मोबाइल फोन निर्यात हुआ।

जबकि वाणिज्य विभाग और इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुमान के अनुसार, अप्रैल-अगस्त की अवधि में 5.15 अरब डॉलर का मोबाइल फोन निर्यात हुआ, जबकि वित्त वर्ष 22-23 की समान अवधि में यह 3 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) था। एक अन्य रिपोर्ट में अप्रैल-अगस्त की अवधि में भारत निर्मित फोन निर्यात में एप्पल सबसे आगे रहा और पहली बार कुल अनुमानित आंकड़े के 50 प्रतिशत से अधिक को पार कर गए। इसके बाद सैमसंग रहा। सूत्रों ने बताया कि जून तिमाही में, एप्पल ने सैमसंग के 45 प्रतिशत निर्यात की तुलना में देश के कुल 12 मिलियन स्मार्टफोन शिपमेंट में से लगभग 50 प्रतिशत का निर्यात किया। भारत चालू वित्त वर्ष में मोबाइल फोन निर्यात में 1,20,000 करोड़ रुपये को पार करने के लिए तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट ने चंदा कोचर की अंतरिम जमानत जारी रहने पर जताई नाराजगी, शीर्ष अदालत 11 दिसंबर को सुनवाई करेगी

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कथित वीडियोकॉन ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ और एमडी चंदा कोचर को दी गई 11 महीने की अंतरिम जमानत जारी रखने पर नाराजगी जताई। शुरुआत में न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और एस.सी. शर्मा की पीठ के समक्ष कोचर की ओर से स्थगन का अनुरोध किया गया। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से पूछा कि क्या अंतरिम जमानत अभी भी जारी है आप विरोध क्यों नहीं कर रहे इस पर एएसजी राजू ने कहा कि सीबीआई आपत्ति जता रही है।

अंतरिम आदेश को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत देने का आधार अपने आप में गलत है और इसलिए इसे सीबीआई द्वारा शीर्ष अदालत में चुनौती दी जा रही है। शीर्ष अदालत ने आखिरी मौका देते हुए कहा कि वह इस मामले पर 11 दिसंबर को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत के समक्ष एक विशेष अनुमति याचिका में,

सीबीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कोचर और उनके पति दीपक कोचर को इस आधार पर न्यायिक हिरासत से रिहा करने का निर्देश दिया गया था कि की गई गिरफ्तारी कानून के अनुसार नहीं थी। केवल दो सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देने का 9 जनवरी का हाईकोर्ट का आदेश अभी भी जारी है। चंदा कोचर और उनके परिवार पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वीडियोकॉन समूह को दिए गए ऋण के बदले में रिश्वत प्राप्त की थी।

ग्राहकों को नई ब्रेजा फेसलिफ्ट आ रही खूब पसंद

अंदर और बाहर डिजाइन में बड़ा बदलाव किया

नई दिल्ली।

कई खूबियों से भरपूर ब्रेजा फेसलिफ्ट लोगों को खूब पसंद आ रही है। पिछले साल लॉन्च हुई इस कार के अंदर और बाहर डिजाइन में बड़ा बदलाव किया है। इस कार में अब कई नए फीचर्स भी जोड़ दिए गए हैं। नई ब्रेजा को कुछ ऐसे फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स के साथ लाया गया था जो पहले केवल महंगी गाड़ियों में मिलते थे। ब्रेजा अपने सेगमेंट की पहली एसयूवी थी जिसे हेड्स अप डिस्प्ले और पैडल शिफ्टर्स के साथ पेश किया गया था। इसके अलावा, ब्रेजा में मिलने वाले इलेक्ट्रिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, स्मार्टप्ले प्रो प्लस सराउंड साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स के वजह से यह कार भीड़ से अलग खड़ी होती है।

ब्रेजा को 1.5-लीटर के-सीरीज पेट्रोल इंजन से पॉवर मिलती है। यह इंजन 103 बीएचपी की पॉवर और 137 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। कंपनी इसे मैनुअल ट्रांसमिशन में सीएनजी विकल्प के साथ भी पेश करती है। माइलेज के मामले में भी ब्रेजा आपको कहीं से भी निराश नहीं करेगी। इसके ऑटोमैटिक वैरिएंट का माइलेज 19.8 किलोमीटर प्रति लीटर है, वहीं सीएनजी में यह 25.51 किलोमीटर प्रति किलो की सर्टिफाइड माइलेज देती है। सेफ्टी के मामले में भी मारुति ने नई ब्रेजा में काफी सुधार किया है। इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), हिल-होल्ड असिस्ट, सभी यात्रियों के लिए सीट बेल्ट रिमाइंडर, ईबीडी के साथ एबीएस और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स शामिल हैं।

फीचर्स के लिहाज से देखें तो मारुति ब्रेजा अपने सेगमेंट में की सबसे नए फीचर्स से लैस है। इसमें में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, चार-स्पीकर साउंड सिस्टम, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस फोन चार्जर, सिंगल-पेन सनरूफ और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स मिलते हैं। यह अपने सेगमेंट की पहली एसयूवी थी जिसे पैडल शिफ्टर्स (एटी वेरिएंट) और हेड-अप डिस्प्ले जैसे एडवांस फीचर्स के साथ पेश किया गया था।

गन्ने पर प्रतिबंध से एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य प्रभावित नहीं होगा

नई दिल्ली।

अधिकारियों का कहना है कि एथनॉल बनाने में गन्ने के रस पर प्रतिबंध लगाने से इसके मिश्रण का लक्ष्य प्रभावित नहीं होगा। एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 में सरकार का एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 20 फीसदी है। सरकार ने हाल ही में सभी चीनी मिलों को इस साल एथनॉल बनाने के लिए गन्ने का रस या शीरे का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था।

अक्टूबर में चीनी सत्र 2023-24 शुरू हुआ जबकि एथनॉल आपूर्ति वर्ष नवंबर में आरंभ हुआ था। हालांकि बी हेवी और सी हेवी शीरे से एथनॉल बनाने की इजाजत दे दी गई है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि चीनी मिलों को सी हेवी शीरे से उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। हालांकि बी-हेवी शीरे के लिए हालिया आदेश जारी रहेगा। चोपड़ा ने कहा था कि बीते एक डेढ़ महीने में चीनी का उत्पादन गिर गया है। यह वर्ष 2023-24 सत्र में और नीचे आने की उम्मीद है। उन्होंने स्थिति पर नजर रखने के लिए मासिक समीक्षा प्रणाली बनाने की जरूरत पर बदल दिया।

अहमदाबाद में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई ज्यादा असर नहीं पड़ा है। हालांकि, कुछ राज्यों व शहरों में ईंधन की कीमतें मामूली रूप से उतार-चढ़ाव आया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। देश के 4 महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल-डीजल के दाम में कल की तरह स्थिर बने हुए हैं और इनमें कोई बदलाव नहीं आया है। अहमदनगर 92.49 रुपये प्रति लीटर और अहमदाबाद 92.17 रुपये प्रति लीटर में पेट्रोल की कीमतें घटी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर, गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर है।

बॉर्डर 2 के लिए आयुष्मान से जुडने को तैयार सनी

- फिल्म की शूटिंग 2024 की पहली तिमाही में

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल बॉर्डर 2 के लिए अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ काम करने को तैयार हैं। फिल्म की शूटिंग 2024 की पहली तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है। बार्डर में सनी देओल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जेपी. दत्ता की बेटी, निमार्ता-लेखिका निधि दत्ता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक बार फिर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म के सेट के साथ वो कलाकारों का नेतृत्व करेंगे। आने वाले हफ्तों में शेष कलाकारों को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। एक सूत्र ने खुलासा कियाः ह्लनिधि दत्ता पटकथा भी लिख रही हैं। दत्ता का मानना है कि बॉर्डर 2 देश में अब तक की सबसे बड़ी वॉर फिल्म होगी। अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत, फिल्म का उद्देश्य भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के सहयोगात्मक प्रयासों को प्रदर्शित करना है, जो 1971 के युद्ध पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य पेश करता है।

उम्मीद है कि कहानी में वॉर हीरो और शहीदों की व्यक्तिगत कहानियों को जोड़ा जाएगा, जिससे युद्ध में एक मानवीय स्पर्श जुड़ जाएगा। फिल्म के लिए ग्राउंडवर्क 2022 में शुरू हुआ, जिसमें कई स्थानों पर शूटिंग के लिए रक्षा मंत्रालय से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के लिए निमार्ता ने दिल्ली की कई यात्राएं की। ऐतिहासिक घटनाओं का प्रामाणिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए भी ये यात्राएं महत्वपूर्ण थी जे.पी.दत्ता एक ऐसी कहानी बनाने पर अड़े थे जो बॉर्डर की विरासत के साथ न्याय करेगी।

एक फिल्म के लिए 25 से 30 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं दीपिका पादुकोण

-प्रियंका की कुल नेट वर्थ है करीब 600 करोड़ रुपये

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की हाई पेड एक्ट्रेसेस की बात करे तो इसमें शुमार है दीपिका पादुकोण की। एक्ट्रेस अपनी एक फिल्म के लिए 25 से 30 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। उनकी ज्यादातर कमाई विज्ञापनों से आती है और अभी उनके पास एशियन पेंट्स, लॉयड, जक्युआर, जियो, लोरियल, तनिष्क और कोका कोला जैसी बड़ी कंपनियों के विज्ञापन हैं इसके अलावा ब्यूटी प्रोडक्ट कंपनी 82ईकी मालकिन भी हैं। दीपिका की कुल नेट वर्थ करीब 500 करोड़ रुपये है और वह बॉलीवुड में 4 पायदान पर आती हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनस की बात की जाए तो वह बॉलीवुड की दूसरी सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं। फिल्मों और विज्ञापनों से कमाई के अलावा प्रियंका के पास ब्यूटी प्रोडक्ट कंपनी अनोमाली, कपड़े की कंपनी परफैक्ट मूवमेंट, न्यूयॉर्क में रेस्तरां सोना, प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पिक्चर्स की मालकिन भी हैं। उन्होंने कई स्टार्टअप में भी निवेश किया है। फिलहाल प्रियंका की कुल नेट वर्थ करीब 600 करोड़ रुपये है। एक फिल्म के लिए 9 से 10 करोड़ रुपये चार्ज करने वाली आलिया भट्ट नेट वर्थ के मामले में बॉलीवुड की तीसरी सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कपड़ों का ब्रांड ईद-ए-मम्मा लांच किया था, जिसने एक साल में 150 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके अलावा इंटरनल सनसाइन नाम से एक प्रोडक्शन हाउस भी है। आलिया डूरोफलेक्स, अवार, कैडबरी, क्वालिटी वाल्स, कारनेटटो, फ्रूटी जैसी कंपनियों के लिए विज्ञापन भी करती हैं। उनकी नेट वर्थ करीब 550 करोड़ रुपये है। करीना कपूर खान कमाई के मामले में पांचवें पायदान पर आती हैं। करीना एक फिल्म के 10 करोड़ और विज्ञापन के 6 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। वह स्टेज शो और रेडियो शोज से भी पैसे कमाती हैं। अभी करना के पास करीब 15 कंपनियों के विज्ञापन हैं। उनकी कुल नेट वर्थ 485 करोड़ रुपये है। कमाई में 6वें पायदान पर काबिज कटरीना कैफ एक फिल्म के करीब 7-8 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। विज्ञापनों के लिए भी कटरीना करीब 7 करोड़ रुपये लेती हैं। उनका ब्यूटी प्रोडक्ट ब्रांड के ब्यूटी सालाना करीब 100 करोड़ रुपये का बिजनेस करता है। उनकी कुल नेट वर्थ करीब 264 करोड़ रुपये है। अगर बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई की बात की जाए तो इसमें एक ऐसी अभिनेत्री का नाम आता है, जो सालों पहले ही फिल्मों से दूर हो चुकी हैं। दरअसल, आज भी नेट वर्थ के मामले में पूरे बॉलीवुड पर राज करने वाली अभिनेत्री हैं ऐश्वर्या राय बच्चन। फिल्मों के लिए 10 करोड़ और विज्ञापन के लिए रोजाना 7 से 8 करोड़ की फीस वसूलने वाली ऐश्वर्या राय के पास करीब 800 करोड़ की संपत्ति है। उनके पास तमाम बड़ी कंपनियों के विज्ञापना के अलावा रियल एक्टेट में बड़ा निवेश भी है। कमाई के मामले में टॉप-10 लिस्ट की बात की जाए तो 7वें पायदान पर अनुष्का शर्मा हैं जिनकी नेट वर्थ 255 करोड़ रुपये है। इसके बाद 8वां नंबर आता है माधुरी दीक्षित नेने का जो करीब 250 करोड़ की मालकिन हैं।

औरा ने सलमान खान के साथ किया डांस

के-पॉप सिंगर औरा ने सलमान के साथ उन्ही की 2004 में रिलीज हुई फिल्म मुझसे शादी करोगी के गाने जीने के हैं चार दिन पर डांस किया। दोनों एक साथ स्टेज पर हुक स्टेप करते भी दिखाई दिए। चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में सलमान स्टेज पर औरा का परिचय कराते नजर आ रहे हैं। सलमान पूछते हैं कि क्या वह सिंगल हैं और किस तरह के पार्टनर की तलाश में हैं। जिस पर, औरा कहते है, आधा सेक्सी और आधा प्यारा। फिर, वह सलमान से कहते हैं कि वह उनसे प्यार करते हैं। इसके बाद, वह दबंग स्टार को कोरियन लैंग्वेज भी सिखाते हैं। वहीं, सलमान ने औरा को कुछ हिंदी लाइन्स भी सिखाईं। औरा भारत में बेहद मशहूर हैं। इस-के पीछे की सबसे बड़ी वजह मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म डिस्को डांसर का गाना जिम्मी जिम्मी सॉन्ग है, जिसे औरा ने नए तरीके से गाया था। इस सॉन्ग के बाद औरा भारत में मशहूर हो गए थे।

अनिल फाइटर में पाथब्रेकिंग रोल के लिए तैयार

मेगास्टार और एनिमल के बाप अनिल कपूर सिद्धार्थ आनंद की फाइटर में एक पाथब्रेकिंग रोल के साथ फैंस को ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नाइट मैनेजर अभिनेता ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने करैक्टर रॉकी उर्फ ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह का इंट्रोडक्शन देते हुए एक पोस्टर साझा किया, जिसका कैप्शन है। बता दें कि फिल्म एनिमल के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ने और फिल्म के लगातार 500 करोड़ क्लब की ओर बढ़ने की ओर अग्रसर है।

प्राइम वीडियो ने सोशल मीडिया अकाउंट से 'पंचायत 3' का फर्स्ट लुक शेयर किया

भारतीय ओटीटी जगत में इतनी अलग जगह बनाने वाले द वायरल फीवर यानी टीवीएफ का योगदान बहुत बड़ा है। टीवीएफ अपने शुरूआती दिनों से ही काफी चर्चा में रहा है, जब यह केवल यू-ट्यूब के माध्यम से प्रयोग कर रहा था। अब यह ओटीटी स्पेस और वेबसीरीज में एक बहुत मजबूत प्रतियोगी बन गया है। टीवीएफ ने द पिचर्स, परमानेंट रूममेट, कोटा फैक्ट्री, द एस्पिरेंट्स जैसी कई वेब सीरीज से लोगों का मनोरंजन किया है। टीवीएफ की एक और सीरीज पंचायत बहुत लोकप्रिय हुई थी। यह सीरीज दो सीजन तक चली और दोनों सीजन बहुत हिट रहे। इस सीरीज के दूसरे सीजन ने दर्शकों को काफी इमोशनल कर दिया था, जिसके बाद से ही फैंस अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में पंचायत 3 को लेकर नया अपडेट सामने आया है। प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से पंचायत 3 का फर्स्ट लुक शेयर किया है। पहली तस्वीर में फुलेरा ग्राम पंचायत सचिव अभिषेक त्रिपाठी को उनकी सामान्य मोटरसाइकिल पर देखा जा सकता है, जबकि पिछली तस्वीर में बनारस, विनोद और माधव के पात्रों को देखा जा सकता है।

इस फोटो में पीछे की दीवार पर एक नारा लिखा हुआ देखा जा सकता है। पंचायत 3 के इस फर्स्ट लुक ने फैंस को काफी खुश कर दिया है, तीसरा सीजन दर्शकों को मनोरंजन का ट्रिपल डोज देने वाला है। नीना गुप्ता ने नवंबर में इस तीसरे सीजन की शूटिंग पूरी होने का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। अभी तक निमार्ताओं ने पंचायत 3 की रिलीज डेट के बारे में कुछ भी खुलासा नहीं किया है, जिससे प्रशंसक भ्रमित हैं। पंचायत का पहला सीजन 2020 में रिलीज हुआ था और इसे भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। देखा जा रहा है कि इस सीरीज की लोकप्रियता खासकर कोविड काल में काफी बढ़ गई है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार, रघुवीर यादव, नीना गुप्ता, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सॉविका मुख्य भूमिका में हैं. तीसरे सीजन का फर्स्ट लुक देखकर फैंस काफी खुश हैं और इस नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जोया अख्तर ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म पर की खुलकर बात

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है और इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म में जोया ने कई स्टारकिड्स को मौका दिया है। इस फिल्म से जान्हवी कपूर की बहन खुशी कपूर, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा ने डेब्यू किया है। इसके चलते फिल्म को लेकर जोया अख्तर पर नेपोटिज्म को बढ़ावा देने पर चर्चा हो रही है और दर्शक इसकी आलोचना भी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जोया ने नेपोटिज्म पर चल रही चर्चा और विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। जोया ने स्पष्ट किया कि यह चर्चा बहुत छोटी है। जोया ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि कई स्टारकिड्स को मिलने वाली सुविधाओं, उनकी जीवनशैली और फिल्म उद्योग में कई लोगों के साथ स्टारकिड्स के सीधे संबंध पर चर्चा करना भी ठीक है। सभी को समान शिक्षा और अवसर मिलना चाहिए। यहां तो ठीक है, लेकिन यह चर्चा कि सुहाना खान को मेरी फिल्म में नहीं दिखना चाहिए, यह बात मूल रूप से बचकानी है। जोया ने आगे कहा कि जब मेरे पिता यहां आए तो उन्होंने बिल्कुल शून्य से शुरूआत की। मैं इस उद्योग में बड़ी हुई हूं, इसलिए मुझे यह तय करने का पूरा अधिकार है कि मैं क्या करना चाहती हूं। मुझसे वास्तव में क्या करने की अपेक्षा की जाती है? अगर मुझे फिल्म निमार्ता बनना है तो क्या मुझे अपने पिता के अस्तित्व को नकार देना चाहिए? अगर मैं अपना उद्योग भी नहीं चुन सकती तो इसका कोई मतलब नहीं है। अगर कल को फिल्म इंडस्ट्री में जन्मा कोई स्टारकिड फिल्मों में काम न करने का फैसला भी कर ले तो इससे आपकी जिंदगी में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। नेपोटिज्म की सही परिभाषा पर आगे जोया ने कहा कि नेपोटिज्म तब होता है, जब मैं किसी और का पैसा लेती हूं और उसके बाद अपने दोस्तों और परिवार का पक्ष लेती हूं तो इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। आप मुझे यह बताने वाले कौन होते हैं कि मुझे अपने पैसे के साथ क्या करना चाहिए और क्या नहीं? अगर मैं कल अपनी भतीजी पर पैसा खर्च करना चाहती हूं, तो यह पूरी तरह मुझ पर निर्भर है। आखिरकार एक अभिनेता या निर्देशक को दर्शकों के दम पर ही काम मिलता है, दर्शक ही तय करते हैं कि वे किसे देखना चाहते हैं और किसे नहीं। इससे पहले भी जोया अख्तर के पिता और मशहूर शायर और लेखक जावेद अख्तर ने एक मंच पर नेपोटिज्म को लेकर यही राय जाहिर की थी। जावेद अख्तर ने यह तब बयान दिया था कि इंडस्ट्री में कोई भाई-भतीजावाद नहीं है।

धर्मेंद्र ने फैंस के साथ मनाया 88वां जन्मदिन

हाल ही में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र ने मुंबई के जुहू इलाके में अपने घर पर 88वां जन्मदिन मनाया। एक्टर के बड़े बेटे सनी देओल ने भी पैपराजी के लिए उनके साथ पोज दिया। इस मौके पर धर्मेंद्र ने एक बड़ा केक काटा। केक में अभिनेता की तस्वीरें थीं। धर्मेंद्र की छोटी बेटी अहाना देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के साथ एक तस्वीर शेयर की और लिखा, मेरे पहले प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं जिन लोगों को जानती हूं उनमें सबसे मजबूत और सबसे प्यारा शख्स हैं। ईशा देओल ने पोस्ट किया, जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे पापा, मैं आपसे प्यार करती हूं... मैं प्रार्थना करती हूं कि आप हमेशा खुश, स्वस्थ और मजबूत रहें। मैं बस आपसे प्यार करती हूं। इस साल देओल परिवार ने बॉक्स-ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है, पहले धर्मेंद्र की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी बॉक्स-ऑफिस पर बड़ी हिट रही, उसके बाद सनी देओल-स्टारर गदर 2 ने बॉक्स-ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता दर्ज की।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म "सैम बहादुर" का जलवा बरकरार

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की फिल्म "सैम बहादुर" दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। "सैम बहादुर" ने रिलीज के पहले दिन अच्छी कमाई की थी। पहले दिन फिल्म ने 6.25 करोड़ की कमाई की थी और 9वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ बनाए हुए है। "एनिमल" की सुनामी के बीच भी "सैम बहादुर" बॉक्स ऑफिस पर डटी हुई है। "सैम बहादुर" रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गई थी। फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है।

"सैम बहादुर" का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन - "सैम बहादुर" के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन 6.25 करोड़ का कलेक्शन किया था। विक्की कौशल की फिल्म ने पहले 8 दिनों में 42.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अब नौवें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। इंडस्ट्री ट्रैकर "सैक्निल्क" की शुरूआती ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, "सैम बहादुर" ने दूसरे शनिवार को 6.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस फिल्म की कुल कमाई अब 49.5 करोड़ हो गई है। "सैम बहादुर" भारतीय सेना में सैम मानेकशॉ के योगदान, उनकी जीवन यात्रा, उनकी देशभक्ति को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती है। फिल्म में विक्की कौशल के साथ फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा, नीरज काबी, गोविंद नामदेव, मोहम्मद जीशान, अयूब मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के गाने गुलजार ने लिखे हैं। दर्शक ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि फिल्म "सैम बहादुर" कितने करोड़ की कमाई करेगी।

एनिमल के लिए जो प्यार मिला, वह अद्भुत हैः मंदाना

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने कहा, माय लव! पिछले कुछ दिनों में मुझे एनिमल के लिए जो प्यार मिल रहा है, वह इतना अद्भुत है कि यह समझ से परे है। धन्यवाद। एक कलाकार के तौर पर गीतांजलि मेरे लिए बहुत प्रिय किरदार है। उनकी ताकत उनका सबसे प्रशंसनीय गुण है। मुझे किरदार निभाना बहुत पसंद आया। मैं एनिमल की पूरी टीम के साथ सेट पर बिताए पलों को हमेशा याद रखूंगी। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड फिल्म एनिमल में गीतांजलि की भूमिका निभाई है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी ताकत उनका सबसे प्रशंसनीय गुण है और उन्हें इस किरदार को निभाने का हर पहलू पसंद आया।

राकेश मिश्रा का नया गाना 'गगरी' हुआ रिलीज

भोजपुरी सुपरस्टार राकेश मिश्रा अपने गाने को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। एक बार फिर से वे धमाकेदार गाना गगरी लेकर आए हैं, जो रिलीज होने के साथ ही वायरल होना शुरू हो गया है। राकेश मिश्रा का गाना गगरी आईएफए म्यूजिक वर्ल्ड के चैनल से रिलीज हुआ है। राकेश मिश्रा ने इस गाने को प्रियंका सिंह के साथ गाया है, जिसे खूब व्यूज भी मिल रहे हैं। गाने की मेकिंग भी बेहद खास और नायाब है, जो दर्शकों को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। राकेश मिश्रा के इस गाने के वीडियो में उनके साथ निभा रही हैं दिव्या रहालन, जो भोजपुरी सिने इंडस्ट्री की नई सनसनी हैं। गाने में राकेश मिश्रा की केमिस्ट्री उनके साथ दर्शकों को खूब भा रही है। इस गाने को लेकर राकेश मिश्रा ने कहा कि गाना मजेदार है, इस गाने को खूब बड़ा बनाएं और अपना प्यार और आशीर्वाद देते रहें। उन्होंने कहा कि वह हर बार गाने में विविधता के साथ दर्शकों के सामने प्रस्तुत होते हैं, ताकि मनोरंजन का वाइब सकारात्मक रहे और लोग गाने को पसंद कर इस बार-बार सुने। उन्होंने कहा कि इस गाने को हमने बेहद संजीदगी से बनाया है। गीत संगीत के साथ-साथ इसके वीडियो की मेकिंग भी आपको खास नजर आने वाली है। इसलिए इस गाने को खूब प्यार दे।

सूडोकु नवताल- 6638

मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6637 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल - 7385

रं	रा	जें	द्र	कु	मा	य	च	ज	पे	यी	
द	गी	ल	प्रे	व	जी	म	द	म	कां	रा	
जु	स	ला	म	न	क	रा	ल	ल	त्का	म	
दा	स	स	क	मा	सू	म	ध	त्रि	श	र	
ई	आ	द्रो	ही	स	ज	ना	तू	दे	झ	प	
न	ल	अ	र	दि	म	उ	ती	कौ	घ	दौ	
क	व	रि	फ	जी	प	बा	ज	न	व	ड़	
श	एं	वा	ई	ला	ब	र्ड	डू	ए	श	न्हा	
मी	ड	ल	फू	ल	तू	र	स	त्या	शी	आ	
र	गॉ	ल	प	लि	जी	न	ला	कौ	ल	द	
वि	ज	अ	ग्नि	खू	ब	सू	र	त	प	म	

शब्दजाल में 'उर्मिला मातोंडकर' अभिनीत दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मासूम,चमत्कार,द्रोही,रंगीला,जुदाई, दौड़,अफलातून,कौन,खूबसूरत,सत्या

शब्दजाल - 7384 का हल

र	क	ल	ड्रै	च	र	स	धी	सी	ल	अ	
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड्य	इं	ता	ट	नु	
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो	
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध	
रा	फ	दो	ग	ल्लो	प	ज	तू	गी	मि	निं	
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग	
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे	
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न	
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न	
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने	
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6338

1	3		4	5	7	
	25	7	32		36	
	2		6	3		4
3	31	6	32		33	
	5			1		7
5	37	5	31		30	
	5		3	2	7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6337 का हल

4	3	2	7	6	1	5
5	33	7	35	1	28	3
1	6	5	4	3	7	2
2	35	3	35	7	32	6
7	5	6	3	4	2	1
6	33	1	31	5	30	4
3	1	4	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नई गेंद ही दिलाएगी भारत को जीत : इरफान

नई दिल्ली ।

पूर्व भारतीय गेंदबाज इरफान पठान ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नई गेंद ही भारत को जीत दिलाएगी। गौरतलब है कि टीम को दोनों पारियों में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दौरान नई गेंद की चुनौती का सामना करना होगा। बता दें कि भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट खेलना है। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन में तो दूसरा 3-7 जनवरी तक केप टाउन में होना है। 2 टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीतने के बाद यह 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की भारत की दूसरी सीरीज है। इरफान पठान ने एक शो के दौरान कहा कि देखो, उन्हें जीत के लिए मंत्र की खोज करनी होगी और मुझे लगता है कि यह मंत्र नई गेंद में है। जब आप नई गेंद से अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते हैं तो आप उस पर जीत हासिल कर लेते हैं। इससे आपके लिए चीजें आसान हो जाएंगी। वैसे भी दक्षिण अफ्रीका में सबसे मुश्किल काम बल्लेबाजी करते वक्त नई गेंद का सामना करना ही है।

गौरतलब है कि भारत ने आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका में दिसंबर 2021-जनवरी 2022 में टेस्ट श्रृंखला खेली थी। भारत ने सेंचुरियन में पहला टेस्ट जीता था लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग और केप टाउन टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली थी। इरफान पठान ने कहा कि मैंने पाया कि पिछली बार जब हमने वह खेला था और टेस्ट श्रृंखला जीती थी तब हम उनके खिलाफ जीते थे, जिस तरह से हमने दूसरे और तीसरे स्पैल में गेंदबाजी की थी, हम एक गेंदबाजी इकाई के रूप में थक गए थे। इस बार भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। बल्लेबाजी में कप्तान रोहित शर्मा, यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और ईशान किशन मौजूद हैं।

न्यूज ब्रीफ

टी20 आई में प्रबंधन परेशान, ईशान और जितेश के बीच अटका मामला

नई दिल्ली । ईशान और जितेश शर्मा को लेकर क्रिकेट प्रबंधन परेशान है। क्योंकि इनकी वरीयता को लेकर यह निर्णय नहीं हो पा रहा है कि इनमें से किसे रखा जाना चाहिए। बता दें कि क्रिकेट विश्व कप 2023 में फाइनल मुकाबला गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी। इस सीरीज के दौरान भारतीय टीम ने कुछ नए प्लेयरों को चिन्हित किया। सलामी बल्लेबाज अच्छे रहे तो वहीं विकेटकीपिंग के लिए दो बार फिर से सामने आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज से पहले टीम इंडिया प्रबंधन पर ईशान किशन या जितेश शर्मा में से किसी एक चुनने की समस्या खड़ी हो गई है। ईशान किशन मेन इन ब्लू के लिए एक भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। ईशान ने क्रिकेट वनडे विश्व कप में 2 मैच खेले और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया। सीरीज के आखिरी 2 मैचों में जितेश शर्मा को मौका दिया गया। हालांकि जितेश ने इसका पूरा फायदा उठाया और प्रभावित करने में सफल रहे। अब टी20 विश्व कप के करीब आते ही प्रबंधन में किशन और जितेश में से किसी एक को प्लेइंग 11 में वरीयता देने की मुसीबत खड़ी हो गई है। पहले तीन मैचों में, इशान किशन नंबर 3 पर बल्ले से शानदार थे। उन्होंने बैक-टू-बैक अर्द्धशतक बनाए लेकिन तीसरे गेम में शून्य पर आउट हो गए। हालांकि जितेश शर्मा भी अलग नहीं थे। निचले क्रम में आकर उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई और श्रृंखला के आखिरी दो मैचों में 19 में 35 और 16 गेंद में 24 रन बनाए। टी20 विश्व कप नजदीक आने के साथ ही दोनों खिलाड़ियों के लिए अपनी उपयोगिता साबित करना जरूरी है।

अश्विनी और तनीषा की जोड़ी गुवाहाटी मास्टर्स के फाइनल में, मालविका बंसोड़ सेमीफाइनल में हारीं

नई दिल्ली । भारत की तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोगुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई। पिछले सप्ताह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में उप विजेता रही अश्विनी और तनीषा की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 36 मिनट तक चले सेमीफाइनल मैच में नीदरलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त डेबोरा जिल और चेरिल सेनेन को 21-12, 21-12 से हराया। महिला एकल में मालविका बंसोड़ हालांकि सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई और थाईलैंड की लालिनराट चाइवान से 12-21, 14-21 से हार गई। मिश्रित युगल में तनीषा और ध्रुव कपिला की जोड़ी को सिंगापुर की ही योंग काई टेरी और तान वेई हान जेसिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 18-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। हरिहरन अम्सकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासाबापति की पुरुष युगल जोड़ी भी फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही तथा चीनी ताइपे के लिन बिंग वेई और सु चिंग हेंग से 10-21 से 19-21 से हार गई।

मलकीत सिंह बने 6-रेड स्नूकर पुरुष चैंपियन

चेन्नई। मलकीत सिंह अपने रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के सहयोगी ई पांडुरंगैया को कड़े मुकाबले वाले 13 फ्रेम फाइनल में 7-5 से हराकर नए राष्ट्रीय 6-रेड स्नूकर पुरुष चैंपियन के रूप में उभरे। अंतिम चार चरण में पसंदीदा और 26 बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी (पीएसपीबी) पर 6-5 की जीत से मनोबल बढ़ाने वाली जीत हुई। खिताबी मुकाबले में पांडुरंगैया खुद आत्मविश्वास से लबरेज थे। उन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अपने प्रबल दावेदार आदित्य मेहता (पीएसपीबी) को 6-4 से हराया, लेकिन 5-3 से मैच लगभग अपने नाम करने के बाद पूर्व चैंपियन आडवाणी को उलटफेर का शिकार होना पड़ा। मलकीत ने नेहरू इंडोर स्टेडियम में चल रही 90वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए आडवाणी के खिलाफ शानदार अंदाज में अंतिम तीन फ्रेम 59-0, 43-1, 67-13 से जीते। आडवाणी ने मैच के बाद कहा, मलकीत ने अपना धैर्य बनाए रखा और अंत तक मुझसे बेहतर प्रदर्शन किया। महिलाओं के 6-रेड स्नूकर में मौजूदा चैंपियन कर्नाटक की विद्या पिल्लई एक मजबूत क्वार्टरफाइनल क्षेत्र में सुर्खियों में हैं। जिसमें वर्तमान आईबीएसएफ विश्व अंडर-21 स्नूकर चैंपियन कीर्तना पांडियन (कर्नाटक) और उपविजेता अनुपमा रामचंद्रन (तमिलनाडु) शामिल हैं।

21 दिसंबर को होंगे कुश्ती संघ के चुनाव, जारी हुआ पूरा शेड्यूल ; खत्म हुआ छह महीने का इंतजार

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनावों की नई तारीख जारी कर दी गई है। अब यह चुनाव 21 दिसंबर को होंगे। सबसे पहले 13 जून को कुश्ती संघ ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया था कि चुनाव 21 जून को होंगे। हालांकि, गुवाहाटी और अन्य हाईकोर्ट ने चुनावों में रोक लगा दी। इस वजह से चुनाव कई बार टलते रहे। आखिरकार 21 दिसंबर को चुनाव की तारीख तय की गई है। भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव 21 दिसंबर को होंगे और उसी दिन नतीजों की भी घोषणा कर दी जाएगी। निर्वाचन अधिकारी ने यह जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी जस्टिस (रिटायर्ड) एम एम कुमार के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि मतदान, मतगणना और नतीजों की घोषणा एक ही दिन होगी। चुनाव के नतीजे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के नतीजे पर निर्भर होंगे। चुनाव आमसभा की विशेष बैठक के दौरान होंगे और सात अगस्त को बनाई गई मतदाता सूची के अनुरूप होंगे। बयान में कहा गया, ' डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को रोक लगा दी थी जिसकी वजह से 12 अगस्त को चुनाव नहीं हो सके। उच्चतम न्यायालय ने रोक हटा दी है और अब चुनाव की बाकी प्रक्रियायें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार उसके आगे से 21 दिसंबर को होगी।' इसमें कहा गया,' इस चुनाव के नतीजे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के नतीजे के मुताबिक घोषित किए जाएंगे।' भारतीय वुशू महासंघ के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुवाई में इस समय आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति डब्ल्यूएफआई के दैनिक कामकाज का संचालन कर रही है। सभी राज्यों के कुश्ती संघ से दो सदस्यों का चुनाव करने के लिए कहा गया है। ये सदस्य ही चुनाव के दौरान कुश्ती संघ की नई समिति का चयन करेंगे। असम और आंध्र प्रदेश के कुश्ती संघ की सदस्यता और अधिकारों को लेकर गुवाहाटी हाईकोर्ट ने चुनाव पर रोक लगाई थी। बाद में इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई और सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया। इस वजह से चुनाव की आधी प्रक्रिया जून में हो गई थी और उसे दोहराने की जरूरत नहीं पड़ी। चुनाव के लिए सदस्यों ने आवेदन कर दिया है और आगे की प्रक्रिया भी हो चुकी है। अब बैठक में कुश्ती संघ के अध्यक्ष और एग्जक्यूटिव समिति के सदस्यों का चयन बाकी है। 21 दिसंबर को दोपहर 11 बजे मीटिंग शुरू होगी और 1.30 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी। वोटो की गिनती पूरी होते ही नए अध्यक्ष के नाम का एलान हो जाएगा। कुश्ती संघ के चुनाव कई बार टल चुके हैं। संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के आरोपों ने इसमें और परेशानियां खड़ी कीं। कई बार हाईकोर्ट ने भी चुनाव पर रोक लगाई। खेल मंत्रालय ने बृजभूषण शरण सिंह की अध्यक्षता वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था। भारत के शीर्ष पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन किया था।

न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स अबू धाबी टी10 के नए चैंपियन बने

अबू धाबी। न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स ने पिछले संस्करण के फाइनल में डेक्कन ग्लेडियेटर्स से हार के दर्द को मिटा दिया और जायद क्रिकेट स्टेडियम में सात विकेट से जीत दर्ज करते हुए खुद को अबू धाबी टी10 का नया चैंपियन घोषित किया। यह न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स का एक सराहनीय प्रदर्शन था जो पिछले संस्करण में ही अबू धाबी टी10 का हिस्सा बना था और दोनों संस्करणों में फाइनल तक पहुंचा था और अब खिताब भी जीता है। पाकिस्तान के आसिफ अली, जो अपने पावर-हिटिंग कौशल के लिए जाने जाते हैं, और कप्तान कीरोन पोलार्ड ने चौथे विकेट के लिए 29 गेंदों में 56 रन की नाबाद साझेदारी की। अली 25 गेंदों में चार छक्कों और दो चौकों की मदद से 48 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पोलार्ड ने 13 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए और चार गेंद शेष रहते फाइनल जीत लिया। स्ट्राइकर्स ने ट्रॉफी जीती और 100,000 की पुरस्कार राशि प्राप्त की। ग्लेडियेटर्स, जो पिछले दो संस्करणों को जीतकर खिताबी जीत की हैट्रिक दर्ज करने की उम्मीद कर रहे थे, उन्हें 50,000 डॉलर की उपविजेता पुरस्कार राशि मिली। ग्लेडियेटर्स की एक बड़ा स्कोर बनाने की योजना को सुनील नारायण ने विफल कर दिया, जिन्होंने अपने दो ओवरों में छह रन देकर दो विकेट हासिल किए और उन्हें 5 विकेट पर 91 रन पर रोक दिया। यह वही स्कोर था जिस पर न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स पिछले संस्करण के फाइनल में सीमित थे जिसमें ग्लेडियेटर्स ने 37 रन से जीत दर्ज की थी ।

पिच में कोई कोई खराबी नहीं थी : चार्ली डीन

मुंबई।

दूसरे टी20 मैच में भारत पर इंग्लैंड की चार विकेट की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार लेने के बाद ऑफ स्पिनर चार्ली डीन ने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम की पिच में कोई खराबी नहीं थी।

चार्ली पेट में खराबी के कारण टी20 सीरीज के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाईं लेकिन मैच के लिए टीम में वापसी पर उन्होंने नई गेंद से गेंदबाजी की शुरुआत की। चार्ली ने 2-16 का बेहतरीन स्पैल डाला और भारत की सलामी बल्लेबाजों शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना को आउट कर मेहमान टीम के लिए मेजबान टीम को सिर्फ 80 रन पर आउट करने का आधार तैयार किया, जिसमें इंग्लैंड के सभी सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए।

मुझे खुद पिच को लेकर कोई शिकायत नहीं होगी। निश्चित रूप से मुझे शिकायत नहीं होगी, मैं एक गेंदबाज हूं, मुझे बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। वहाँ लेकिन यह अच्छा है। हमारे बहुत से लोग कह रहे थे कि यह थोड़ा फिसल रहा है लेकिन पिच में कोई वास्तविक शैतान नहीं है।

मैच खत्म होने के बाद चार्ली ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ क्षेत्रों में सिर्फ दबाव और कमजोरियां हैं। हमने अपनी योजनाओं को वास्तव में अच्छी तरह से क्रियान्वित किया और भारत ने भी, सच कहें तो उन्होंने वास्तव में आक्रामक क्षेत्र निर्धारित किए। जिस तरह से खेल को निर्देशित किया गया था, उसके कारण उन्हें ऐसा करना पड़ा।

जवाब में, तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने फिर से इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों डैनी व्याट और सोफिया डंकले को जल्दी आउट कर झटका दिया। नेट साइवर-ब्रंट और ऐलिस कैप्सी ने कुल 41 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने में योगदान दिया, जिससे इंग्लैंड 11.2 ओवर में घर पहुंच गया, हालांकि इस दौरान उन्होंने छह विकेट खो दिए।

शुभमन गिल को मिला कोहली के रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

नई दिल्ली ।

शुभमन गिल साल 2023 में सबसे अधिक शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर कर सकते हैं। शुभमन गिल 2023 में तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर हैं। लेकिन शतक के मामले में वे विराट कोहली से पीछे हैं। हालांकि शुभमन गिल और विराट कोहली दोनों के लिए ही साल 2023 बेहतरीन रहा है। विराट कोहली ने इस साल कुल 8 शतक लगाए हैं, जो दुनिया के किसी भी बैटर से ज्यादा हैं। ज्यादा शतक लगाने की इस फेहरिश्त में शुभमन गिल (7) दूसरे नंबर पर हैं। विराट और शुभमन गिल के बीच सिर्फ एक शतक का फासला है।

अगर शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 टी20 मैच या 3 वनडे मैच की सीरीज में एक शतक भी लगाते हैं तो वे विराट कोहली की बराबरी कर लेंगे। अगर शुभमन इन 6 मैचों में 2 शतक लगा दें तो विराट को पीछे छोड़ देंगे। फैंस जानते हैं कि विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 या वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। कोहली सीधे टेस्ट सीरीज में जुड़ेंगे, जहां शुभमन भी उनके साथ होंगे।

अब पूरी संभावना बन रही है कि शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर विराट के मुकाबले 6 मैच ज्यादा खेलेंगे। साल 2023 में ज्यादा शतक लगाने की लिस्ट विराट कोहली और शुभमन गिल के बाद डेरिल मिचेल तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने इस साल तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 6 शतक लगाए हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे 5-5 शतक लगाकर संयुक्त रूप से चौथे नंबर पर हैं। एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 1998 में 12 शतक लगाए थे।

आईबीए ने चार नए राष्ट्रीय महासंघों की सदस्यता को मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) ने यहां आयोजित अपनी वार्षिक कांग्रेस में चार नए महासंघों की सदस्यता को मंजूरी दे दी, जबकि तीन संगठनों की सदस्यता समाप्त कर दी गई।

आईबीए से इस्तीफे के बाद नए नेतृत्व के तहत स्विस बॉक्सिंग की वापसी का स्वागत करते हुए 170 से अधिक राष्ट्रीय महासंघ के सदस्यों ने मतदान किया, एक दिशा जिसे बाद में उनकी पिछली आम सभा में उलट दिया गया था।

इसके अलावा, यूएसए बॉक्सिंग की असंबद्धता के बाद प्रसिद्ध रॉय जोन्स जूनियर के नेतृत्व में एक नया संगठन, यूएस बॉक्सिंग फेडरेशन का गठन किया गया था।

आईबीए की विज्ञप्ति के अनुसार, नॉरफ़ॉक आइलैंड बॉक्सिंग एसोसिएशन और तुवालु एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन को स्वीकार किए जाने पर ओसनिया को दो नए सदस्य मिले।

आईबीए कांग्रेस द्वारा जिन तीन संगठनों की सदस्यता समाप्त कर दी गई। वे हैं चेक बॉक्सिंग एसोसिएशन, जर्मन बॉक्सिंग एसोसिएशन और डच बॉक्सिंग फेडरेशन।

इन समाप्ति के बाद, आईबीए प्रमुख उमर क्रेमलेव ने कहा कि आईबीए उन देशों के अन्य संगठनों का स्वागत करेगा जो अब शासी निकाय से जुड़े नहीं हैं।

क्रेमलेव ने कहा, मुक्केबाजी परिवार का हिस्सा बनने वाले देशों में हमारा स्वागत है, लेकिन दुर्भाग्य से कई देशों में हमें मुक्केबाजी संघों के साथ समस्याएं हैं। हमने संस्थाओं पर निर्णय लिए, लेकिन देशों पर नहीं।

हमारे पास पहले से ही ऐसे उम्मीदवार हैं जो यूएस बॉक्सिंग फेडरेशन की तरह आईबीए सदस्यता के लिए आवेदन करना चाहते हैं। हम उन देशों के उम्मीदवारों के लिए खुले हैं जो आईबीए छोड़ देते हैं या जो कांग्रेस के फैसले से समाप्त हो जाएंगे।

इसके अलावा, आईबीए महासचिव और सीईओ क्रिस रॉबर्ट्स ओबीई ने 2024 के लिए इवेंट कैलेंडर की घोषणा की, जिसमें 16 चैंपियंस नाइट्स पेशेवर प्रारूप की लड़ाई शामिल करने की योजना है। जो इस साल 10 से अधिक है। ज़गरेब 13 जनवरी को इनमें से पहली की मेजबानी करने वाला है।

रॉबर्ट्स ने आईबीए चैंपियंस नाइट के माध्यम से एथलीटों को व्यावसायिकता में लाने के लिए मुक्केबाजों और अधिकारियों के साथ अनुबंध हासिल करने के बारे में भी बात की।

आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप कजाकिस्तान के अस्ताना में होनी है। जिसमें आर्मेनिया आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप पर बातचीत कर रहा है, जिसने पहले इस साल आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप आयोजित की थी।

फ्रैंकफर्ट ने बायर्न म्यूनिख को 5-1 से रौंदा

बर्लिन।

आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट ने बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के अपराजेय क्रम को समाप्त कर दिया, क्योंकि एरिक जूनियर दीना एबिम्बे के दो गोल ने 14वें दौर में 5-1 से जीत का मार्ग प्रशस्त किया. ईगल्स ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की, जैसे कि फारेस चाइबी ने क्रॉसबार को मार दिया, इससे पहले कि उमर मार्मौश ने 12 मिनट के खेल में स्कोरिंग खोलने के लिए करीबी सीमा से रिबाउंड पर गोल कर दिया

रिपोर्ट के अनुसार बायर्न को मुकाबले में पैर जमाने के लिए कुछ समय की जरूरत थी, और उसने अपना पहला मौका 25वें मिनट में बनाया जब हैरी केन ने आशाजनक स्थिति से बाहर मार दिया, जबकि एरिक मैक्सिम चौपो-मोटिंग चार मिनट बाद फ्रैंकफर्ट के गोलकीपर केविन ट्रैप को तंग कोण से नहीं हरा सके।

यह मेजबान टीम ही थी जिसने पिच के दूसरे छोर पर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। दीना एबिम्बे ने बायर्न के डिफेंडरों अल्फोंसो डेविस और डेयोट उपामेकानो को पीछे छोड़ दिया और फिर आधे घंटे की समाप्ति पर गोलकीपर मैनुअल नेउर को करीब से हराया।

अथक फ्रैंकफर्ट ने इसे तीन पांच मिनट बाद बनाया, क्योंकि ह्यूगो लार्सन ने जोशुआ किमिच के गलत पास को रोकने के बाद पलटवार किया. बवेरियन ने पहले हाफ के समापन चरण में जीवन के संकेत दिखाए जब किमिच ने लेरॉय साने से 18 मीटर से ऊपरी दाएं कोने में एक पास ड्रिल किया।

बायर्न के दोबारा शुरू होने के बाद हालात बद से बदतर होते चले गए। दीना एबिम्बे ने उपामेकानो को बेदखल कर दिया और बॉक्स के अंदर से अपना डबल पूरा किया, जिससे 50वें मिनट में स्कोरबोर्ड पर स्कोर 4-1 हो गया।

बायर्न प्रतिरोध नहीं कर सका, जबकि फ्रैंकफर्ट ने स्कोरिंग पूरी नहीं की और अंसार नॉफ के माध्यम से खेल को घंटे के निशान पर समाप्त कर दिया। परिणाम के साथ, बायर्न ने स्टैंडिंग के शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया, जबकि फ्रैंकफर्ट सातवें स्थान पर रहा।

बायर्न के कोच थॉमस ट्यूशेल ने कहा, हमने अच्छा नहीं खेला और बहुत सारी गलतियाँ कीं, और हमें कड़ी सजा मिली. अब हमें खुद से सवाल करना होगा कि यह कैसे संभव है कि हम इस तरह का खेल शुरू करें।

अन्य मैचों में, यूनियन बर्लिन मोनचेंग्लादबाक को 3-1 से हराकर जीत की राह पर लौट आया; लीपज़िग 10-पुरुषों वाले बोरूसिया डॉर्टमुंड से 3-2 से आगे हो गया; फ्रीबर्ग ने वुल्फ्सबर्ग की हार का क्रम बढ़ा दिया क्योंकि माइकल ग्रेगोरित्च का गोल तीनों अंक हासिल करने के लिए पर्याप्त था; वेर्डर ब्रेमेन ने ऑग्सबर्ग को 2-0 से हराया; और हेडेनहाइम ने नवागंतुकों के मुकाबले में डार्मस्टेड को 3-2 से हरा दिया। हॉफेनहाइम ने बोचुम के पांच मैचों के अजेय क्रम को 3-1 पर रोक दिया।

मोहम्मद सलाह 150वें प्रीमियर लीग गोल के साथ विशिष्ट सूची में शामिल

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सलाह क्रिस्टल पैलेस पर अपनी टीम की 2-1 की जीत में बराबरी का गोल करने के बाद 150 प्रीमियर लीग गोल तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में शामिल हो गए हैं। मैच में सेलहर्स्ट पार्क में डिफ्लेक्टेड स्ट्राइक भी लिवरपूल शर्ट में एक मील का पत्थर था क्योंकि यह सभी प्रतियोगिताओं में क्लब के लिए उनका 200वां गोल था। फॉरवर्ड ने प्रतियोगिता में केवल 247 मैचों में ही यह उपलब्धि हासिल की और यह उपलब्धि हासिल करने वाले 11वें खिलाड़ी बन गए। मिस्र का खिलाड़ी प्रतियोगिता के इतिहास में इस मुकाम तक पहुंचने वाला पांचवां सबसे तेज खिलाड़ी है, एंड्रयू कोल और पूर्व लिवरपूल स्ट्राइकर माइकल ओवेन की तुलना में वह वहां तक तेजी से पहुंचा है। सालाह का सर्वश्रेष्ठ गोलस्कोरिंग अभियान 2017/18 सीज़न में आया, जो लिवरपूल के साथ उनका पहला अभियान था। उन्होंने 36 मैचों में कुल 32 बार नेट हासिल किया (उस समय 38 मैचों के अभियान में गोल के लिए प्रीमियर लीग रिकॉर्ड), उस सीज़न में सभी प्रतियोगिताओं में 44 गोल किए। वर्तमान में प्रीमियर लीग में सक्रिय खिलाड़ियों में से केवल एर्लिंग हालैंड का रिकॉर्ड सालाह से बेहतर है।

सौंदर्य और फिटनेस की जिम्मेदारी

दिन भर के तनाव के बाद स्पा ट्रीटमेंट मिल जाए तो यकीनन बहुत अच्छा महसूस होगा। स्पा सेंटर्स आसानी से मिल तो जाते हैं पर सही ट्रीटमेंट के लिए जरूरी होता है कि आपके थेरेपिस्ट ने उचित ट्रेनिंग हासिल की हो।

लोगों में फिटनेस और स्पा के क्रेज को देखते हुए स्पा सेंटर्स में इजाफा होता जा रहा है। हेयर एंड बॉडी स्पा से न सिर्फ आपकी थकान दूर होती है, बल्कि मानसिक तौर पर भी वह आपको स्वस्थ रखता है। एक स्पा थेरेपिस्ट के तौर पर इस फील्ड में काफी स्कोप है।

क्या है स्पा मैनेजमेंट व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में रिलैक्स होने के लिए स्पा थेरेपी का चलन बढता जा रहा है। स्पा सेंटर्स को व्यवस्थित रखने और एंप्लॉइज को उचित ट्रेनिंग देने के लिए वहां स्पा मैनेजर्स की नियुक्ति की जाती है। ये कस्टमर सर्विस से जुडे हर काम के लिए उत्तरदायी होते हैं। प्रोफेशनल स्पा मैनेजर्स को हर तरह के बॉडी केयर ट्रीटमेंट, जैसे कि मसाज, बॉडी रैप्स, बॉडी स्क्रब्स आदि की ट्रेनिंग दी जाती है। मसाज करने के साथ ही ये फेशियल, मेनिक्योर, पेडिक्योर, वैक्सिंग, मेकअप, नेल ट्रीटमेंट, अरोमाथेरेपी, इलेक्ट्रोथेरेपी, रिफ्लेक्सोलॉजी, हाइड्रोथेरेपी आदि में भी कुशल होते हैं।

जरूरी हैं ये गुण धैर्य, निष्ठा और एकाग्रता लोगों की मदद करने और उन्हें समझने का स्वभाव कुशल संवाद शैली और समय प्रबंधन आना विविध प्रकार की मसाज तकनीकों का ज्ञान मसाज ऑयल्स, बॉडी एनाटॉमी, सामाजिक व्यवहार, मसल्स और जॉइंट्स की जानकारी होना

कोर्स का महत्व स्पा मैनेजर बनने के लिए कोई निर्धारित डिग्री लेने की जरूरत नहीं होती है पर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में डिग्री या डिप्लोमा लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। स्कूली शिक्षा खत्म करने के बाद इसमें सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर स्पा थेरेपिस्ट बना जा सकता है। विभिन्न संस्थानों में 1 महीने से 6 महीने तक की अवधि वाले कोर्स करवाए जाते हैं। कुछ संस्थानों में 15 दिनों की अवधि वाले कोर्स करने का विकल्प भी होता है। इन कोर्सेज के द्वारा व्यक्ति को उचित प्रोफेशनल ट्रेनिंग देने के साथ ही स्पा सेंटर स्थापित और व्यवस्थित करने की जानकारी भी दी जाती है।

संस्थान नियमित या ऑनलाइन कोर्स कर इस क्षेत्र में ट्रेनिंग हासिल की जा सकती है। ग्रेजुएट या डिप्लोमा धारक भी स्पा थेरेपी में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स या स्पा मैनेजमेंट में मास्टर डिप्लोमा कर सकते हैं। इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्थेटिक्स एंड स्पा, पुणे इस्पा स्पा अकेडमी, कोच्चि प्योरटच स्पा अकेडमी, केरल आनंदा स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद

सर्दियों में जैकेट से बनायें अपना लुक कुछ हटके

सर्दियों का मौसम आने वाला है। सर्दियों का फैशन यानी जैकेट्स और वुलेन्स का फैशन। इस मौसम में फैशन का तड़का लगाने के लिए अपने वॉर्डरोब में स्टाइलिश लेदर जैकेट्स से आप स्टाइल स्टेटमेंट बयां करने के लिए एकदम तैयार होंगे। जैकेट को कैसे स्टाइल करें, इस बारे में फैशन विशेषज्ञ कहते हैं कि लेदर जैकेट को डेनिम्स या फॉर्मल ट्राउजर के साथ टीमअप करें। ऐसे ही कई टिप्स लेकर आये हैं आज हम ताकि आप इन सर्दियों में खुद को अच्छे से पेश कर सकें। तो आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में।

- काली बाइकर जैकेट को डेनिम्स और सादी टीशर्ट के साथ पहनें। इसके साथ अपने राइडिंग ग्लोव्ज पहनें और आप सड़क पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं।
- वेलवेट अब सिर्फ रोमांटिक और शाम को गोथिक शैली की पार्टी में पहने जाने तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह जीवंतता का प्रतीक बन गया है। दिन में भी इसे पहना जा सकता है। इस कपड़े से बने ट्राउजर, बूट, ब्लेजर आदि पहनने पर शाम की पार्टी में सबकी निगाहें आप पर टिकी रहेंगी।
- सिंपल, स्टाइलिश और रफ एंड टफ लुक के लिए डेनिम जैकेट से अच्छा क्या ऑप्शन हो सकता है। डेनिम में ब्लू, ब्लैक और ऑफ व्हाइट शेड्स आप ट्राइ कर सकते हैं। लड़कियां डेनिम जैकेट्स के साथ चेरी, ब्राउन, पिंक, ग्रीन आदि रंगों का कांबिनेशन ट्राइ कर सकती हैं।
- अगर आपकी लेदर जैकेट में फर है तो इसे ज्यादा स्टाइल न करें और इसे काली टीशर्ट और डेनिम के साथ टीमअप करें।
- शेल जैकेट सर्दियों के लिए परफेक्ट जैकेट है। यह आपको स्पोर्टी लुक देगी। ब्लू डेनिम जीन्स के साथ इसका कांबिनेशन बेहद स्मार्ट है। चूंकि इसमें आप जिप को गले तक चढ़ाकर खुद को पूरी तरह कवर कर सकते हैं इसलिए आप ट्रैवलिंग के दौरान बेझिझक होकर इसे ट्राइ करें।
- मकीले फिसलन वाली स्लिप ड्रेस शानदार डिजाइनों से सजी होने पर और भी ज्यादा खूबसूरत लगती हैं। इन्हें ढीले स्वेटर या लेदर जैकेट पर पहना जा सकता है।

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज, जो बनाएं स्टाइलिशस्टाइलिशस लुक

एसिमिट्रिकल ड्रेसेज इन दिनों डिमांड में हैं। वेस्टर्न के साथ ही इंडियन वेयर्स में यह पैटर्न, खासतौर से कुर्ती के डिजाइन और टॉप्स वॉर्डरोब में शामिल हो रहे हैं। इन्हें लेगिंग्स और जैगिंग्स के अलावा सिगरेट पैंट्स के साथ भी पहना जा सकता है। स्टाइलिश दिखने वाली ये ड्रेसेज ऑफिस से लेकर किटी पार्टी तक कहीं भी पहनी जा सकती हैं। बस मौके की नजाकत को देखते हुए इनकी स्टाइलिंग का खयाल रखें।

ड्रेस का चुनाव

इन ड्रेसेज को जो बात खास बनाती है, वह है उसकी हेमलाइन। हाई-लो हेमलाइन वाली यह ड्रेस लुक को बैलेंस तो करती ही है, यह स्टाइलिश भी लगती है। इस ड्रेस के साथ जयादा एक्सेसरीज, मेकअप और ब्राइट कलर्स की पेयरिंग से बचना चाहिए। अगर ड्रेस के साथ बेल्ट भी पहनने की सोच रही हैं तो उसमें भी लाइट शेड ही चुनें। कलरफुल, वाइड और प्रिंटेड बेल्ट लुक को खराब कर सकती हैं।

शर्ट या ब्लाउज

इस हेमलाइन का इस्तेमाल कॉलेज और आउटिंग के लिए किया जा सकता है। शर्ट के साथ वाइड लेग पैंट्स बेहद अच्छी लगती हैं।साड़ी को मॉडर्न टच देना चाहती हैं तो ब्लाउज के रूप में इस हेमलाइन का इस्तेमाल करें और उसे बेल्ट के साथ पहनें। आप अपने लुक में खुद ही बदलाव महसूस करेंगी।

सही फुटवेयर्स चुनें

आपकी ड्रेस कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो, अगर उसके साथ फुटवेयर सही नहीं हैं तो इससे आपका पूरा लुक बिगड़ सकता है। अलग-अलग तरह की ड्रेसेजके साथ फुटवेयर्स में भी वरायटी नजर आनी चाहिए। अगर आपकी ड्रेस की हेमलाइन शीयर है तो प्लेटफॉर्म हील्स इसके लिए अच्छा विकल्प साबित हो सकती हैं। यह एलीगेंट और क्लासी लुक देता है। कुछ अलग ट्राई करने के लिए ड्रेस के साथ बूट्स भी पहन सकती हैं।

पैरों को करें हाइलाइट

शॉर्ट ड्रेसेज की तरह ऐसी ड्रेसेज में भी टोन्ड लेग्स शो कर सकती हैं। फ्रंट हाइ हेमलाइन वाली ड्रेसेज लुक को ही नहीं, पैरों को भी हाइलाइट करेंगी। कैजुअल लुक के लिए इनके साथ शूज पहनने का आइडिया अच्छा रहेगा। पार्टी लुक के लिए स्टिलेटोस अच्छे लगेंगे।

लेयर्स करें ट्राई

इन ड्रेसेज को श्रग या ब्लेर के साथ भी टीमअप किया जा सकता है। इस बात का ध्यान रखें कि ड्रेस के साथ पहने जाने वाले ब्लेजर या श्रग का फैब्रिक ड्रेस से अलग हो, वरना ये आपस में मिक्स हो जाएंगे। कंट्रास्ट कलर्स का कॉम्बनेशन अच्छा लगता है।

सर्दियों में पाएं 15 मिनट में निखार

सनस्क्रीन का चुनाव

इस सीज़न में त्वचा को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उसे कोमल बनाए रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। अलाना की ब्यूटी एक्सपर्ट राशी बहेल मेहरा के मुताबिक, खूबसूरत और स्वस्थ त्वचा पाने के लिए रोज़ाना सुबह उठने के बाद खुद को 15 मिनट दें। इस प्रक्रिया में सबसे पहले स्टीम लें, शरीर की मसाज के बाद त्वचा की मृत कोशिकाएं हटाने के लिए इसे एक्सफोलिएट करें और फिर मॉयस्चराइज़ करें, जिससे त्वचा में कुदरती निखार आएगा।

निखार बढ़ाए स्टीम

खूबसूरत व मुलायम त्वचा पाने के लिए स्टीमिंग ज़रूरी है। इससे रोमछिद खुल जाते हैं और त्वचा भीतर से साफ हो जाती है। इसके लिए एक बर्तन में गुनगुना पानी डालें। इसमें दो टेबलस्पून गुलाब की पंखुडि?ां और दो टेबलस्पून रोज़मेरी की पत्तियां डालें। अब टॉवल को इस पानी में भिगोकर हलका निचोड़ लें। फिर इसे अपने चेहरे की त्वचा पर हलके हाथ से थपथपाते हुए दबाएं। ऐसा लगभग तीन मिनट तक करें। सप्ताह में इसे दो बार ज़रूर अपनाएं।

मसाज करें

स्टीम लेने के बाद अच्छे रिज़ल्ट के लिए 5 मिनट तक मसाज ज़रूरी है पर ध्यान रहे कि जयादा देर तक मालिश करने से शरीर में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कसावट लाने के लिए त्वचा की मसाज करना ज़रूरी है। चेहरे की खूबसूरती बनाए रखने के लिए नियमित तौर पर मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और गंदगी बाहर निकलती है। इससे त्वचा में ग्लो बना रहता है, साथ ही उसे पोषण भी मिलता है। अपनी उंगलियों के पोर पर मसाज ऑयल की कुछ बूंदें लगा लें।

कच्छ का रण , गुजरात

कच्छ अद्भुत सांस्कृतिक विभिन्नता और कच्छ के रण के अनोखे भौगोलिक परिदृश्य का अनुभव के लिये आपको इस जगह जरूर घूमना चाहिये। महान कच्छ का रण गुजरात प्रांत में कच्छ जिले के उत्तर तथा पूर्व में फैला हुआ एक नमकीन दलदल का वीरान प्रदेश है। यह विश्व का सबसे बड़ा लवणीय मरूस्थल है। दीर्घ रण 7505 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है और यह कच्छ के लघु रण की तुलना में थोड़ा बड़ा है। यह विभिन्न प्रकार जन्तु तथा पौधों की प्रजातियों के लिये घर है। विभिन्नता वाले मौसम के कारण यह कई प्रवासी पक्षियों के आराम करने का स्थान भी है।

कच्छ मे कुछ अन्य घूमने के स्थान

नारायण सरोवर अभ्यारण्य

नारायण सरोवर वन्यजीव अभ्यारण्य उन अभ्यारणों में शामिल है जिनमें विभिन्न प्रजातियों के साथ-साथ 15 लुप्तप्राय प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं। यहाँ केवल कठोर वातावरण के अभ्यस्त जीव ही रह सकते हैं इसलिये इस अभ्यारण्य में कुछ ऐसे जन्तु पाये जाते हैं जो कहीं और नहीं पाये जाते। यहाँ तरह तरह के जानवर पाए जाते है। आप यहाँ दुर्लभ स्तनपाइयों जैसे कि जंगली बिल्ली से लेकर मरूस्थलीय लोमड़ी तक और चित्तीदार हिरण से लेकर जंगली भालू तक देख सकते हैं। गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे निडर जानवर के रूप में दर्ज शहद वाले बिज्जू भी यहाँ रहते हैं। ये स्थान बच्चों को बहुत ही पसंद आता है।

कच्छ बस्टर्ड अभयारण्य

कच्छ बस्टर्ड अभयारण्य, जिसे लाला परजन अभ्यारण्य के रूप में भी जाना जाता है, को वर्ष 1992 में कच्छ के जखाऊ गाँव में ओटिडिडे पक्षी परिवार के सबसे भारी उड़ने वाले पक्षी महान भारतीय तिलोर के संरक्षण के लिये स्थापित किया गया था। महान भारतीय तिलोर एक लुप्तप्राय प्रजाति है जो अभ्यारण्य के घास के मैदानों में छिप जाता है और पर्यटकों के लिये मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है। चिंकारा, जंगली बिल्ली और नीलगाय यहाँ की अन्य पाई जाने वाली प्रजातियाँ हैं।

सियोट गुफायें

सियोट गुफायें पहली शताब्दी ईसा पूर्व की हैं और इनका गर्भगृह और रास्ता पूरबमुखी है। इसे 7 वीं शताब्दी के चीनी यात्री द्वारा सिन्धु नदी के मुहाने पर बताई गई 80 बौद्ध धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है।

मथा नो मध

मथा नो मध वह स्थान है जहाँ कच्छ की प्रमुख देवी आशापुरा माता का प्रसिद्ध मन्दिर स्थित है। द्वह्य मन्दिर की बहुत मान्यता है और गुजरात के कई इलाकों से भारी संख्या में भक्त इस मन्दिर तक पैदल आते हैं। इस मन्दिर का निर्माण लखो फुलानी, अजो और अनागोर के पिता के शासनकाल के दो मन्त्रियों ने 14वीं शताब्दी मेंकरवाया था।

भुजियो डूँगर पहाड़ियाँ

भुजियो डूँगर की पहाड़ियाँ यहाँ की बहुत ही फेमस जगह है यह पहाड़िया 160 मीटर ऊँची हैं जहाँ से भुज शहर पूरा दिखता है यही आप पूरा भुज एक साथ देखने की इक्छा रखते है तो इन पहाड़ियों पर जरूर आये और इन्ही पहाड़ियों की वजह से इस शहर का नाम भुज पड़ा।

बन्नी घास के मैदान

बन्नी घास के मैदान वन क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं जिन्हें गुजरात राज्य के वन विभाग द्वारा संरक्षण प्राप्त है। पर्यटक क्षेत्र में पाये जाने वाले नीलगाय, चिंकारा, काला हिरण, जंगली भालू, सुनहरा सियार, एशियाई जंगली बिल्ली और मरूस्थलीय लोमड़ी जैसे वन्यजीवों को देखने के लिये भारी संख्या में आते हैं। पक्षियों और अकशेरुकियों की विभन्न प्रजातियाँ भी यहाँ पाई जाती हैं।

लघु रण जंगली गधा अभ्यारण्य

गुजरात के कच्छ के रण में स्थित जंगली गधा अभ्यारण्य भारत का सबसे बड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य है। यह अभ्यारण्य 4954 किमी क्षेत्र में फैला है और इसमें विभिन्न प्रजाति के जन्तु और पक्षी पाये जाते हैं जिनमें भारतीय जंगली गधे की लुप्तप्राय प्रजाति के साथ-साथ चिंकारा, कैराकल्स और ऐशिया के विशालतम नीलगाय देखे जा सकते हैं। अभ्यारण्य में इनकी संख्या लगभग 3000 है और ये जानवर अक्सर झुण्ड में देखे जा सकते हैं।

लखपत किला शहर

लखपत कच्छ का एक छोटा सा कस्बा और उप-जिला है जिसका अर्थ होता है लखपतियों का शहर। इस क्षेत्र में साफ मरूस्थलीय हवाओं के कारण रात में आसमान के नजारा अद्भुत होता है। इस सुन्दर परिदृश्य के साथ सूर्योदय और सूर्यास्त को अवश्य देखना चाहिये। यह शहर 18 वीं सदी के लखपत किले की चहारदीवारी में स्थित है। गुजरात और सिन्ध को जोड़ने के कारण यह शहर व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा है। इस शहर तक पर्यटक अभी भी आते हैं। 7 किमी लम्बी दीवारें, जिन्हें 1801 ई0 में जमादार फतेह मोहम्मद द्वारा बनावाया गया था, इतने वर्षों बाद अभी भी लगभग सलामत हैं।

कच्छ आने का सर्वोत्तम समय

अगर आप कच्छ के सौंदर्य का आनंद लेना चाहते है तो कच्छ आने का सबसे बढ़िया समय सर्दियों का मौसम होता है।

कच्छ जाने के लिए मार्ग

कच्छ पहुंचने के लिए आप रेल तथा सड़क मार्गों का सहारा ले सकते हो और यदि आप हवाई यात्रा करके यहाँ पहुंचना चाहते हो तो आपके लिए सबसे निकटतम हवाईअड्डा भुज हवाईअड्डा है।

रेसिपी

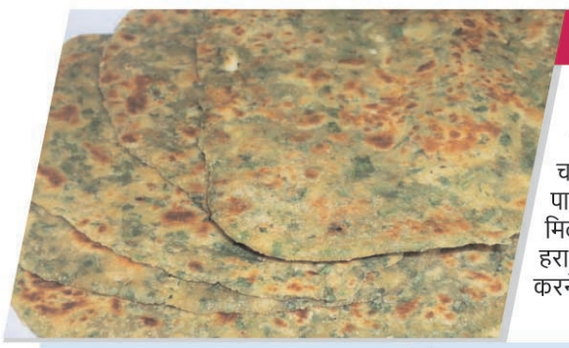

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदा-280 ग्राम, नमक- 3/4 छोटा चम्मच, चीनी- 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी-80 मिलीलीटर, शीत पानी-70 मिलीलीटर, तेल-फाई करने के लिए, हरा प्याज- स्वादानुसार, तेल- ब्रश करने के लिए

विधि

हरे प्याज का पराठाएक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मुरमुरे के लड्डू

सामग्री

गुड़- 250 ग्राम
पफ्ड राइस- 100 ग्राम
पानी- जरूरत अनुसार

विधि

मुरमुरे के लड्डूएक बर्तन में 250 ग्राम गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं। एक बार जब गुड़ पिघल जाए, तो गैस को तेज करके गुड़ को उबाल लें। इसमें 100 ग्राम पफ्ड राइस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद गैस बंद कर लें। फिर अपने हाथों पर थोड़ा सा पानी लगाएं और तैयार मिश्रण की छोटी-छोटी गेंदें बना लें। आपके मुरमुरे के लड्डू तैयार है, इसे ठंडा करके सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)